ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

उडुपी में भारी बारिश से भयंकर बाढ़ @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 17 जुलाई, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-198

बंदरगाह व्यवसाय में उभर रहे भारत को रोकने की थी साजिश

अडाणी तो बहाना था, निशाना कहीं और था

चीन ने हिंडनबर्ग व किंगडन के साथ मिलकर रचा षडयंत्र

चीन की भारत विरोधी बिसात पर राहुल गांधी बने मोहरा

अमेरिका स्थित प्रमुख शोध कंपनी और शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने 25 जनवरी 2023 को भ्रामक रिपोर्ट जारी कर भारत के प्रमुख औद्योगिक घराने अडाणी समूह को निशाना बनाया था। पूरे प्रकरण में हिंडनबर्ग अकेले नहीं था। इसमें अमेरिकी व्यवसायी मार्क एलियट किंग्डन और जॉर्ज सोरोस के साथ चीन की भूमिका के लिंक मिले हैं। इको सिस्टम का यह समेकित हमला अडाणी समूह के बहाने भारत को कमजोर करने के लिए था। इसका कारण है, वैश्विक बंदरगाह व्यवसाय में भारत तेजी से अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है, जिसमें अडाणी पोर्ट्स की भूमिका महत्वपूर्ण है।

हिंडनबर्ग ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि तीन वर्ष में अडाणी समूह की 7 कंपनियों के शेयर 819 प्रतिशत बढ़े, जिससे गौतम अडाणी और उनके परिवार की संपत्ति 100 अरब डॉलर बढ़कर 120 अरब डॉलर हो गई है। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया था कि मॉरिशस से लेकर संयुक्त अरब अमीरात तक टैक्स-हेवन देशों में अडाणी परिवार की कई मुखौटा कंपनियां हैं। इनका उपयोग भ्रष्टाचार, मनी लांड्रिंग के लिए किया गया। यानी मुखौटा कंपनियों के जरिए भारत से पैसे बाहर भेजे जाते थे, जो विदेशी निवेश के रूप में वापस आते थे। दावा है कि इन मुखौटा कंपनियों के जरिए फंड की हेराफेरी भी की गई। इस रिपोर्ट से भारतीय शेयर बाजार में भूचाल आ गया, जिसका अडाणी समूह की कंपनियों पर व्यापक प्रभाव पड़ा। अडाणी की संपत्ति एक महीने के भीतर 80 अरब डॉलर से कम हो गई और एक समय समूह का बाजार मूल्य 150 अरब डॉलर से अधिक नीचे चला गया था।

शुभ-लाभ सरोकार

हालांकि अडाणी समूह ने रिपोर्ट को निराधार और बदनाम करने वाला बताया था। समूह के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) जुगेशिंदर सिंह ने कहा था, रिपोर्ट में तथ्यात्मक आंकड़ों के लिए समूह से संपर्क नहीं किया गया। चुनिंदा गलत व बासी सूचनाओं के साथ निराधार और बदनाम करने की मंशा से रिपोर्ट तैयार की गई। अडाणी समूह के विधि प्रमुख जतिन जलुंढ़वाला ने उस समय कहा था कि अडाणी समूह के शेयरों में होने वाली गिरावट से हिंडनबर्ग को फायदा होगा। उनका आरोप सच साबित हुआ। हिंडनबर्ग ने शॉर्ट और मिड सेलिंग से अडाणी से 40 अरब डॉलर यानी 33 करोड़ रुपए कमाए।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने मामले की जांच के बाद हिंडनबर्ग रिसर्च पर कई तरह के उल्लंघन के आरोप लगाते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया। इसमें सेबी ने कहा कि हिंडनबर्ग ने झूठा दावा कर बाजार को गुमराह किया कि भारत में सूचीबद्ध अडाणी समूह के शेयरों में उसका प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष निवेश नहीं है। हालांकि हिंडनबर्ग का कहना है कि अडाणी समूह की प्रतिभूतियों में उसका निवेश केवल अमेरिकी-व्यापारिक बॉण्ड और गैर-भारतीय व्युत्पन्न उपकरणों तक सीमित था। हिंडनबर्ग के ये कथन रिपोर्ट के डिक्लेमर, प्रारंभिक प्रकटीकरण, और प्रकटीकरण अनुभागों में दिखे। नोटिस से पता चलता है कि सेबी में पंजीकृत विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक के-इंडिया अपॉर्च्युनिटीज फंड लिमिटेड (केआईओएफ) क्लास एफ ने रिपोर्ट प्रकाशित होने से ठीक पहले अडाणी इंटरप्राइजेज के शेयरों में कारोबार किया और तुरंत बाद अपनी शॉर्ट पोजीशन को बेचकर 183.24 करोड़ रुपए (22.25 मिलियन डॉलर) का लाभ कमाया।

महत्वपूर्ण बात यह है कि सेबी की जांच में एक अन्य अमेरिकी मार्क एलियट किंग्डन की भूमिका भी सामने आई है। वह हेज फंड किंग्डन कैपिटल मैनेजमेंट का संस्थापक है। सेबी का आरोप है कि रिपोर्ट जारी करने से पहले हिंडनबर्ग और मार्क किंग्डम के बीच लाभ में हिस्सेदारी के लिए एक समझौता हुआ था।

▶10पर

लोकसभा चुनाव के बाद जम्मू-कश्मीर में तेज हुई आतंकी घटनाएं

डोडा मुठभेड़ में कैप्टन समेत 4 फौजी शहीद

जम्मू, 16 जुलाई (ब्यूरो)।

लोकसभा चुनाव के बाद जम्मू कश्मीर आतंकी हमले की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। सोमवार को जम्मू संभाग के जिला डोडा के देसा वन क्षेत्र में सुरक्षाबलों और आतंकियों की अचानक मुठभेड़ हो गई, जिसमें सेना के कैप्टन सहित चार फौजी वीरगति को प्राप्त हो गए। आतंकी संगठन कश्मीर टाइगर्स ने हमले की जिम्मेदारी ली है। हालांकि अभी सेना और पुलिस की तरफ से इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। बीते आठ दिनों में ये दूसरी आतंकी वारदात है। इससे पहले कठुआ के पहाड़ी क्षेत्र बदनोता में आतंकियों ने घात लगाकर सैन्य वाहन पर हमला किया था। इसमें पांच जवान शहीद हो गए थे।

डोडा में मुठभेड़ के दौरान सैन्य अधिकारी समेत पांच सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। घायलों की गंभीर हालत में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान कैप्टन समेत चार जवानों ने दम तोड़ दिया। एक अन्य जख्मी फौजी का इलाज चल रहा है।

कैप्टन ब्रजेश कुमार

आतंकियों की गोली से एक अन्य जवान भी जख्मी

32 महीनों में तकरीबन 50 सैनिकों ने जान गंवाई

कार्रवाई कम, बातें अधिक हो रहीं : महबूबा मुफ्ती

सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर रखी है। घटना स्थल पर अतिरिक्त सुरक्षाबलों को भेजा गया है। इलाके में तलाशी अभियान जारी है। आंतकियों की तलाश की जा रही है।

मुठभेड़ तब शुरू हुई जब राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह के जवानों ने शाम करीब 7.45 बजे देसा वन क्षेत्र के धारी गोटे उरारबागी में संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। सेना की व्हाइट नाइट कोर ने बताया, विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर सेना और पुलिस की ओर से डोडा के उत्तर में सामान्य क्षेत्र में एक संयुक्त अभियान जारी था। रात लगभग 9 बजे आतंकियों की तरफ से अचानक भारी गोलीबारी हुई। इसके जवाब में सुरक्षाबल ने भी गोलीबारी की, लेकिन आतंकियों की गोली से कैप्टन ब्रजेश कुमार थापा, नायक डी राजेश, सिपाही बिजेंद्र, सिपाही अजय सिंह और एक अन्य जवान बुरी तरह जख्मी हो गए। उन्हें फौरन बैकअप सपोर्ट से अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका।

▶10पर

दो महीने में नौ आतंकी घटनाएं

जम्मू, 16 जुलाई (ब्यूरो)।

जम्मू संभाग में एक जनवरी 2024 से अब तक आतंकी हमलों में सेना के एक कैप्टन समेत 12 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए हैं। इन हमलों में 10 नागरिकों की मौत हुई। 55 लोग घायल हो गए। इस दौरान महज पांच आतंकवादियों को मौत के घाट उतारा जा सका।

जम्मू संभाग में आतंकवादी घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। आतंकवाद से निपटने के लिए त्रिस्तरीय सुरक्षा ग्रिड बनाए जाने की बात कही गई, लेकिन साबित हुआ कि बात तो बात ही है। जून और जुलाई के महीने में ही आठ आतंकवादी वारदातें हुई हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के शपथ लेने के दिन से शुरू हुआ आतंकी हमलों का सिलसिला अब भी जारी है। सुरक्षा को लेकर कई उच्च स्तरीय बैठकें हो चुकी हैं, लेकिन कुछ आतंकी अब भी सिरदर्द बने हुए हैं।

स्वदेशी कंपनियों से ही खरीदेंगे 346 रक्षा उत्पाद

सैनिकों की शहादत के बीच जोड़ रहे फायदा

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

जम्मू कश्मीर में ताबड़तोड़ हो रही सैनिकों की शहादतें और तेज हो रही आतंकी घटनाओं पर दमदार कार्रवाई के बजाय केंद्र सरकार फायदे का आंकड़ा मजबूत करने में लगी पड़ी है। रक्षा उत्पाद स्वदेशी कंपनियों से ही खरीदेंगे, भले ही उसकी गुणवत्ता की कोई वैश्विक स्तरीयता न हो। इसी आपाधापी में केंद्र सरकार ने रक्षा उत्पादों को स्वदेशी कंपनियों से ही खरीदने की नई सूची तैयार की है। इस सूची में हथियार, आग्नेयास्त्र और गोला बारूद भी शामिल हैं। केंद्र सरकार मानती है कि स्वदेशी खरीद से आयात के 1,048 करोड़ रुपए बचेंगे और अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। सेना दुर्गति में पहुंच रही है, इसकी सरकार को कोई चिंता ही नहीं।

बस सरकार को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का नारा बुलंद करना है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के नाम पर रक्षा उत्पादों का आयात कम करने के लिए रक्षा उत्पादन विभाग ने 346 रक्षा वस्तुओं की पांचवीं सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची (पीआईएल) जारी की है। इस सूची में रणनीतिक रूप से अहम लाइन रिप्लेसमेंट यूनिट,

खरीद में हथियार और गोला बारूद भी शामिल हैं

हजार करोड़ से ज्यादा का होगा सरकार को लाभ

सिस्टम, सब-सिस्टम, असेंबली, सब-असेंबली और रक्षा उत्पादों के लिए कच्चा माल शामिल है। इसके बाद सरकारी रक्षा कंपनियां इन उत्पादों का आयात नहीं कर सकेंगी। रक्षा मंत्रालय ने साल 2020 में सृजन डिफेंस पोर्टल लॉन्च किया था। इस पोर्टल पर रक्षा उत्पादन विभाग और सेवा मुख्यालय, एमएसएमई कंपनियों और विभिन्न स्टार्ट-अप सहित उद्योगों को ▶10पर

के कविता की तिहाड़ जेल में तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

दिल्ली शराब घोटाला मामले में तिहाड़ जेल में बंद बीआरएस नेता के कविता को दिल्ली के दीन दयाल उपाध्याय (डीडीयू) अस्पताल ले जाया गया है। उनकी तबीयत बिगड़ने की शिकायत के बाद जेल प्रबंधन द्वारा उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। अभी यह आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है कि स्वास्थ्य को लेकर हुई किस परेशानी के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती करना पड़ा।

उल्लेखनीय है कि तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता दिल्ली आबकारी नीति घोटाला केस में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद से तिहाड़ जेल में बंद हैं। ▶10पर

केसीआर के खिलाफ जांच से पूर्व जज ने नाम वापस लिया

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। पटना उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एल नरसिम्हा रेड्डी ने मंगलवार को तेलंगाना सरकार की तरफ से गठित एक सदस्यीय जांच आयोग से खुद को अलग कर लिया। यह जांच समिति तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के कार्यकाल के दौरान बिजली क्षेत्र में हुई अनियमितताओं की जांच कर रही थी। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान पूर्व जज ने जांच आयोग से अपना नाम वापस ले लिया। तेलंगाना सरकार ने अनियमितता की जांच के लिए एक सदस्यीय आयोग गठन किया था।

संसद के बजट सत्र से पहले 21 जुलाई को सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

संसद के बजट सत्र से पहले सरकार ने 21 जुलाई को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू संसद के दोनों सदनों में राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ बैठक करेंगे। सर्वदलीय बैठक 21 जुलाई को सुबह 11 बजे दिल्ली के संसदीय सौध स्थित मुख्य समिति कक्ष में होगी। संसद का बजट सत्र 22 जुलाई को शुरू होगा। सत्र 12 अगस्त तक चलेगा। सत्र शुरू होने से पहले सभी दलों के सदन के नेताओं की इस पारंपरिक बैठक में पहली बार नेता प्रतिपक्ष के रूप कांग्रेस सांसद राहुल गांधी शामिल होंगे।

ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस ने इस बैठक में शरीक होने से मना कर दिया है। तृणमूल कांग्रेस का कोई भी प्रतिनिधि इस बैठक में शामिल नहीं होगा। टीएमसी का कहना है कि पार्टी 21 जुलाई शहीद दिवस के रूप में मनाती है। ▶10पर

मंदिर के खजाने का क्या करेगी सरकार, कोई जवाब नहीं

फिर खोला जाएगा जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार

पुरी (ओड़ीशा), 16 जुलाई (एजेंसियां)।

जगन्नाथ पुरी मंदिर का रत्न भंडार गुरुवार को फिर से खोला जाएगा। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) ने मंगलवार को कहा कि रत्न भंडार का आंतरिक कक्ष गुरुवार को सुबह 9.51 बजे से दोपहर 12.15 बजे के बीच फिर से खोला जाएगा। इस दौरान आभूषणों को मंदिर में स्थित अस्थायी कोषागार में स्थानांतरित किया जाएगा। यह फैसला मंगलवार को एसजेटीए के मुख्य प्रशासक अरविंद पाधी, रत्न भंडार को

अस्थायी कोषागार में ले जाए जाएंगे आभूषण

खोलने के दौरान देखरेख के लिए राज्य सरकार की ओर से नियुक्त पर्यवेक्षक समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति विश्वनाथ रथ, पुरी के जिलाधिकारी और अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में हुई बैठक में लिया गया।

इससे पहले रत्न भंडार को 46 साल बाद रविवार को बहुमूल्य वस्तुओं की सूची बनाने और इसकी संरचना की मरम्मत के लिए खोला गया था।

▶10पर

शेयर मार्केट

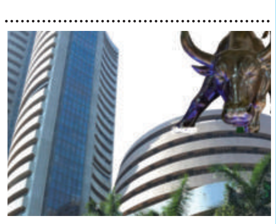

बीएसई : 80,716.55
+51.69 +0.06% ↑

एनएसई :24,613.00
26.30 (0.11%) ↑

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0
न्यूनतम : 20^0

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड पर तलाकशुदा मुस्लिम महिलाएं नाराज

देश संविधान से चलेगा मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड से नहीं

बरेली, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

देश की अन्य महिलाओं की तरह मुस्लिम महिलाओं को भी अपने पूर्व पति से गुजारा भत्ता लेने का हक है, यह फैसला देने वाले सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड खड़ा हो गया तो मुस्लिम महिलाएं मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के खिलाफ खड़ी हो गई हैं। तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं की देश में बड़ी जमात है। इन महिलाओं का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला न्यायपूर्ण और मानवीय है, इसका हर हाल में पालन होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के फैसले की नाफरमानी करने का मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का निर्णय गैर संवैधानिक और गैर कानूनी है। मुस्लिम महिलाओं ने कहा, देश संविधान से चलेगा मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की मनमानी से देश नहीं चलेगा।

तीन तलाक की पीड़ित महिलाओं ने मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड को आड़े हाथों लिया है। तलाकशुदा महिलाओं कहा कि जब कभी भी मुस्लिम महिलाओं को कानूनी संरक्षण या अधिकार मिलता है तो मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड उसमें आड़े आ जाता है। तीन तलाक पीड़िताओं को गुजारा भत्ता देने संबंधी सुप्रीम कोर्ट के आदेश की मुखालफत पर मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के खिलाफ तलाक पीड़िताओं में आक्रोश है। उनका कहना है कि जब कभी भी मुस्लिम महिलाओं को कानूनी संरक्षण या अधिकार मिलता है तो मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड विरोध में खड़ा हो जाता है। बोर्ड का यह रवैया अब तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के लिए असह्य हो रहा है। तलाक के बाद लंबे समय से वह न्याय के लिए अदालतों में लड़ रही हैं। अगर तलाक पीड़िताओं को गुजारा भत्ता नहीं मिलेगा तो वह अपना जीवन यापन कैसे करेंगी? मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने तीन तलाक पर बनाए गए कानून का भी विरोध किया था। इन मुस्लिम महिलाओं ने कहा, सुप्रीम कोर्ट का आदेश सही है और सबको इसे मानना चाहिए।

आला हजरत वेलफेयर सोसायटी की अध्यक्ष निदा खान ने कहा कि जो लोग संविधान और शरीयत को नहीं मानते, वह इस देश में रहकर क्या करेंगे? उन्हें एक ऐसा मुल्क बनाना चाहिए जिसमें सिर्फ उनका ही आदेश चले। ▶10पर

तलाकशुदा महिलाओं ने दी अपनी बेबाक राय

मौलानाओं को अलग मुल्क बना लेना चाहिए

कार्टून कॉर्नर

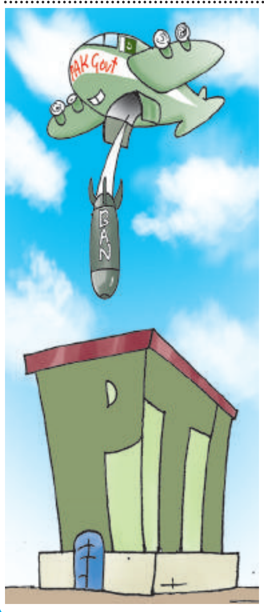

कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन की तीन दिवसीय प्रदर्शनी का आगाज

बेंगलूरु/ शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन की वार्षिक प्रदर्शनी दी इनर स्टोरी नामक इनरवियर ट्रेड शो का तीसरा आयोजन मंगलवार से पैलेस ग्राउंड स्थित गायत्री विहार सागर में प्रारंभ हुआ। बॉडीकेयर वूमन इनरवेयर कम्पनी द्वारा मुख्य रूप से प्रायोजित इस प्रदर्शनी के तीसरे संस्करण का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कर्नाटक सरकार के कपड़ा मंत्री शिवानंद पाटिल ने किया। विशेष अतिथि के रूप में पुलिस उपायुक्त ट्रैफिक आईपीएस अधिकारी कुलदीप जैन, बॉडीकेयर क्रियेसंस के संस्थापक और डायरेक्टर संजय धावर और दपरे के जेडआरयूसीसीआई सदस्य महेन्द्र सिंघी उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर हुई। अध्यक्ष दिलीप कुमार जैन ने उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया। उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी ने बताया कि पिछले दो ट्रेड फेयरों की तुलना में तीसरे ट्रेड फेयर को काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। यह इंडिया का सबसे बड़ा ट्रेड फेयर है, जिसमें मेक इन इंडिया पर अधिक ध्यान केंद्रीत किया गया है। इनरवियर उद्योग के जाने माने अधिकतर ब्रांड अपने उत्पादों का प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि बाहर से आने वाले व्यापारियों के रहने खाने की व्यवस्था भी कार्यक्रम स्थल पर ही की गई है। पहले दिन से ही व्यापारियों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है और आने वाले दो दिनों में भी हमे इससे बेहतर प्रतिक्रिया की उम्मीद है। सचिव रविन्द्र बंबोली ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कुलदीप जैन ने इस आयोजन के लिए किया के सभी सदस्यों को बधाई दी। महेन्द्र सिंघी ने कहा कि मुझे लग रहा है कि पैलेस ग्राउंड में इस कार्यक्रम में पूरा भारत समाया हुआ है, क्योंकि भारत के दिग्गज लोग यहां मौजूद हैं। इस आयोजन के लिए मैं किया के सभी सदस्यों को बधाई देते हुए प्रदर्शनी की सफलता की कामना करता हूं। इस मौके पर उपाध्यक्ष महावीर चंद मेहता, कोषाध्यक्ष प्रकाश एच जैन, संयुक्त सचिव शैंकी एम जैन, जिनेन्द्र कुमार, विनोद चौहान और आईपीपी रमेश चंद जैन के अलावा प्रदर्शनी समन्वयक राजेश चोपड़ा, गौरव शर्मा, महेन्द्र जैन, महीपाल टी. जैन, मूल सिंह राजपुरोहित, मनीष ए. जैन और मधुराम खादव समेत अन्य सदस्य मौजूद थे। प्रदर्शनी में पहले दिन लगभग 2500 लोगों ने दौरा किया।

जैन संस्कार विधि से दायित्व बोध ग्रहण समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ युवक परिषद राज-ाजीनगर का दायित्व बोध ग्रहण समारोह जैन संस्कार विधि से तेरापंथ सभा भवन गांधीनगर में युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी उदितयशाजी के सानिध्य में आयोजित हुआ। जैन संस्कार विधि का शुभारंभ पंच परमेष्ठी नमस्कार महामंत्र के सामूहिक उच्चारण से हुआ। जैन संस्कारक सतीश पोरवाड़ एवं सह संस्कारक रनीत कोठारी ने विभिन्न मंगल मंत्रोंचार के द्वारा विधि को संपन्न करवाया।

दायित्व बोध ग्रहण समारोह के दूसरे सत्र में तेयुप राजाजीनगर द्वारा संचालित भिक्षु श्रद्धा स्वर सदस्यों ने विजय गीत का संगान किया। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन मांडोत द्वारा किया गया। निवर्तमान अध्यक्ष कमलेश गन्ना ने सभी का स्वागत करते हुए नवमनोनित अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

कमलेश चौरड़िया ने टीम की घोषणा करते हुए उपाध्यक्ष प्रथम राजेश देरासरिया, उपाध्यक्ष द्वितीय संजय मांडोत, मंत्री जयंतीलाल गांधी, सहमंत्री प्रथम सुनील मेहता, सहमंत्री द्वितीय चेतन मांडोत, संगठन मंत्री विनोद कोठारी, कोषाध्यक्ष रवि चौधरी, प्रचार प्रसार मीडिया प्रभारी अनिमेश चौधरी एवं कार्यसमिति सदस्यों को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। साध्वी उदितयशाजी ने अध्यक्ष एवं मंत्री के दायित्व को कैसे निर्वाह करना एवं कैसे संघ-संगठन के प्रति अपनी मर्यादाओं का पालन करते हुए गुरु इंगित द्वारा बताए गए मार्गों पर चलते हुए कार्य करने की प्रेरणा प्रदान की। तेयुप राज-ाजीनगर अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन को मजबूत करने का लक्ष्य रखा है, एक और एटीडीसी खोलने एवं परिषद के त्री-आयामी सूत्र सेवा-संस्कार -संगठन और अभातेयुप निर्देशित आयामों को संपादित करने का लक्ष्य रखा है। सभी को एकजुट होकर संघ के लिए कार्य करने का आह्वान किया। सभा मंत्री चंद्रेश मांडोत, शाखा प्रभारी दिनेश मरोठी, तेयुप संस्थापक अध्यक्ष सुनील बाफना, अभातेयुप वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने अपने विचार व्यक्त करते हुए परिषद को एक नई ऊंचाइयों पर लेकर जाने के लिए प्रेरणा प्रदान करते हुए आगामी कार्यकाल हेतु शुभकामनाएं संप्रेषित की। इस अवसर पर सीपीएस राष्ट्रीय सलाहकार सतीश पोरवाड़, अभातेयुप परिवार बेंगलूरु परिषद से अध्यक्ष विमल धारीवाल, विजयनगर अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, हनुमंतनगर अध्यक्ष कमलेश झाबक, यशवंतपुर अध्यक्ष महावीर गन्ना, टी-दासरहल्ली अध्यक्ष कन्हैयालाल गाँधी, कार्यकारणी सदस्य एवं श्रावक समाज की अच्छी उपस्थिति रही। मंच संचालन एवं आभार जयंतीलाल गांधी ने किया।

संस्कारशाला की प्रथम कार्यशाला का आयोजन

कार्यशाला का उद्देश्य बच्चों में अच्छे संस्कारों के साथ सुंदर भविष्य का निर्माण करना: नेहा चावत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कालम्मा सरकारी स्कूल में समृद्ध राष्ट्र योजना के अंतर्गत अखिल भारतीय महिला मंडल द्वारा निर्देशित संस्कारशाला की प्रथम कार्यशाला का आयोजन टी.दासरहल्ली तेरापंथ महिला मंडल द्वारा किया गया। जिसका विषय क्रोधी नहीं सहनशील बनें था। स्कूल में प्रवेश करते समय बहनों ने सभी अध्यापक व बच्चों का जय जिनेन्द्र से अभिवादन किया। अध्यक्ष नेहा चावत ने सभी का स्वागत अभिनंदन कर इस योजना के बारे में बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य बच्चों में अच्छे संस्कारों का वृद्धि कर उनके सुंदर भविष्य का निर्माण करना है। कन्या मंडल प्रभारी पूर्णिमा कठोतिया ने कार्यशाला का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के पश्चात महाप्राण् ध्वनि के साथ करवाया व उससे होने वाले लाभ के बारे में बताते हुए प्रतिदिन महाप्राण ध्वनि करने को कहा। मंत्री नम्रता पितलिया ने बच्चों को बताया कि क्रोध नहीं करना चाहिए, क्योंकि यह हमारी सफलता में बाधक है और क्रोध से हम स्वयं का ज्यादा नुकसान करते हैं। उन्होंने कहानी के माध्यम से व चित्रकला भी दर्शाते हुए क्रोध से बचने हेतु उपाय बताए। जानकारी देते हुए बच्चों से प्रश्न-ोत्तर भी किये गये व अगली कार्यशाला विषय की जानकारी भी प्रदान की। उपाध्यक्ष संगीता बोहरा ने बच्चों को क्रोध से बचने के लिए ज्योति केन्द्र पर चमकते हुए सफेद रंग का ध्यान करवाया और बताया कि किस प्रकार हम ध्यान करके क्रोध को कम कर सकते हैं और इससे एकाग्रता भी बढ़ती है। संचालन संगठन मंत्री सरोज मारू ने किया व आभार ज्ञापन कार्यशाला की संयोजिका किरण मेहर ने व्यक्त किया। सभी बच्चों ने उत्साह पूर्वक ध्यान से सुना। सभी बच्चों को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। स्कूल के प्रिंसिपल हनुमंतप्पा ने सभी बहनों का अभिवादन किया व शाला की शिक्षिका ने मण्डल के इस कार्य की सराहना की। 5वीं से 8वीं कक्षा के कुल 70 बच्चों ने उपस्थिति दर्ज कराई।

चातुर्मासिक प्रवेश में निभाई सहभागिता

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी श्री सिद्धप्रभाजी का चातुर्मासिक मंगल प्रवेश अहिंसा रैली के साथ प्रातः 9 बजे सुशीला देवी, अरविंद, हिम्मत, पवन मांडोत के निवास स्थान से विहार कर तेरापंथ सभा भवन विजयनगर में 9.51 बजे हुआ। वहीं साध्वी उदितयशाजी का चातुर्मासिक मंगल प्रवेश मदनलाल नाहर के निवास स्थान नेहरुनगर से विहार कर तेरापंथ सभा भवन गांधीनगर में हुआ। चातुर्मासिक मंगल प्रवेश में तेरापंथ सभा राजाजीनगर से मंत्री एवं तेयुप परामर्शक चंद्रेश मांडोत, महिला मंडल अध्यक्षा उषा चौधरी एवं टीम, सतीश पोरवाड़, अरविंद गन्ना, निवर्तमान अध्यक्ष कमलेश गन्ना, अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया, राजेश देरासरिया,

जयंतीलाल गांधी, चेतन मांडोत, विनोद कोठारी, रवि चौधरी एवं युवा साथियों के साथ राजाजीनगर श्रावक-श्राविका समाज की अच्छी उपस्थिति रही।

मुनिराज सागरजी का वासुपूज्य जैन मंदिर में नगर प्रवेश

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ पधारें मुनिराज त्रिपुटी बंधु आगम वजरत्न सागरजी का मंगलवार को गुजराती मंदिर से मुख्य बाजार होते हुए महावीर कॉलोनी में स्थित वासुपूज्य जैन मंदिर में नगर प्रवेश हुआ। मंगलवार को प्रातः शुभ मुहूर्त में विहार कर गदग शहर की सीमा में प्रवेश किया। इस अवसर पर भक्तजनों ने मंगल कलश, श्रीफल फूल गुड़ आदि मंगल सामग्री से उन्हें बधाया। मुनिराज ने मंत्रोच्चार कर शहर में प्रवेश किया। उन्होंने मंगलपाठ कर सबकी सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर श्री राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्ति पूजक संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना, ट्रस्टी निर्भय लाल हुंडिया, गौतम चंद कवाड़, दलीचंद कवाड एवं रमेश फौलामुथा,

अशोक फौलामुथा, निर्मल पारेख, रणजीत गुरुजी समेत अंधेरी, दादर, मुंबई, बेंगलूरु, मैसूरु, मालवा एमपी समेत अन्य शहरों से गुरु भक्त पधारे।

अभिनेता चेतन ने मुडा घोटाले की निष्पक्ष जांच की मांग की

चिक्कबल्लापुर/शुभ लाभ ब्यूरो।

अभिनेता चेतन ने मांग की कि मुडा घोटाले में शामिल सभी लोगों से पूछताछ की जानी चाहिए और निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से जांच की जानी चाहिए। शहर में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि एसआईटी कई घोटालों की जांच करने में विफल रही है जिसमें मुडा घोटाला और वाल्मीकि कॉर्पोरेशन घोटाला शामिल है। उन्होंने उन पर सरकार की कठपुतली बनकर काम करने का आरोप लगाया। मुडा घोटाले में कौन शामिल है? इन सभी की निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से जांच होनी चाहिए। सीएम सिद्धरामैया का यह कहना

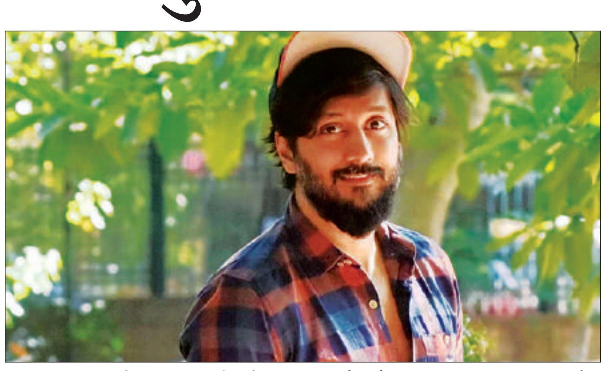

कि भाजपा के काल में ऐसा होगा, सही कदम नहीं है। मुडा घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की पोल सामने आनी चाहिए। राज्य में भेड़ों की बढ़ती चोरी के कारण सरकार लंबे समय से चरवाहों को आग्नेयास्त्र जारी करने पर विचार कर रही है। यह भी कार्रवाई का सही तरीका नहीं है। यह समाज की शांति एवं सुरक्षा के लिए हानिकारक है। इसके बजाय पुलिस व्यवस्था में सुधार करें। आप सुरक्षा के लिए बंदूक नहीं दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे लोगों के बीच टकराव पैदा होगा। देश में वनों का अतिक्रमण बढ़ गया है। जंगल दुनिया के फेफड़ों की तरह हैं। भूमि पर उद्योग और भूस्वामियों द्वारा अतिक्रमण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पशु-पक्षियों के अस्तित्व के लिए मवेशियों, भेड़-बकरियों के चारे के लिए भूमि का संरक्षण किया जाना चाहिए।

अहिंदा यूनियंस के अध्यक्ष और हाई कोर्ट के वकील हरिराम ने कहा हमने सोचा कि कांग्रेस सरकार गारंटी के लिए अलग रास्ता अपना सकती है। लेकिन हमने सोचा नहीं था कि 420 कांग्रेस दलितों की जेब पर डाका डाल रही है। दलित एससीपी-टीएसपी फंड का इस्तेमाल गारंटी के लिए किया गया। पिछले 9 वर्षों में लगभग 75 हजार करोड़ रुपये का दलित धन का दुरुपयोग किया गया है।

निगमों को फंड जारी नहीं किया जा रहा है। जब दलितों का एक प्रतिनिधिमंडल इस सब पर सवाल उठाने गया तो उन्होंने चिल्लाते हुए कहा कि उनके खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा। पीटीसीएल अधिनियम के परिणामस्वरूप दलितों को अपनी जमीन खोनी पड़ी। अधिकारी दलितों के खिलाफ आदेश दे रहे हैं। सरकार एसी, डीसी पर नियंत्रण नहीं कर पा रही है। उन्होंने गरजते हुए कहा कि सरकार उनकी सुरक्षा के लिए काम कर रही है।

नए पुलिस स्टेशन की शुरुआत में 50 से 60 हजार की आबादी होनी चाहिए : परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने विधानसभा में कहा कि नया पुलिस स्टेशन शुरू करने के लिए आबादी 50 से 60 हजार होनी चाहिए।

प्रश्नोत्तरी सत्र के दौरान अल्लम प्रभु पाटिल के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पुलिस आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार पुलिस स्टेशन खोला जाना चाहिए।

कलबुर्गी शहर में जेवार्गी रोड पर राम मंदिर के पास कोटानूर पुलिस चौकी, जैसा कि विधायकों ने अनुरोध किया था, पर विचार नहीं किया गया क्योंकि यह निर्धारित मानकों को पूरा नहीं करता है। विधायकों ने दोबारा जांच करने को कहा है। तदनुसार जाँच करेंगे और यदि आवश्यक हो तो विचार करेंगे। लेकिन उन्होंने कहा कि पड़ोसी स्टेशनों को मजबूत किया जाएगा।

उडुपी में भारी बारिश से भयंकर बाढ़

विभिन्न इलाकों की सड़कें हुई जलमग्न

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले में मंगलवार को भारी बारिश के कारण कई इलाकों में बाढ़ आ गई। निचले इलाकों में पानी भर गया और नदियां और सहायक नदियां उफान पर होने के कारण सड़कें जलमग्न हो गईं। नदियों के जलस्तर में तेजी से वृद्धि के कारण सड़कों और रिहायशी इलाकों में पानी भर गया, जिससे राहगीरों के लिए सड़कें अदृश्य हो गईं। सीता नदी के बढ़ते जलस्तर के कारण बारिश का पानी सड़कों पर बह रहा है। नतीजतन, हेबरी-अगुम्बे सड़क को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया और उडुपी से शिवमोग्गा जाने वाले यात्रियों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने की सलाह दी गई। उप्पूर में सरकारी स्कूल में बारिश का पानी भर गया। जब स्कूल का खेल का मैदान जलमग्न हो गया, तो प्रशासन ने तुरंत किताबें, दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक सामान और अन्य पठन सामग्री को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। नदी के उफान पर होने के कारण इस क्षेत्र में हर साल मानसून के दौरान बाढ़ आती है। बारिश का पानी इलाके के रिहायशी घरों में भी घुस गया। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से अपील की है कि इलाके में पानी घुसने से रोकने के लिए दीवार बनाई जाए। ब्रह्मवर के उप्पूर में सरकारी हाई स्कूल के शिक्षक प्रशांत शेट्टी ने कहा शिवमोग्गा और चिकमगलूरु जैसे ऊपरी इलाकों में भारी बारिश के कारण निचले इलाकों में नदियां उफान पर हैं। स्कूल का इलाका पानी से भर गया है। अगर बारिश जारी रही तो स्कूल के अंदर पानी घुसने की संभावना है। हमने पढ़ने की सामग्री, कंप्यूटर और किताबें सुरक्षित जगह पर पहुंचा दी हैं। चूंकि डिप्टी कमिश्नर ने स्कूली छात्रों के लिए छुट्टी की घोषणा की है, इसलिए बाढ़ से कोई समस्या नहीं हुई।

कोप्पा-चिकमगलूरु राजमार्ग का एक हिस्सा भूस्खलन की वजह से हुआ अवरुद्ध

चिकमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। क्षेत्र में भारी बारिश के बाद नार्वे के पास भूस्खलन की वजह से कोप्पा-चिकमगलूरु राजमार्ग का एक हिस्सा सड़क से जुड़ गया है। इस मार्ग पर वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया गया है और लोगों से नार्वे सर्कल से नागल-पुरा होते हुए कोप्पा शहर तक जाने के लिए वैकल्पिक मार्ग अपनाने को कहा गया है। इसी तरह, प्रशासन ने कहा कि कोप्पा से, चिकमगलूरु जाने के लिए अंडागरू होते हुए कलकेरे मुख्य सड़क तक पहुंचा जा सकता है। तुंगा नदी के उफान के कारण केरेकट्टे, किग्गा और श्रृंगेरी इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति देखी गई है। निचले इलाकों में बागान और धान के खेत जलमग्न हो गए हैं। तालुक में कई जगहों पर दीवारें गिरने की खबरें हैं। पेड़ों के गिरने से घर और गौशालाएं भी क्षतिग्रस्त हो गई हैं। तालुक में बिजली की आपूर्ति भी बाधित हो गई है, जिससे बिजली के तार कट गए हैं।

उत्तर कन्नड़ के अंकोला में भूस्खलन से पांच लोगों के बह जाने की आशंका

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

त्तर कन्नड़ जिले में मंगलवार को भारी बारिश जारी रही, क्योंकि अंकोला तालुक के शिरुर गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 66 पर एक पहाड़ी का एक हिस्सा ढह गया। भूस्खलन के बाद गंगावली नदी के किनारे एक चाय की दुकान के पास खड़े पांच लोगों के नदी में बह जाने का संदेह है। हालांकि, जिला प्रशासन ने अभी तक इस घटना की पुष्टि नहीं की है।

गांव के सूत्रों ने बताया कि लापता लोगों की तलाश के लिए अभियान जारी है। हालांकि, नदी के उफान पर होने से बचाव कार्य में बाधा आ रही है। भूस्खलन में गंगावली नदी में दो पानी के टैंकर भी बह गए। उपायुक्त के लक्ष्मीप्रिया ने स्थानीय प्रशासन को गंगावली नदी के किनारे बसे गांवों को खाली कराने का निर्देश दिया है, क्योंकि दो गैस टैंकर नदी में बह गए हैं। प्रशासन को संदेह है कि नदी में तैर रहे टैंकरों से गैस लीक हो सकती है। गोकर्ण तालुका में रामतीर्थ के पास राम मंदिर में भी भूस्खलन की खबर है। हालांकि मंदिर को भूस्खलन से ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचा है,

लेकिन 200 मीटर से ज्यादा कीचड़ और मलबे ने मंदिर की ओर जाने वाली सड़क को अवरुद्ध कर दिया है। जिले में सोमवार रात से भारी बारिश हो रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग 776-ई और राष्ट्रीय राजमार्ग 66 सहित कई सड़कें पानी में डूब गई हैं। चार लेन वाले इस राजमार्ग पर कई स्थानों पर भूस्खलन की खबरें आ रही हैं, जिसके कारण कई स्थानों पर यातायात जाम हो गया है। भूस्खलन के बाद होन्नावर और बेंगलूरु को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 69 पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा। घंटों की मशक्कत के बाद मलबा साफ किया गया और अब सड़क चालू है।

मलनाड और मैसूरु क्षेत्र में बारिश जारी, बांधों में पानी का बहाव बढ़ा

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मलनाड क्षेत्र में सोमवार रात और मंगलवार सुबह भारी बारिश जारी रही। हासन जिले के सकलेशपुर तालुक के कब्बीनगड्डे गांव में एक घर ढह गया। इस बीच, सकलेशपुर तालुक में झील में गिरी एक कार को खुदाई करने वाले यंत्रों की मदद से बाहर निकाला गया। कार में सवार चार लोगों को स्थानीय लोगों ने बचा लिया और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। हेमावती बांध में पानी का अच्छा प्रवाह है, जो 2922 फीट के अधिकतम स्तर तक पहुंचने से सिर्फ 16 फीट दूर है। मंगलवार सुबह 6 बजे तक जल स्तर 2906.10 फीट था। बांध की अधिकतम क्षमता 37.103 टीएमसी फीट है, जबकि सक्रिय क्षमता 19,466 टीएमसी फीट है। आवक 14027 क्यूसेक है और बहिर्वाह सिर्फ 250 क्यूसेक था। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र के अनुसार, हासन जिले के सभी होब्लियों में अत्यधिक वर्षा की सूचना मिली है, जिसमें सकलेशपुर तालुक के हनबालु, हेथुरु और येसलुरु में 16 जुलाई को पिछले 24 घंटों में लगभग 98.3, 109.1 और 99.3 मिमी वर्षा हुई है। जिला प्रशासन ने मंगलवार को स्कूलों

और कॉलेजों के लिए अवकाश घोषित किया था। कोडागु और कावेरी जलग्रहण क्षेत्रों में अच्छी बारिश के कारण, काबिनी बांध में पानी का प्रवाह बढ़कर 22,840 क्यूसेक हो गया है, जबकि मंगलवार सुबह 8 बजे 23,333 क्यूसेक पानी बाहर निकल गया। इसके परिणामस्वरूप कपिला नदी का जलस्तर बढ़ गया है और नंजनगुड में श्रीकंतेश्वर मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को पानी में न उतरने को कहा गया है, क्योंकि स्नान घाट पर नदी का जलस्तर बढ़ गया है। नदी में हदीनारू कालू मंडप लगभग डूब गया है। केआरएस बांध का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है और मंगलवार को अधिकतम क्षमता 124.80 फीट के मुकाबले 107.60 फीट पर पहुंच गया। बांध की अधिकतम क्षमता 49.52 टीएमसी फीट है, जबकि सक्रिय क्षमता 20.999 टीएमसी फीट है। सोमवार शाम को जो आवक 19,000 क्यूसेक थी, वह मंगलवार सुबह बढ़कर 25,933 क्यूसेक हो गई। नदी में बहिर्वाह 2289 क्यूसेक है, जिसमें नहर और जलापूर्ति शामिल है। बांध में हर घंटे आवक बढ़ने से किसान खुश हैं कि बांध जल्द ही अपने अधिकतम स्तर पर पहुंच जाएगा।

डीसी ने नंथूर, केपीटी जंक्शन पर जर्जर राजमार्गों का किया निरीक्षण

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

डिप्टी कमिश्नर (डीसी) मुल्लई मुहिलान ने अन्य अधिकारियों के साथ मंगलवार को राजमार्ग की स्थिति का निरीक्षण करने के लिए नंथूर और केपीटी जंक्शन का दौरा किया। नंथूर और केपीटी जंक्शन की सड़कें पूरी तरह से खस्ताहाल हो गई हैं और उनमें गड्ढे हो गए हैं, जिससे वाहनों की आवाजाही के लिए खतरा पैदा हो रहा है और यातायात जाम की समस्या हो रही है। नंथूर और केपीटी जंक्शन पर लगातार गड्ढों की समस्या बनी हुई है, जो एक लगातार समस्या है और संबंधित अधिकारी इसका स्थायी समाधान करने में विफल रहे हैं। पनाम्बूर से सुरथकल तक सड़क के खंड पर भी खतरनाक गड्ढे उभर आए हैं, जिससे हाल ही में दुर्घटनाएं हुई हैं।

मीडिया से बात करते हुए डीसी मुल्लई मुहिलान ने कहा भारी बारिश के कारण केपीटी और नंथूर में गड्ढे उभर आए हैं, जिससे यातायात जाम हो रहा है। मैंने एनएचएआई अधिकारियों और नगर निगम को नंथूर में पेवर ब्लॉक लगाने और केपीटी में भी गड्ढों को भरने के लिए एक अस्थायी समाधान लागू करने का निर्देश दिया है।

सीबीआई ने डीए मामले की जांच में अपनी सीमाएं लांघी: डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा उनके आय से अधिक संपत्ति (डीए) मामले की जांच करने पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि एजेंसी अपनी सीमाएं लांघ रही है। यहां विधान सौधा में मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा, राज्य सरकार ने इसी मामले को लोकायुक्त को सौंप दिया है, जो वर्तमान में इसकी जांच कर रहा है। मुझे समझ में नहीं आता कि सीबीआई अपनी जांच में अपनी सीमाओं से आगे क्यों जा रही है। उन्होंने कहा मैं जल्द ही उनसे व्यक्तिगत रूप से मिलूंगा और अपनी आपत्तियों से अवगत कराऊंगा।

मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है, और वे कई असंबद्ध लोगों को परेशान करने की कोशिश कर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है। तमिलनाडु को कावेरी जल छोड़े जाने के मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक की केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात

मंत्री एचडी कुमारस्वामी की आलोचना के बारे में पूछे जाने पर उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने उन पर कावेरी विवाद में रुचि नहीं लेने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि उन्हें कर्नाटक के हितों की कोई चिंता नहीं है। कुमारस्वामी केवल नाटकीय अंदाज में आरोप लगाते हैं। वह मुझसे द्वेष रखते हैं और ईर्ष्या रखते हैं। वह शुरू से ही ऐसा करते आ रहे हैं, इसलिए मैं उनसे चर्चा के लिए कह रहा हूं। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को डीके शिवकुमार को झटका दिया था। कोर्ट ने शिवकुमार की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने अपने ऊपर आय से अधिक संपत्ति के कथित मामले में सीबीआई की ओर से दर्ज केस को रद्द करने की मांग की थी। बताया गया है कि शिवकुमार ने मामले के भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम के तहत दर्ज किए जाने पर आपत्ति जताई थी और सुप्रीम कोर्ट से जांच को खत्म करने की मांग की थी। हालांकि, सर्वोच्च न्यायालय ने उनकी याचिका खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट की जज जस्टिस बेला त्रिवेदी और जस्टिस एससी शर्मा की बेंच ने कहा कि वह कर्नाटक हाईकोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप के लिए तैयार नहीं हैं, इसलिए शिवकुमार की याचिका को खारिज किया जाता है।

उच्च न्यायालय से भी राहत नहीं

गौरतलब है कि शिवकुमार ने इससे पहले सीबीआई केस रद्द करवाने के लिए कर्नाटक हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। तब उन्हें उच्च न्यायालय से भी राहत नहीं मिली थी। हाईकोर्ट ने मामले में सीबीआई से तीन महीने के अंदर जांच पूरी कर रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा था। सीबीआई ने आरोप लगाया है कि डीके शिवकुमार ने 2013 से 2018 के बीच कांग्रेस सरकार में मंत्री रहते हुए अपने ज्ञात आय के स्रोतों से इतर बेतहाशा संपत्ति हासिल कर ली। सीबीआई ने मामले में 3 सितंबर 2020 को केस दर्ज किया था। वहीं, डीके शिवकुमार ने इस मामले को 2021 में चुनौती दी थी।

आग में झूलसी महिला की इलाज के दौरान मौत

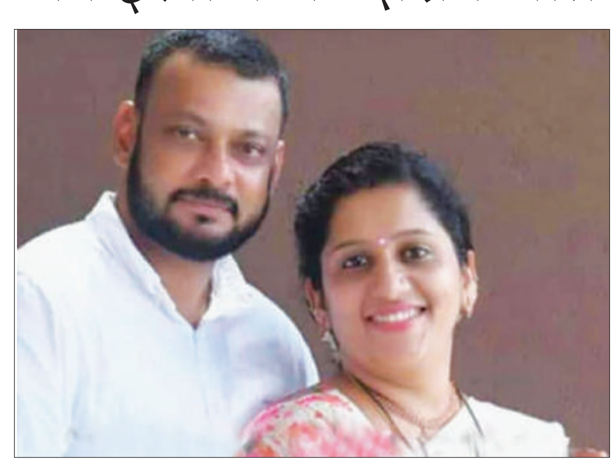

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

अंबालापाडी में आग लगने की घटना में गंभीर रूप से घायल अश्विनी शेट्टी (50) की मौत हो गई है। उनके पति रामानंद शेट्टी (55) की इसी घटना के कारण सोमवार को मौत हो गई थी। सोमवार को रामानंद और अश्विनी शेट्टी के घर में आग लग गई थी, जिससे घर को काफी नुकसान पहुंचा और घर में रहने वाले लोग घायल हो गए।

तीन मंजिला घर अंदर से पूरी तरह जल गया। घटना के सही कारणों की अभी जांच की जा रही है। आग का पता सुबह चला। दमकल कर्मी, पुलिस विभाग और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। घर के अंदर भारी धुआं होने के कारण दमकलकर्मियों को मास्क पहनकर काम करना पड़ा।

उन्होंने बाथरूम में छिपे दो बच्चों को बचाया। सेंट्रल एसी से लैस घर में वेंटिलेशन कम था, जिससे घटना और गंभीर हो गई। रामानंद शेट्टी की मौत धुएं के कारण हो गई, जबकि अश्विनी शेट्टी को गंभीर हालत में मणिपाल के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अश्विनी शेट्टी डेजीवर्ल्ड टीवी के कोस्टल शेफ कुकिंग रियलिटी शो की सेमीफाइनलिस्ट थीं। वह एक प्रभावशाली व्लॉगर भी थीं और सोशल मीडिया पर सक्रिय रहती थीं।

वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में हुए अवैध धन हस्तांतरण के मामले में सदन में हंगामा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में हुए अवैध धन हस्तांतरण के मामले पर चर्चा से पहले प्रशासन और विपक्ष के बीच भ्रष्टाचार को लेकर तीखी नोकझोंक हुई और हंगामा तेज हो गया। जिससे कार्यवाही को कुछ देर के लिए स्थगित करना पड़ा। विधानसभा में प्रश्न-ोत्तर सत्र और शून्य काल के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक को अनुसूचित जनजाति विकास निगम की राशि हस्तांतरण पर चल रही चर्चा जारी रखने का निर्देश दिया। जब आर. अशोक बोलने के लिए खड़े हुए तो सत्ता पक्ष में केवल उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और गृह सचिव डॉ. जी. परमेश्वर मौजूद थे। आर अशोक ने आपत्ति जताई कि वित्त विभाग के अधिकारी सदन में नहीं हैं, हम क्या कहें। भाजपा के अश्वथ नारायण और सुरेश कुमार ने इस पर अपना समर्थन जताया। विपक्ष के नेताओं ने मुख्य रूप से इस बात का जिक्र किया कि वित्त विभाग के अधिकारी मौजूद नहीं थे और जब विपक्ष के नेता बोल रहे थे तो खुद मुख्यमंत्री को

बोलना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कम से कम वित्त विभाग के अधिकारी मौजूद रहें। उपाध्यक्ष रुद्रप्पा लमानी, जो अध्यक्ष की कुर्सी पर थे, ने सुझाव दिया कि समय बर्बाद न करें, चर्चा जारी रखें और संबंधित अधिकारी आएंगे। इस मामले में, अश्वथ नारायण अड़ गए और कहा कि मुख्यमंत्री और अधिकारियों को कार्यवाही में उपस्थित रहना चाहिए। उन्होंने उन्हें बुलाने की मांग की। अश्वथ नारायण ने कहा वाल्मीकि निगम के धन हस्तांतरण वित्त विभाग के लिए जिम्मेदार हैं।

उन्होंने कहा कि इसमें मुख्यमंत्री भी शामिल हैं, इससे नाराज डीके शिवकुमार ने उन पर निशाना साधते हुए कहा कि वह भ्रष्टाचार के जनक हैं। इससे भाजपा विधायक भड़क गए। सभी लोग खड़े होकर चिल्लाने लगे। उन्होंने कहा उपमुख्यमंत्री ने मेरा नाम लिया और मुझ पर आरोप लगाया। इसकी उचित जानकारी दी जाए। अन्यथा क्षमा मांगें। उन्होंने जोर देकर कहा कि विवादित शब्दों को फाइल से हटा दिया जाना चाहिए। लेकिन इससे असहमत डीके शिवकुमार ने कहा कि सीधे तौर पर मुख्यमंत्री की भूमिका पर बात करना क्या सही है? अश्वथ नारायण ने कहा कि उपमुख्यमंत्री हिट एंड रन ट्रेंड अपना रहे हैं। इस मौके पर गृह मंत्री परमेश्वर और भाजपा के सुरेश कुमार के बीच नोकझोंक भी हुई। बहस के कारण सदन में हंगामा हो गया। सदन के अध्यक्ष ने उन्हें कई बार समय बर्बाद न करने और चर्चा जारी रखने की सलाह दी, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। कांग्रेस सदस्यों ने पलटवार किया कि अगर भाजपा विधायक चिल्ला रहे हैं कि कांग्रेस दलितों का पैसा लूट रही है और उसे यहीं सही ठहरा रही है, तो ऑपरेशन कमल के जरिए भ्रष्टाचार का जनक कौन है? इस वक्त बेंच के पास आए स्पीकर यूटी खादर ने स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश की। हालांकि, दोनों पक्षों की तीखी नोकझोंक के कारण कार्यवाही 10 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई। बाद में जब सदन की कार्यवाही शुरू हुई तो अध्यक्ष यू.टी. खादर ने कहा कि वह आपत्तिजनक बयानों को फाइल से हटा देंगे।

उच्च सदन में गूंजा वाल्मीकि निगम घोटाला, कार्यवाही स्थगित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

महर्षि वाल्मीकि विकास निगम में भ्रष्टाचार मामले पर चर्चा की अनुमति देने के लिए विपक्षी भाजपा-जेडीएस के सदस्यों द्वारा सदन के वेल में धरना देने के बाद परिषद की कार्यवाही कुछ समय के लिए स्थगित कर दी गई। शून्य अवधि के अंत में, अध्यक्ष बसवराज होराट्टी अन्य कार्य करने के लिए आगे बढ़े।

इस पर कड़ी आपत्ति व्यक्त करने वाले भाजपा सदस्य सी.टी. रवि, एन. रविकुमार और अन्य ने कहा कि उन्होंने प्रश्नोत्तरी सत्र समाप्त होने के बाद चर्चा की अनुमति देने को कहा था। स्पीकर के खिलाफ नाराजगी व्यक्त करते हुए सदस्यों ने पूछा कि आपने अब अपना रुख क्यों बदल लिया है। जिसके बाद स्पीकर ने कहा इस पर पहले ही चर्चा हो चुकी है। मामले की जांच भी की जा रही है। उसी बात पर दोबारा चर्चा करने का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने अपने फैसले को सही ठहराते हुए कहा कि मुझे एजेंडे के मुताबिक सदन चलाना चाहिए। जिसके बाद सदस्यों ने कहा यह ठीक नहीं है कि आपने यह कहकर अचानक अपना रुख बदल लिया कि आप प्रश्नोत्तरी सत्र समाप्त होने के बाद चर्चा की अनुमति देंगे। इसमें बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है। कुछ लोग सैकड़ों करोड़ रुपये के गबन के आरोप में जेल गए हैं। उन्होंने अध्यक्ष के खिलाफ अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि वह चर्चा की इजाजत नहीं देंगे। इस दौरान प्रशासन और विपक्ष के बीच जमकर नोकझोंक, शोर-शराबा और हंगामा हुआ। कांग्रेस सदस्यों ने कहा कि एक बार अध्यक्ष द्वारा फैसला दे दिए जाने के बाद किसी को भी उस पर सवाल उठाने का अधिकार नहीं है। कांग्रेस सदस्यों ने भाजपा सदस्यों पर निशाना साधते हुए कहा उन्हें अपने ऊपर शक्ति का प्रयोग न करने दें। सदन की कार्यवाही चलने देने की सदस्यों की अपील पर कोई नहीं डिगा। भाजपा सदस्यों ने चर्चा पर जोर दिया तो कांग्रेस सदस्यों ने इसकी अनुमति नहीं देकर जवाबी कार्रवाई की। सदन की कार्यवाही सामान्य नहीं होने पर अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही कुछ देर के लिए स्थगित कर दी।

सीएम ने विधानसभा में सरकारी कर्मचारियों के वेतन संशोधन की घोषणा की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने विधानसभा में घोषणा की कि कैबिनेट बैठक ने सातवें राज्य वेतन आयोग की सिफारिश के आधार पर राज्य सरकार के कर्मचारियों के मूल वेतन और पेंशन में 58.50 प्रतिशत तक संशोधन को मंजूरी दे दी है। उन्होंने सहज बयान देते हुए कहा कि राज्य सरकार के कर्मचारियों के वेतन-भत्ते, पेंशन संशोधन की मांगों को संशोधित करने के लिए 7वें राज्य वेतन आयोग का गठन 19 नवंबर 2022 को किया गया था। उन्होंने बताया कि आयोग ने 24 मार्च 2024 को अपनी रिपोर्ट दी है। उन्होंने कहा कि 7वें राज्य वेतन आयोग की अनुशंसा के अनुरूप सरकारी कर्मचारियों के वेतन, वेतन संबंधी भत्ते एवं पेंशन को संशोधित कर लागू करने का निर्णय सोमवार को हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया है। 1 जुलाई 2022 से कर्मचारियों की बेसिक सैलरी का 31 फीसदी ग्रेच्युटी भत्ता मिलेगा और 27.50 प्रतिशत का फिटमेंट जोड़कर वेतन और पेंशन को संशोधित किया जाएगा। इससे कर्मचारियों के मूल वेतन और पेंशन में 58.50 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। उन्होंने कहा कि यह संशोधन सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थानों और स्थानीय निकायों के कर्मचारियों, विश्वविद्यालयों के गैर-शिक्षण कर्मचारियों पर लागू होगा। कर्मचारियों के वेतन संशोधन से राज्य सरकार पर सालाना 20,208 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार आएगा। उन्होंने कहा कि 2024-25 के बजट में इस अतिरिक्त व्यय के लिए आवश्यक अनुदान निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री की घोषणा का सदन की मेज पर सत्ता पक्ष के विधायकों ने स्वागत किया। अध्यक्ष ने कहा कि वह सरकारी कर्मचारियों की ओर से सरकार को बधाई देंगे।

विधायक सतीश ने हाईवे अथॉरिटी के खिलाफ जताया आक्रोश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कांग्रेस विधायक सतीश सेल ने चिंता व्यक्त की है कि करवाड़ा में अंकोला के पास शिरुरू गांव के पास भूस्खलन के कारण 10 से 15 लोग गंगावती के पानी में डूब गए हैं। विधायक ने कहा भारी बारिश के कारण भूस्खलन हो रहा है। राष्ट्रीय राजमार्ग के पास के 2-3 घर और एक चलता हुआ टैंकर भी नदी में बह गया। स्थानीय लोगों और टैंकर चालक दल ने बताया कि 10-15 लोग गंगावती नदी में डूब गये हैं। हमने कई बार सुझाव दिया है कि राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण करते समय पहाड़ों की भूमि को 400 मीटर ढलान पैटर्न में बनाया जाना चाहिए। लेकिन राष्ट्रीय प्राधिकार के अधिकारी हमारी बात पर विश्वास नहीं करते। हमने पहले वहां कार्यरत रहे कलेक्टर से कई बार शिकायत की। हमने रितेशकुमार सिंह से अपील की है, जो अब प्रभारी

जिला कलेक्टर हैं। हालाँकि इसका कोई फायदा नहीं है। भूस्खलन इसलिए हुआ क्योंकि सड़क बनाते समय पहाड़ी क्षेत्र को तेजी से काटा गया था। सीबर्ड परियोजना के लिए अंकोला के मध्य में 415 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई है। इस क्षेत्र में 15, 20 मंजिले मकान बने हैं। मानो न कोई बताने वाला है और न ही कोई सुनने वाला। उन्होंने आपत्ति जताई कि नौसेना के पास सीबर्ड परियोजना के दायित्व नहीं थे जैसा कि आम जनता के पास था। सरकार की ओर से जवाब देते हुए मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग और सीबर्ड दोनों परियोजनाएं केंद्र सरकार के दायरे में हैं। पिछली बार हमने सीबर्ड परियोजना के अधिकारियों को बुलाया था और कुछ सुझाव दिए थे। राज्य सरकार निर्देश देने नहीं आती। आने वाले दिनों में हाईवे निर्माण की कमियों को दूर करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह शिरूर में भूस्खलन की घटना की जानकारी लेंगे और सदन को सूचित करेंगे। विपक्ष के नेता विधायक आर अशोक ने कहा कि 10-15 लोग डूब गये। पहले उनकी स्थिति क्या है, जान बचाने के लिए जरूरी उपाय करें। बाद में राज्य और केंद्र सरकार को प्रस्ताव दिया जा सकता है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने कहा कि इस बार सामान्य से अधिक बारिश की आशंका के चलते एहतियात के तौर पर आपदा प्रबंधन टीम को कारवार में तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि इसके जरिए आ-पातकालीन राहत कार्य चलाए जाएंगे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। करुनाडु तिलक विष्णुवर्धन संघ गिरिनगर के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने दिवंगत अभिनेता विष्णुवर्धन की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर अन्नदान कार्यक्रम का शुभारंभ किया। साथ ही कर्नाटक सिनेमा जगत में उनके योगदान को याद किया। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

शिवमोग्गा, हासन और चिकमंगलूरु के कई हिस्सों में भारी बारिश

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

शिवमोग्गा, चिकमंगलूरु और हासन के कई हिस्सों में सोमवार को मध्यम से भारी बारिश हुई और पूरे दिन बारिश जारी रहने के कारण तीनों जिलों में सामान्य जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ।

कई सड़कें जलमग्न हो गईं, जिससे वाहन चालकों को परेशानी हुई। नदियों के उफान पर होने के कारण किनारे पर रहने वाले लोग चिंतित हैं। जिला प्रशासन ने स्थानीय अधिकारियों से तालुक स्तर पर स्थिति का आकलन करते हुए स्कूलों और कॉलेजों में अवकाश घोषित करने को कहा है। एनएच 75 के शिरडी घाट खंड पर यात्री भूस्खलन को लेकर चिंतित हैं। हासन के सकलेशपुर तालुक के बिसाले में पेड़ गिरने की खबरें हैं। शिवमोग्गा के सागर, तीर्थहल्ली, होसानगर और चिकमंगलूरु के श्रृंगेरी, कोप्पा, एन.आर.पुरा के कई गांवों का सड़क संपर्क बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सोमवार सुबह हासन में हेमावती जलाशय में 13,338 क्यूसेक पानी आया। पिछले साल इस दिन पानी का बहाव केवल 690 क्यूसेक था। सागर तालुक में लिंगानामक्की बांध में सोमवार

सुबह पानी का स्तर 1,778.15 फीट था, जबकि जलाशय में पानी का स्तर 1,819 फीट था। पानी का बहाव 45,115 क्यूसेक था। पिछले साल इस दिन पानी का स्तर 1,755.3 फीट था। सोमवार सुबह 8.30 बजे समाप्त हुए 24 घंटों में शिवमोग्गा जिले में औसतन 39.44 मिमी बारिश हुई। सबसे अधिक 71.90 मिमी बारिश सागर तालुका में दर्ज की गई। तीर्थहल्ली में 56.2 मिमी, होसनगर में 57.2 मिमी, शिकारीपुर में 24.9 मिमी, सोराब में 33 मिमी, भद्रावती में 12.9 मिमी और शिवमोग्गा में 20 मिमी वर्षा हुई। चिकमगलूरु जिले में 17.7 मिमी की सामान्य वर्षा के मुकाबले औसतन 32.6 मिमी वर्षा हुई। 1 जनवरी से अब तक जिले में 764 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जबकि सामान्य अपेक्षित 763 मिमी वर्षा है। चिकमगलूरु तालुक में 26.6 मिमी, कदुर में 10.5 मिमी, कोप्पा में 56.5 मिमी, मुदिगेरे में 31.1 मिमी, एन.आर. पुरा में 53.6 मिमी, श्रृंगेरी में 71.2 मिमी, तारिकेरे में 22.4 मिमी, अज्जमपुरा में 13.1 मिमी और कलसा में 57.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई। श्रृंगेरी, कोप्पा, मुदिगेरे और एनआर पुरा तालुकों के कई गांवों में भारी बारिश हुई। श्रृंगेरी तालुक के केरेकाटे में 136.8 मिमी वर्षा हुई। इसी तरह श्रृंगेरी तालुक के किग्गा में 106.4 मिमी वर्षा हुई। कोप्पा के जयापुरा में 78 मिमी और बसारीकट्टे में 74.4 मिमी बारिश दर्ज की गई। भारतीय मौसम विभाग ने मंगलवार को शिवमोग्गा और चिकमगलूरु जिलों के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान लगाया है। दोनों जिलों के कई हिस्सों में अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है।

अगर मेरा बेटा गलत है, तो उसे फांसी पर लटका दिया जाए: एचडी रेवन्ना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस के वरिष्ठ विधायक एच डी रेवन्ना ने कर्नाटक विधानसभा में कहा कि हासन के पूर्व सांसद और सामूहिक यौन शोषण के आरोपी उनके बेटे प्रज्वल रेवन्ना को दोषी पाए जाने पर फांसी पर लटका दिया जाना चाहिए। लेकिन भावुक रेवन्ना ने पुलिस महानिदेशक आलोक मोहन के खिलाफ भी तीखा हमला किया और उन्हें शीर्ष पुलिस अधिकारी बनने के लिए अयोग्य करार दिया। हासन यौन शोषण मामले में अपने परिवार के उलझने के बाद पहली बार विधानसभा में पेश हुए रेवन्ना ने कहा अगर मेरे बेटे ने गलत किया है, तो उसे फांसी पर लटका दिया जाए। मैं मना नहीं करूंगा। मैं 25 साल से विधायक हूं। मैंने सार्वजनिक जीवन में 40 साल बिताए हैं। मेरे खिलाफ कोई महिला महानिदेशक के कार्यालय में लाई जाती है। महानिदेशक शिकायत दर्ज करवा देते हैं। क्या वह महानिदेशक बनने के लिए नालायक नहीं है? वह अयोग्य है। यह एक बेशर्म सरकार हैं। इससे सत्तारूढ़ कांग्रेस के सदस्य भड़क गए, जिसमें मुख्यमंत्री सिद्धरामैया भी शामिल थे, जिन्होंने उपसभापति रामप्पा लमानी से टिप्पणियों को हटाने के लिए कहा। रेवन्ना को हासन यौन शोषण प्रकरण से जुड़े अपहरण और अवैध कारावास के मामले में 4 मई को गिरफ्तार किया गया था। विपक्ष के नेता आर अशोक ने हासन यौन शोषण मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीमों (एसआईटी) और महर्षि वाल्मीकि एसटी विकास निगम में गबन के बीच तुलना की, जिसके बाद रेवन्ना बोलने के लिए खड़े हुए। अशोक ने कहा रेवन्ना, भवानी और हासन के हमारे पूर्व विधायक प्रीतम एसआईटी का सामना कर रहे हैं। लेकिन वह एसआईटी इतनी मजबूत है, वे सभी गिरफ्तारी के डर से न्याय की मांग करते हुए अदालत गए। लेकिन दूसरी एसआईटी के साथ, कोई डर नहीं है। उन्होंने कहा कि पूर्व मंत्री बी नागेंद्र को 30 दिनों से अधिक समय तक जांच के लिए नहीं बुलाया गया।

कावेरी जल विवाद : तमिलनाडु में 1.5 टीएमसीएफटी पानी बह रहा है: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने मंगलवार को विधानसभा को बताया कि राज्य के चार प्रमुख जलाशयों में पानी का प्रवाह बढ़ने के कारण तमिलनाडु को कर्नाटक से 1.5 टीएमसीएफटी पानी मिल रहा है। इससे पहले, कर्नाटक ने कावेरी जल विनियामक समिति (सीडब्ल्यूआ-रसी) के निर्देश का पालन करने में असमर्थता व्यक्त की थी, जिसमें कहा गया था कि राज्य को 31 जुलाई तक प्रतिदिन तमिलनाडु को एक टीएमसीएफटी पानी छोड़ना चाहिए। शिवकुमार, जो जल संसाधन मंत्री भी हैं, ने विधानसभा में बयान देते हुए कहा बिलिगुंडलु में 40 टीएमसीएफटी पानी बहना चाहिए था। अब तक छह टीएमसीएफटी पानी बह चुका है। यह प्रतिदिन 1.5 टीएमसीएफटी

पानी आता है। अगर यह जारी रहा, तो हमारी समस्या हल हो सकती है। शिवकुमार ने कहा कि कावेरी बेसिन के चार प्रमुख जलाशयों में पानी का प्रवाह बढ़ा है। उन्होंने कहा हरंगी में 12,827 क्यूसेक, हेमावती में 14,027 क्यूसेक, केआरएस में 25,933 क्यूसेक और काबिनी में 22,840 क्यूसेक पानी बह रहा है। इस तरह कुल 56,627 क्यूसेक पानी बह रहा है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए विपक्ष के नेता आर अशोक ने बारिश के लिए धन्यवाद दिया। सर्वदलीय बैठक के दौरान हमने सरकार से पानी न छोड़ने को कहा था। लेकिन कानूनी राय यह थी कि 8,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जाए और फिर एक अंतरिम आवेदन दायर किया जाए। बारिश हो रही है, जो अच्छी बात है। फिलहाल, विवाद सुलझ जाएगा।

कर्नाटक में सिंचाई के पानी की चोरी रोकने के लिए नया कानून

इससे पहले कर्नाटक सरकार सिंचाई नहरों से पानी की चोरी रोकने के लिए एक नया कानून लाएगी, जिसे उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने मंगलवार को विधानसभा में एक बड़ी समस्या बताया। शिवकुमार, जो जल संसाधन मंत्री भी हैं, ने कहा कि वह एक सप्ताह के भीतर एक विधेयक का संचालन करेंगे।

शिवकुमार ने कहा मंड्या, हासन, बागलकोट, विजयपुरा, कलबुर्गी और सिंचाई परियोजनाओं वाले अन्य जिलों में यह एक बड़ी समस्या है। कहीं भी पानी अंतिम छोर तक नहीं पहुंच रहा है। शिवकुमार ने कहा नहरों से बोर या मोटर का उपयोग करके पानी निकाला जा रहा है। शिवकुमार जामखंडी के भाजपा विधायक जगदीश शिवय्या गुडगुंती के एक सवाल का जवाब दे रहे थे कि तुंगला-सवालगी लिफ्ट सिंचाई परियोजना के तहत पानी इच्छित अंतिम गांव तक क्यों नहीं पहुंच रहा है। शिवकुमार ने जवाब दिया, ऐसा इसलिए है क्योंकि 90 प्रतिशत पानी निकाला जा रहा है।

पूर्व मंत्री के पिता की निर्मम हत्या घर पर क्षत-विक्षत लाश मिली

दरभंगा (बिहार), 16 जुलाई (एजेंसियां)।

बिहार की विकासशील इंसान पार्टी (विइंपा) के प्रमुख मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की नृशंस हत्या कर दी गई। दरभंगा जिले के बिरौल में घनश्यामपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत उनके आवास पर मंगलवार सुबह क्षत-विक्षत हालत में उनकी लाश मिली। घटना से इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। अपराधियों ने जीतन सहनी की धारदार हथियार से हत्या की। राज्य सरकार ने आईपीएस काम्या मिश्रा को जांच

की कमान सौंपते हुए एसआईटी गठन करने की घोषणा की है।

महागठबंधन के घटक दल विइंपा के प्रमुख मुकेश सहनी को अपने पिता की हत्या की जानकारी दूसरों से मिली। वह मुंबई में थे, जहां उन्हें कॉल कर इसकी सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे एसडीपीओ मनीष चंद्र चौधरी सहित बिरौल थाना की पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। डीएसपी ने बताया कि जीतन सहनी अपने घर में सो रहे थे उसी समय चोरी की नीयत से घर में घुसे अपराधियों ने विरोध करने पर धारदार हथियार से हमला कर सहनी की हत्या कर दी। घटना के वक्त घर में मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी अकेले ही थे।

भाजपा नेता अजय आलोक ने हत्याकांड पर शोक जताते हुए कहा कि 72 घंटे के अंदर इस जघन्य हत्याकांड का खुलासा हो जाएगा। इसके लिए स्पेशल इन्-वेस्टिगेशन टीम गठित कर दी गई है। पुलिस ने बताया कि मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी दरभंगा के बिरौल में घनश्यामपुर थाना क्षेत्र स्थित अपने घर में अकेले ही रहते थे। जीतन सहनी के दो बेटे और एक बेटी है। बिहार की पिछली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार में मंत्री रहे मुकेश सहनी खुद अपने व्यवसाय के सिलसिले में मुंबई में रहते हैं। उनके भाई भी कभी कभी ही बिरौल आते हैं। शादीशुदा बहन भी मुंबई में ही रहती हैं। ऐसे में जीतन सहनी अकेले रहने के आदी थे और सोमवार की रात भी अकेले ही थे।

नीट-यूजी पेपर लीक मामले में सीबीआई के हाथों दो और गिरफ्तार

हजारीबाग, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

सीबीआई ने नीट-यूजी पेपर लीक मामले में मुख्य आरोपी समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि मुख्य आरोपी ने झारखंड के हजारीबाग में राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी के ट्रंक से पेपर चुराया था। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि इन दो गिरफ्तारियों के साथ ही मेडिकल प्रवेश परीक्षा में लीक, नकल और अन्य अनियमितताओं से संबंधित मामलों में गिरफ्तार किए गए लोगों की कुल संख्या अब 14 हो गई है।

एजेंसी ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी जमशेदपुर के 2017

बैच के सिविल इंजीनियर पंकज कुमार उर्फ आदित्य को गिरफ्तार किया है, जिसने हजारीबाग में एनटीए ट्रंक से नीट-यूजी पेपर चुराया था। बोकारो निवासी पंकज कुमार को पटना से गिरफ्तार किया गया। सीबीआई ने राजू सिंह को भी गिरफ्तार किया है, जिसने कथित तौर पर पेपर चुराने और गिरोह के अन्य सदस्यों को पेपर देने में पंकज कुमार की मदद की थी। राजू को हजारीबाग से गिरफ्तार किया गया।

इससे पहले हजारीबाग स्थित ओएसिस स्कूल के प्रधानाचार्य, उप प्रधानाचार्य और कथित तौर पर नीट परीक्षार्थियों को ठहरने के लिए वह फ्लैट उपलब्ध कराने वाले दो व्यक्तियों को भी गिरफ्तार किया गया था, जहां से बिहार पुलिस ने जले हुए प्रश्नपत्र बरामद किए थे। बता दे कि सीबीआई ने इस मामले में छह प्राथमिकी दर्ज की है। बिहार में दर्ज प्राथमिकी प्रश्न पत्र लीक होने से संबंधित है, जबकि गुजरात और राजस्थान में दर्ज प्राथमिकी परी-क्षार्थी के स्थान पर किसी दूसरे व्यक्ति के परीक्षा देने और धोखाधड़ी से संबंधित हैं।

अजमेर कोर्ट : आदर्श न्याय का आदर्श प्रदर्शन

नूपुर शर्मा का सिर काटने की धमकी देने वाला बरी

अजमेर शरीफ का खादिम था, रिहा हो गया

अजमेर, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

भाजपा नेता नूपुर शर्मा का सिर तन से जुदा करने की खुली धमकी देने वाले बहादुर शख्स को स्थानीय कोर्ट ने बरी कर दिया। आरोपी शख्स अजमेर शरीफ दरगाह का खादिम था। अजमेर शरीफ दरगाह के खादिम गौहर चिश्ती ने मुस्लिम समुदाय की रैली में भाजपा नेता नूपुर शर्मा का सिर तन से जुदा करने की खु-लेआम धमकी दी थी और नारा लगाया था।

आदर्श न्याय का आदर्श प्रदर्शन करते हुए अदालत ने केवल गौहर चिश्ती को ही बरी नहीं किया, बल्कि छह अन्य आरोपियों को

भी बरी कर दिया।

अदालत ने खुली धमकी वाले वीडियो का संज्ञान ही नहीं लिया, जिसमें अजमेर शरीफ दरगाह का खादिम गौहर चिश्ती नुपुर शर्मा के खिलाफ मुस्लिम समुदाय की रैली में सिर तन से जुदा करने की धमकियां दे रहा है और नारे लगा रहा है। नूपुर शर्मा ने जान से मारने की धमकियां मिलने की शिकायत भी दर्ज कराई थी। गौहर चिश्ती के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। गौहर चिश्ती को 14 जुलाई 2022 को हैदराबाद से गिरफ्तार किया गया था। पुलिस उदयपुर में दर्जी की हत्या के मामले में चिश्ती के संबंधों की भी जांच कर रही थी। दर्जी कन्हैया लाल को दो लोगों ने चाकू से गला रेत कर मार डाला था।

केजरीवाल के घर स्वाति मालीवाल की पिटाई का मसला

आरोप पत्र दाखिल, 30 को विभव की कोर्ट में पेशी

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल के साथ अभद्र आचरण करने, मारपीट करने और कपड़े फाड़ने वाले विभव कुमार के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने आरोप पत्र दाखिल कर दिया है। विभव कुमार अरविंद केजरीवाल का सचिव (पीएस) है। अभी साहब और पीएस दोनों ही तिहाड़ जेल में आराम फरमा रहे हैं।

केजरीवाल की ही तरह विभव कुमार ने भी गिरफ्तारी से बचने के लिए सारे हथकंडे अपनाए, लेकिन सारे उपाय नाकाम साबित हुए। इन हथकंडों में घटना के सबूत मिटाए

जाने की हरकत भी शामिल है, जो उसके खिलाफ आरोप पत्र का हिस्सा बनी है। दिल्ली पुलिस के एक आला अधिकारी ने कहा कि स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट करने वाले विभव कुमार के खिलाफ पुलिस को पक्के सबूत मिल चुके हैं। इस मामले में कई महत्वपूर्ण गवाहियां भी दर्ज हुई हैं। लिहाजा, विभव कुमार अब मजबूत कानूनी शिकंजे में हैं।

दिल्ली पुलिस ने स्वाति मालीवाल मारपीट मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के करीबी सहयोगी विभव कुमार के खिलाफ तीस हजारी कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया। इस दौरान विभव कुमार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत के समक्ष पेश किया गया। अदालत ने आरोप पत्र का संज्ञान लेते हुए विभव कुमार के खिलाफ समन जारी किया। अदालत ने दिल्ली पुलिस को उसे 30 जुलाई को अदालत में पेश करने का निर्देश दिया है।

सुप्रीम कोर्ट को मिले दो नए जज सभी पद भरे

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

न्यायमूर्ति एन. कोटेश्वर सिंह और न्यायमूर्ति आर महादेवन को मंगलवार को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया। दोनों न्यायमूर्तियों के शपथ ग्रहण करने के बाद न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश सहित कुल न्यायाधीश फिर से 34 हो जाएंगे, जो शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों की स्वीकृत अधिकतम संख्या है। जम्मू-कश्मीर के मुख्य न्यायाधीश एन कोटेश्वर सिंह मणिपुर से शीर्ष न्यायालय में नियुक्त होने वाले पहले न्यायाधीश बन गए हैं। न्यायमूर्ति महादेवन वर्तमान में मद्रास उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश हैं।

आबकारी नीति : सिसोदिया की याचिका पर सीबीआई, ईडी को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली की कथित आबकारी नीति घोटाले में भ्रष्टाचार और धनशोधन के अलग-अलग दर्ज मुकदमों के आरोपी पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर मंगलवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया हैं।

न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने केंद्रीय जांच एजेंसियों - सीबीआई और ईडी को नोटिस जारी कर मामले पर अगली सुनवाई के लिए 29 जुलाई की तारीख मुकर्रर की।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री सिसोदिया की जमानत याचिका पर 11 जुलाई को संबंधित पीठ के सदस्य न्यायमूर्ति संजय कुमार के मामले से अपने को अलग कर लेने कारण तब सुनवाई नई पीठ के गठन तक टाल दी गई थी। इसके बाद मुख्य न्यायाधीश ने एक नई पीठ का गठन किया।

शीर्ष अदालत के समक्ष अपने संक्षिप्त बयान में श्री सिसोदिया के अधिवक्ता विवेक जैन ने याचिकाकर्ता को जमानत देने का अनुरोध किया।उन्होंने आगे दलील देते हुए कहा, मैं (मनीष सिसोदिया) 16 महीने से जेल में हूं। मुकदमा उसी गति से चल रहा है, जिस गति से अक्टूबर 2023 में चल रहा था। मुकदमा धीमी गति से चल रहा है।

सीबीआई ने दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 (विवाद के बाद रद्द कर दी गई थी) में कथित भ्रष्टाचार के मामले में सिसोदिया के खिलाफ मामला दर्ज किया था, जिसमें उन्हें एक आरोपी के रूप में नामित किया गया था। उन्हें 26 फरवरी 2023 को गिरफ्तार किया गया था।

आप के वरिष्ठ नेता श्री सिसोदिया को इससे पहले ईडी और सीबीआई दोनों मामलों में निचली अदालत, उच्च न्यायालय और यहां तक कि शीर्ष अदालत ने जमानत देने से इनकार कर दिया था।

शीर्ष अदालत ने सिसोदिया की समीक्षा याचिका और क्यूरेटिव याचिका भी खारिज कर दी थी। आरोपी सिसोदिया ने अदालत की ओर से पहले ही निपटाई गई याचिका पर पुनर्जीवित करने के लिए नया आवेदन दायर किया।

निचली अदालत ने मार्च में श्री सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा था कि वह प्रथम दृष्टया कथित घोटाले के सूत्रधार हैं।आरोप है कि उन्होंने दिल्ली सरकार में अपने और सहयोगियों के लिए लगभग 100 करोड़ रुपये की अग्रिम रिश्वत के कथित भुगतान से संबंधित आपराधिक साजिश में सबसे महत्वपूर्ण और महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

बिहार में बढ़ रहा अपराध, मुख्यमंत्री नीतीश का खत्म हो गया वर्चस्व : तेजस्वी यादव

पटना, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

मुकेश सहनी के पिता की निर्मम हत्या को लेकर बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम एवं आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने सरकार को घेरा है। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में जिस प्रकार से अपराध बढ़ता जा रहा है, मुख्यमंत्री का इकबाल खत्म हो गया है। राज्य में दो-दो डिप्टी सीएम हैं, डबल इंजन की सरकार है, इसके बावजूद यहां हत्याएं, बलात्कार, चोरी, लूट और डकैती हो रही हैं।

पूर्व डिप्टी सीएम ने कहा कि आज हमारे सहयोगी पार्टी वीआईपी के मुकेश सहनी के पिता जी की निर्मम हत्या कर दी गई, इसका हम लोगों को बहुत दुख है। इस दुख की घड़ी में पूरे परिवार के साथ हमारी संवेदना है। ये सरकार द्वारा प्रायोजित और पोषित अपराध है।

आरजेडी नेता ने आगे कहा कि

हम लगातार प्रेस रिलीज जारी करके सरकार को आगाह करते हैं। आज भी प्रेस रिलीज में हमने 40 घटनाओं का जिक्र किया है। बिहार में पूरी तरीके से गुंडा राज स्थापित हो चुका है। नीतीश कुमार के हाथ में राज्य सुरक्षित नहीं है और वो सरकार नहीं चला पा रहे।

मुकेश सहनी के पिता की निर्मम हत्या को लेकर पूर्व मंत्री आलोक मेहता ने कहा, इस जघन्य हत्या की हम कठोर निंदा करते हैं। इसको लेकर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए और दोषियों को सजा देनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि, जब राजनीति से जुड़े लोगों का ये हाल है, तो आम लोगों की सुरक्षा व्यवस्था कैसी होगी, इसको लेकर हम चिंतित हैं। ये लोग बिहार में पहले की सरकारों के लिए जंगलराज का नाम लेते थे, अब इसको क्या कहेंगे।

कांग्रेस के दिग्गज नेता अजॉय कुमार ने कहा, बिहार में सुशासन बाबू का जंगल राज है। अब तक 15 पुल आत्महत्या कर चुके हैं। बुजुर्ग आदमी, जिसको राजनीति से कोई लेना देना नहीं है, उसको मार दिया जाता है और भाजपा प्रवक्ता कहते हैं कि ये तो होता रहता है।

पूर्व अन्नाद्रमुक मंत्री एमआर विजयभास्कर गिरफ्तार, केरल से सीबी-सीआईडी ने दबोचा

चेन्नई, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

अन्नाद्रमुक नेता एम. आर. विजयभास्कर के केरल में होने की सूचना पर कार्रवाई करते हुए, सीबी-सीआईडी की एक टीम ने उन्हें ट्रैक किया और वहीं से गिरफ्तार किया है। फिलहाल एम. आर. विजयभास्कर को करूर जिले में वापस लाया गया है और पूछताछ के लिए सीबी-सीआईडी कार्यालय ले जाया गया है। एम. आर. विजयभास्कर शाम को करूर की एक अदालत में पेश किए जाने की संभावना है।

बता दें कि तमिलनाडु के करूर जिले के करूर शहर की पुलिस ने 9 जून को सब रजिस्ट्रार (प्रभारी) मोहम्मद अब्दुल कादर की तरफ से दर्ज कराई गई शिकायत पर सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था, जिनमें से ज्यादातर लोग करूर के निवासी हैं।

अपनी शिकायत में सब रजिस्ट्रार मोहम्मद अब्दुल कादर ने कहा था कि जब उन्होंने एक भूखंड पंजीकृत करने का प्रयास किया तो सात व्यक्तियों ने जाली दस्तावेजों के साथ उनके साथ धोखाधड़ी की। उन्होंने कहा कि उन्हें बाद में पता चला कि उनमें से एक दस्तावेज जाली था। इस मामले में जब उन्होंने उनसे पूछताछ की, तो उन्होंने उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी।

वहीं इस मामले में नामजद आरोपी होने के डर से एम. आर. विजयभास्कर, जो अन्नाद्रमुक के जिला सचिव भी हैं, तब से फरार थे। जबकि इस मामले में करूर में जिला सत्र न्यायालय ने एम. आर. विजयभास्कर की अग्रिम जमानत याचिका भी खारिज कर दी थी।

ये केस मूल रूप से करूर तालुक पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था। जिसे बाद में सीबी-सीआईडी को जांच के लिए सौंप दिया गया था। इस मामले में सीबी-सीआईडी की तरफ से अन्नाद्रमुक नेता एम. आर. विजयभास्कर के सहयोगियों के कई ठिकानों पर छापेमारी भी की गई थी।

हिमंता बिस्वा ने हेमंत सोरेन से पूछा कि झारखंड में क्यों लागू नहीं कर रहे राहुल गांधी की खटाखट स्कीम ?

रांची, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने मंगलवार को झारखंड की सरकार और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमले किए।

उन्होंने खूंटी जिले के तोरपा में भाजपा की विजय संकल्प सभा को संबोधित करते हुए झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन से पूछा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जिस खटाखट स्कीम के तहत महिलाओं को हर साल एक लाख रुपए देने का वादा किया था, उसे झारखंड में क्यों नहीं लागू कर रहे हैं? यहां तो कांग्रेस और झामुमो

की सरकार है तो फिर इसे लागू करने में क्या दिक्कत है?

उन्होंने कहा कि असल में राहुल गांधी और हेमंत सोरेन की दोस्ती इसलिए चल रही है, क्योंकि दोनों झूठ बोलने में माहिर हैं।

झारखंड की सरकार ने एक भी वादा पूरा नहीं किया है। हेमंत सोरेन कोई स्वतंत्रता आंदोलन में जेल नहीं गए थे। उन पर भ्रष्टाचार के मामले हैं और आज बेल पर जेल से बाहर आते ही चंपई सोरेन को कुर्सी से हटाकर खुद काबिज हो गए।

उन्होंने कहा कि हेमंत ने सिर्फ इसलिए ऐसा किया, ताकि ट्रांसफर-पोस्टिंग और बालू के अवैध खनन से कमाई की जा सके।

झारखंड भाजपा के चुनाव सह प्रभारी मनोनीत किए जाने के बाद हिमंता बिस्वा सरमा एक महीने में तीसरी बार रांची आए हैं। उन्होंने राज्य के संथाल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठ को लेकर भी राज्य सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि हेमंत सरकार घुसपैठियों के संरक्षण में जुटी है। भगवान बिरसा मुंडा, सिदो कान्हू की धरती घुसपैठियों की धरती बन रही है।

संथाल परगना की डेमोग्राफी बदल गई। लव जिहाद, लैंड जिहाद चरम पर है। आदिवासी बेटियों से बांग्लादेशी घुसपैठिए शादी कर जमीन कब्जा कर रहे। राज्य में ऐसा कानून होना चाहिए, जिससे घुसपैठिए आदिवासी बेटियों से शादी नहीं कर सकें।

इस्लामिक कन्वर्जन कार्यक्रम के खिलाफ सड़कों पर उतरे हिंदू संगठन

बरेली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली शहर में इस्लामिक कट्टरपंथियों की ओर से हिंदू लड़के-लड़कियों के सामूहिक कन्वर्जन के प्रस्तावित कार्यक्रम से माहौल गरमा गया है। विवादित मौलाना तौकीर रजा खां की घोषणा से आक्रोशित हिंदू संगठन सड़कों पर उतर आए हैं। मंगलवार को बड़ी संख्या में विहिप, हिंदू जागरण मंच, बजरंग दल, नाथ नगरी प्रहरी के कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर कन्वर्जन कार्यक्रम पर रोक लगाकर मौलाना तौकीर की गिरफ्तारी की मांग उठाई। प्रशासन-पुलिस ने भरोसा दिया है कि बगैर अनुमति कोई कार्यक्रम नहीं होने दिया जाएगा। कोई माहौल खराब करने कोशिश करेगा तो पुलिस सख्ती से निपटेगी।

बरेली में 2010 में हुए सांप्रदायिक दंगे के मास्टर माइंड इत्तहादे मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां की ओर से की गई विवादित घोषणा ने शहर में कांवड़ यात्रा से पहले तनाव के हालात पैदा कर दिए हैं। मौलाना ने पवित्र सावन मास शुरू होने से ठीक एक दिन पहले 21 जुलाई को मुस्लिम बहुल इलाके में हिंदू लड़के-लड़कियों का सामूहिक कन्वर्जन कराने का ऐलान किया है। इसे लेकर हिंदू समाज में आक्रोश की लहर दौड़ गई है।

विश्व हिंदू परिषद, हिंदू जागरण मंच, बजरंग दल, नाथ नगरी सुरक्षा समूह सहित विभिन्न संगठनों ने कट्टरपंथी मौलाना तौकीर ओर से प्रस्तावित कार्यक्रम का हर स्तर पर विरोध करने की घोषणा कर दी है। हिंदू संगठनों ने बरेली प्रशासन से दो टूक कहा है कि मौलाना तौकीर के कार्यक्रम से शहर का माहौल खराब हो सकता है। मौलाना पहले भी बरेली शहर में दंगे करा चुका है और इस बार सावन माह में कांवड़ यात्रा के दौरान फिर से बरेली के शांत माहौल में जहर घोलना चाहता है। प्रशासन और पुलिस से मौलाना की अविलंब गिरफ्तारी के साथ उसकी ओर से प्रस्तावित कार्यक्रम पर रोक लगाए जाने की मांग की गई है।

इसे लेकर मंगलवार को बरेली के तमाम हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में सड़कों पर उतरकर जिला मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। मौलाना तौकीर के विरोध में विहिप, हिंजाम, बजरंदल, नाथ नगरी सुरक्षा समूह के साथ भाजपा से जुड़े हिंदूवादी नेता अरुण फौजी, दुर्गेश गुप्ता, आचार्य पंडित केके शंखधार, पंडित सुशील पाठक, आशु अग्रवाल, दिव्य चतुर्वेदी, मानवेन्द्र राणा, केपी गोस्वामी, पुरुषोत्तम पटेल की ओर से डीएम बरेली रविन्द्र कुमार को ज्ञापन सौंपे गए।

बता दें कि मौलाना की पार्टी की ओर से प्रशासन को पत्र लिखकर सामूहिक कन्वर्जन का कार्यक्रम कराने के लिए अनुमति मांगी है। इसका पता होते ही हिंदू समाज होकर विरोध में उतर आया है और शहर में तनातनी के हालात बन गए हैं। आईएमसी की ओर से सामूहिक कन्वर्जन के ऐलान को लेकर एसएसपी बरेली अनुराग आर्य ने अपने बयान में स्पष्ट कहा है कि बगैर अनुमति शहर में कोई कार्यक्रम किसी सूरत में नहीं होने दिया जाएगा। अगर किसी ने माहौल बिगाड़ने की कोशिश की तो पुलिस उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी।

यूपी में शिक्षकों की डिजिटल अटेंडेंस व्यवस्था स्थगित

लखनऊ, 16 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ने डिजिटल अटेंडेंस को लेकर शिक्षकों के विरोध को देखते हुए दो महीने के लिए यह व्यवस्था स्थगित कर दी है। समस्याओं के समाधान के लिए सरकार ने एक कमेटी गठित करने का निर्णय लिया है। बेसिक शिखा विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. एमकेएस सुंदरम ने यह जानकारी दी।

मंगलवार को मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के साथ बेसिक शिक्षा के शिक्षक संगठनों की वार्ता के बाद यह निर्णय लिया गया।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा ने बताया कि शासन ने फिलहाल डिजिटल अटेंडेंस स्थगित करने पर सहमति दी है। जल्द इसका आदेश जारी होगा। शिक्षकों की समस्या के समाधान और डिजिटल अटेंडेंस की दिक्कत के समाधान के लिए एक कमेटी गठित की जाएगी। इसमें शिक्षाविद, शिक्षक नेता और अधिकारी शामिल होंगे। बैठक में प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा डा. एमकेएस सुंदरम, महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा आदि अधिकारी उपस्थित थे।

डिजिटल अटेंडेंस को लेकर शिक्षकों की नाराजगी दूर करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक दिन पहले ही सभी डीएम, बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) और सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी (एबीएसए) के साथ मिलकर शिक्षकों व शिक्षक प्रतिनिधियों से संवाद करने के निर्देश दिए थे। उन्होंने यह भी कहा था कि विद्यालयों में पठन-पाठन सुचारू रूप से चलता रहे, यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

इससे पहले भी सीएम ने विभागीय अधिकारियों को शिक्षकों से वार्ता कर समाधान निकालने के निर्देश दिए थे।

परिषदीय विद्यालयों में आठ जुलाई से शिक्षकों के डिजिटल अटेंडेंस लगाने के निर्देश दिए गए थे। इसे लेकर शिक्षक पिछले एक सप्ताह से आंदोलनरत थे। सोमवार को भी उन्होंने हर जिले में प्रदर्शन कर सीएम को संबोधित ज्ञापन भेजा।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के इस बयान पर विवाद

अखिल भारतीय संत समिति ने किया ये सवाल

वाराणसी, 16 जुलाई (एजेंसियां)। अखिल भारतीय संत समिति और गंगा महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी जीतेंद्रानंद सरस्वती ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के बयान को लेकर उन पर निशाना साधा है। स्वामी जीतेंद्रानंद ने रामालय की जांच करवाने की मांग की है।

स्वामी जीतेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के द्वारा उद्धव ठाकरे को लेकर जिस तरह राजनीतिक वक्तव्य किए गए हैं, इस देश का संत समाज जानना चाहता है कि पालघर में उसके मुख्यमंत्री काल में पीट-पीट कर जिन संतों की हत्या की गई, क्या कभी पालघर के उन संतों के बारे में भी कभी जुबान खुली।

स्वामी जीतेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि हर उस स्थान पर जहां नकारात्मक स्थिति मिलती हो, उस स्थान पर जाना सनातन धर्म के मान मर्यादा का मर्दन करना है। चाहे श्री राम जन्मभूमि के प्राण प्रतिष्ठा की मुहूर्त का विरोध करना हो या केदारनाथ में जाकर वहां से सोना गायब हो गया ऐसे आरोप लगाने का अथवा अंबानी परिवार के विवाह में जहां संन्यासियों का जाना वर्जित है, वहां जाकर के यह बयान बाजी यह दर्शाती है कि व्यक्ति प्रसिद्ध और प्रचार का इतना भूखा है कि सनातन धर्म और संन्यास की मर्यादा भी नहीं पता है।

स्वामी जीतेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि हम तो केदारनाथ के सोने के प्रकरण में बस इतना ही जानना चाहेंगे, कि रामालय ट्रस्ट के नाम पर राम जन्मभूमि के निर्णय आने के बाद एक-एक ग्राम जो सोना इकट्ठा हुआ, स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को उस सोने का हिसाब देश को देना चाहिए। हिंदू समाज जानना चाहता है सोना चोरों से। केदारनाथ से तो सोना चोरी नहीं हुआ है परंतु रामायण न्यास के द्वारा राम जन्मभूमि के नाम पर सोना जरूर लूट गया है। उसका हिसाब भी देश को जानना चाहिए।

यूपी सड़कों का हो रहा कायाकल्प, 88.27 प्रतिशत काम पूरा

लखनऊ, 16 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की उन्नति का मार्ग प्रशस्त करते हुए उसे उत्तम प्रदेश बनाने की दिशा में योगी सरकार लगातार प्रयासरत है। एक ओर, प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने के लिए योगी सरकार प्रदेश में औद्योगिक विकास पर फोकस कर रही है, वहीं प्रदेश के नागरिकों को उत्तम परिवहन सुविधाएं देने के लिए अच्छी सड़कों के संजाल को भी विकसित कर रही है। इसी का परिणाम है कि प्रदेश में पिछले 7 वर्षों में रोड इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थिति में व्यापक बदलाव आया है। चाहें नेशनल हाईवे हों, स्टेट हाइवे हों, मुख्य जनपदीय मार्ग (एमडीआर) हों या फिर ब्लॉक व गांवों को जोड़ने वाली सड़कें हों, सभी का समेकित विकास हो रहा है। सीएम योगी के विजन अनुसार तैयार की गई विस्तृत कार्ययोजना पर काम तेजी से जारी है और इसी का परिणाम है कि ब्लॉक मुख्यालयों को जोड़ने वाली 2 लेन सड़कों से संबंधित

88.27 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गए हैं। शेष कार्यों को भी जनवरी 2025 की पहली तिमाही के अंदर पूरा कर लिया जाएगा।

लोक निर्माण विभाग के आंकड़ों के अनुसार, ब्लॉक स्तर के सड़कों और मुख्य तौर पर ब्लॉक मुख्यालय को जोड़ने वाले 2 लेन सड़क के कुल 162 कार्य प्रदेश में पूर्ण किए जाने हैं। इनमें से 88.27 प्रतिशत यानी 143 कार्यों को अब तक पूरा किया जा चुका है। शेष 8 कार्यों को सितंबर तक तथा 5 कार्यों को दिसंबर तक पूर्ण कर लिया जाएगा। इस प्रकार, इस वर्ष के अंत तक 13 लंबित कार्यों को पूर्ण कर लिया जाएगा जबकि शेष 6 कार्यों को वर्ष 2025 की पहली तिमाही में पूर्ण कर लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इन सभी कार्यों को निर्धारित समयावधि के अंदर पूरा करने पर योगी सरकार का विशेष फोकस है और यही कारण है कि ब्लॉक स्तर पर सड़क निर्माण व पुनर्विकास की योजनाओं को तेजी से पूरा किया जा रहा है।

लोक निर्माण विभाग के आंकड़ों से इस बात की जानकारी मिलती है कि प्रदेश में अंतर्राज्यीय सीमा वाले मार्गों के विकास कार्यों को भी योगी सरकार तेजी से पूर्ण करने की ओर बढ़ रही है। प्रदेश में अंतर्राज्यीय सीमा वाले मार्गों के विकास के कुल 102 कार्यों को पूर्ण किया जाना है जिसमें से 86 कार्यों को पूर्ण कर लिया गया है, जो कि कुल कार्यों का लगभग 85 प्रतिशत है। फिलहाल, कुल 16 विकास कार्य निर्माणाधीन हैं, इनमें से 8 कार्यों को वर्ष 2024 के दिसंबर महीने के भीतर पूरा कर लिया जाएगा जबकि शेष 8 कार्यों को वर्ष 2025 की पहली तिमाही में पूर्ण कर लिया जाएगा। इसी प्रकार, केंद्रीय मार्ग निधि के अंतर्गत स्वीकृत कुल 142 परियोजनाओं पर कार्य जारी है। इनमें से 138 कार्य पूर्ण हो चुके हैं तथा वर्ष 2025 की पहली तिमाही तक सभी कार्यों को पूरा कर लिया जाएगा। फिलहाल, 97.18 प्रतिशत कार्यों को पूर्ण कर लिया गया है।

प्रदेश में लोक निर्माण विभाग द्वारा विभिन्न प्रकार की परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। इनमें से राष्ट्रीय मार्गों का विकास, केंद्रीय मार्ग निधि योजना से मार्गों का विकास, विश्व बैंक-नाबार्ड तथा एशियन बैंक से प्राप्त ऋण से मार्गों का विकास, दीर्घ-लघु सेतुओं व आरओबी निर्माण समेत ब्लॉक-नगर पंचायत व ग्रामीण सड़कों का विकास प्रमुख है। इस क्रम में, योगी सरकार के अब तक के कार्यकाल में पिछले 7 वर्षों में प्रदेश में 28,538 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का विकास व नवनिर्माण हुआ है।

प्रदेश में कुल 4,115 किमी के 46 नए राष्ट्रीय मार्ग तथा 5,604 किमी के 70 नए राज्य मार्गों के निर्माण की प्रक्रिया भी आगे बढ़ाई जा रही है। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार के अब तक के कार्यकाल में प्रतिदिन 9 किमी मार्गों के चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण तथा दो दिन में एक सेतु के निर्माण के औसत से कार्य हो रहा है। 2,503 किमी राज्य मार्गों, 5,934 किमी प्रमुख जिला मार्गों तथा 13,849 किमी अन्य जिला मार्गों का भी पिछले 7 वर्षों में योगी सरकार द्वारा विकास किया गया है।

पौधरोपण अभियान में हरियाली संग सेहत का भी ध्यान

अभियान में लगेंगे सहजन के 55 लाख पौधे

लखनऊ, 16 जुलाई (एजेंसियां)। योगी सरकार हर बार की तरह इस बार भी पौधरोपण का रिकार्ड बनाने जा रही है। 20 जुलाई को एक दिन में 36.50 करोड़ पौधों के रोपण से यह रिकॉर्ड बनेगा। हर साल लगभग इसी सीजन में किए जाने वाले पौधरोपण का मकसद प्रदेश में हरितिमा बढ़ाना, पर्यावरण को स्वच्छ व सुंदर बनाना, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को कम करना है। साथ ही योगी सरकार इस अभियान के जरिये लोगों की सेहत का भी ख्याल रखती है।

यही वजह है कि अपनी तमाम खूबियों के कारण पोषण का पावर हाउस और चमत्कारिक पौध कहे जाने वाले सहजन के पौधरोपण पर खास ध्यान देती है। इस बार के पौध रोपण अभियान में भी सहजन के 55 लाख पौधे लगाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का निर्देश है कि हर आंगनवाड़ी केंद्र, प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को सहजन के पौधे दिए जाएं। यही नहीं विकास के मानकों पर पिछड़े आकांक्षात्मक जिलों में हर परिवार को सहजन के कुछ पौधे लगाने को भी प्रेरित किया जाए।

गृह वाटिका के पीछे भी सीएम की यही सोच रही। दरअसल अगर लोग सहजन की खूबियों को जान जाएं और उनका सेवन करें तो यह कुपोषण के खिलाफ एक सफल जंग सरीखा होगा। अब तो केंद्र सरकार भी सहजन की खूबियों की मुरीद हो चुकी है। पिछले साल केंद्र ने राज्यों को निर्देश दिया था कि वे पीएम पोषण योजना में स्थानीय स्तर पर सीजन में उगने वाले पोषक तत्वों से भरपूर पालक, अन्य शाक-भाजी एवं फलियों के साथ सहजन को भी शामिल करें।

सहजन सिर्फ एक पौधा नहीं है बल्कि खुद में पोषण का पावरहाउस है। इसकी पत्तियों एवं फलियों में 300 से अधिक रोगों की रोकथाम के गुण होते हैं। इनमें 92 तरह के विटामिन, 46 तरह के एंटी ऑक्सीडेंट, 36 तरह के दर्द निवारक और 18 तरह के एमिनो एसिड मिलते हैं।

सहजन पौष्टिक गुणों से भरपूर है। इसमें विटामिन-सी संतरे से सात गुना अधिक है। सहजन में विटामिन-ए गाजर से चार गुना अधिक है। इसमें कैल्शियम दूध से चार गुना अधिक है। पोटैशियम केले से तीन गुना अधिक है। सहजन में प्रोटीन दही से तीन गुना अधिक है। दुनिया में जहां-जहां कुपोषण की समस्या है, वहां सहजन का वजूद है। यही वजह है कि इसे दैवीय चमत्कार भी कहते हैं। दक्षिण भारत के राज्यों आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु और कर्नाटक में इसकी खेती होती है। साथ ही इसकी फलियों और पत्तियों का कई तरह से प्रयोग भी। तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय ने पीकेएम-1 और पीकेएम-2 नाम से सहजन की दो प्रजातियां विकसित की हैं। पीकेएम-1 यहां के कृषि जलवायु क्षेत्र के अनुकूल भी है। यह हर तरह की जमीन में हो सकता है। बस इसे सूरज की भरपूर रौशनी चाहिए। सहजन की खूबियां यहीं खत्म नहीं होतीं। चारे के रूप में इसकी हरी या सूखी पत्तियों के प्रयोग से पशुओं के दूध में डेढ़ गुने से अधिक और वजन में एक तिहाई से अधिक की वृद्धि की रिपोर्ट है। यही नहीं इसकी पत्तियों के रस को पानी के घोल में मिलाकर फसल पर छिड़कने से उपज में सवाया से अधिक की वृद्धि होती है।

पुलिस हिरासत में हो रही मौत में यूपी नंबर वन

लखनऊ, 16 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में पुलिस हिरासत में हो रही मौतें लगातार बढ़ रही हैं। लोकसभा में पेश की गई रिपोर्ट के अनुसार, देश में हर दिन 6 लोगों की मौत पुलिस हिरासत में हो रही हैं। इस मामले में उत्तर प्रदेश नम्बर वन पर है। वर्ष 2021-22 में अकेले उत्तर प्रदेश में 501 लोगों की पुलिस हिरासत में मौत हुई है जो कि प्रदेश में व्याप्त अराजकता का प्रतीक है।

ऐसे ही जनपद जालौन में विगत दिनों राजकुमार नामक व्यक्ति की पुलिस हिरासत में रहस्यमय तरीके से मौत हो गई। चित्रकूट में भी अंशु कुमार नामक व्यक्ति को पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर ले जाया गया, बाद में जिसका शव पनहाई रेलवे स्टेशन की पटरी पर मिला। उक्त मामले को गंभीरता से लेते हुए मंगलवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, पूर्व मंत्री अजय राय लखनऊ पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश कार्यालय पहुंचे। जहां पर उन्होंने पुलिस महानिदेशक से मिलकर प्रदेश में पुलिस हिरासत में हो रही मौतों के साथ-साथ लूट-हत्या, महिला उत्पीड़न, पश्चिमी यूपी के जिले अलीगढ़ और शामली में मॉब लंचिंग की घटनाओं पर उनका ध्यान आर्कषित कराने के लिए ज्ञापन सौंपा। उन्होंने तत्काल प्रभाव से प्रदेश में कानून व्यवस्था कायम किये जाने तथा दोषी पुलिसकर्मियों पर त्वरित कठोर कार्रवाई की मांग की।

बेटे-बहू के हत्यारे को आजीवन कारावास 20 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया

बांदा, 16 जुलाई (एजेंसियां)। बेटे व बहू की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या करने के दोषी को अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम चंद्रपाल द्वितीय की अदालत ने आजीवन सश्रम कारावास की सजा से दंडित किया है। इसके साथ ही 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। जुर्माना अदा न करने पर दोषियों को दो वर्ष का अतिरिक्त कारावास भोगना होगा। जेल में बिताई गई अवधि सजा में समायोजित की जाएगी। न्यायालय से दोषियों को जेल भेज दिया गया। जानकारी के मुताबिक नरैनी क्षेत्र के बरसड़ा मानपुर निवासी हरदयाल 13 जून 2023 को थाने में तहरीर देकर बताया था कि उसके पिता मन्नूलाल और मां चुन्नी घर के आंगन में सो रहे थे। तभी उसके बाबा देशराज पुत्र रामप्रसाद ने कुल्हाड़ी से वार कर माता-पिता की हत्या कर दी। हत्या की घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी देशराज वहां से भाग निकला। थाने में आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी। इस मामले पर अभियोजन पक्ष की ओर से आठ गवाह पेश किए गए, जिसमें हरदयाल, इंद्रपाल, दीनदयाल, हेड कांस्टेबल भूपेंद्र, एसआई शिववीर, डा. अजय प्रताप सिंह विश्वकर्मा, एसआइ कमल सिंह व निरीक्षक अरविंद सिंह गौर शामिल रहे।

संपादकीय

रक्षा उत्पादन में उत्साहजनक वृद्धि

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'आत्मनिर्भर भारत' और 'संकल्प से सिद्धि' के विचार देश के सामने रखे थे, जिनके सुखद परिणाम हमें दिखायी दे रहे हैं। रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में भारत ने आत्मनिर्भरता का संकल्प लिया था, जिसकी पूर्ति हेतु रक्षा उत्पादों के लिए दूसरे देशों पर निर्भरता को कम करके अपने यहाँ उत्पादन को बढ़ावा दिया गया। इस संदर्भ में उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023-24 में भारत का कुल वार्षिक रक्षा उत्पादन 1.3 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया, जो एक कीर्तिमान है। वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में बीते वर्ष 16.7 प्रतिशत अधिक उत्पादन हुआ। इस उपलब्धि को रेखांकित करते हुए पिछले दिनों रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सही कहा भी है कि 'मेक इन इंडिया' अभियान साल-दर-साल नये-नये मील के पत्थर स्थापित कर रहा है। देश को आत्मनिर्भर बनाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान एवं प्रयासों के सकारात्मक परिणाम तो अनेक क्षेत्रों में दिख रहे हैं, पर रक्षा उत्पादन एवं निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि का एक विशिष्ट महत्व है। ऐतिहासिक रूप से हम अपनी रक्षा आवश्यकताओं के लिए आयात पर निर्भर रहे हैं। कुछ वर्षों से भारत सरकार ने यह प्रावधान कर दिया है कि हमारी सेनाएं कई वस्तुओं की खरीद देश में ही करेंगी। इन वस्तुओं की सूची लगातार बड़ी होती जा रही है। बड़ी आयुध सामग्री के निर्माण में भी हम आगे बढ़ रहे हैं। आज भारत में युद्धपोतों और पनडुब्बियों का निर्माण भी हो रहा है। स्मरण रखें कि इनके निर्माण की क्षमता कुछ गिने-चुने देशों के पास ही है। इसलिए यह विशेषतौर पर उल्लेखनीय है। आयात घटने और निर्यात बढ़ने से खर्च में कमी आ रही है और रक्षा उद्योग की कमाई में बढ़ोतरी हो रही है। हमें ध्यान रखना होगा कि हथियारों की आपूर्ति में भू-राजनीतिक स्थितियों तथा तकनीक को लेकर विभिन्न देशों की संरक्षणात्मक नीतियों का भी प्रभाव होता है। देश में रक्षा उत्पादन बढ़ने से ऐसे दबावों में भी कमी आ रही है। जिन देशों को रक्षा उत्पाद बेचे जा रहे हैं, उनके साथ हमारे रणनीतिक संबंध भी बेहतर हो रहे हैं। इससे वैश्विक मंच पर भारत के प्रभाव को बढ़ाने में मदद मिल रही है। निर्यात में वृद्धि यह भी इंगित करती है कि भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भरोसा बढ़ रहा है। उल्लेखनीय है कि आयातकों में अमेरिका, ब्रिटेन, इस्राइल, फ्रांस, जर्मनी, संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, सऊदी अरब आदि देश शामिल हैं। इनमें से अनेक देश विकसित अर्थव्यवस्थाएं हैं तथा रक्षा उत्पादन में शीर्षस्थ हैं। बीते वित्त वर्ष में कुल उत्पादन (मूल्य के हिसाब से) का 79 प्रतिशत हिस्सा सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों द्वारा उत्पादित किया गया और शेष योगदान निजी क्षेत्र ने किया। इससे स्पष्ट है कि सरकारी और निजी दोनों ही क्षेत्रों में विस्तार हो रहा है। रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र को बढ़ावा देने समेत विभिन्न सुधारों के परिणाम उत्साहजनक हैं। वर्ष 2023-24 में रक्षा निर्यात 21,083 करोड़ रहा, जो अभूतपूर्व है। साल 2022-23 में यह आंकड़ा 15,920 करोड़ रहा था। रक्षा उत्पादन एवं निर्यात में वृद्धि की गति के बने रहने की पूरी संभावना है, जिसका एक संकेत हमें शेयर बाजार में संबंधित कंपनियों के प्रदर्शन से मिलता है। इसे ठोस आधार देने के लिए शोध एवं अनुसंधान पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है ताकि हम अत्याधुनिक तकनीक आधारित साजो-सामान का उत्पादन बढ़ा सकें।

रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में भारत ने आत्मनिर्भरता का संकल्प लिया था, जिसकी पूर्ति हेतु रक्षा उत्पादों के लिए दूसरे देशों पर निर्भरता को कम करके अपने यहाँ उत्पादन को बढ़ावा दिया गया। इस संदर्भ में उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023-24 में भारत का कुल वार्षिक रक्षा उत्पादन 1.3 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया, जो एक कीर्तिमान है। वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में बीते वर्ष 16 .7 प्रतिशत अधिक उत्पादन हुआ। इस उपलब्धि को रेखांकित करते हुए पिछले दिनों रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सही कहा भी है कि 'मेक इन इंडिया' अभियान साल-दर-साल नये-नये मील के पत्थर स्थापित कर रहा है। देश को आत्मनिर्भर बनाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान एवं प्रयासों के सकारात्मक परिणाम तो अनेक क्षेत्रों में दिख रहे हैं, पर रक्षा उत्पादन एवं निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि का एक विशिष्ट महत्व है। ऐतिहासिक रूप से हम अपनी रक्षा आवश्यकताओं के लिए आयात पर निर्भर रहे हैं। कुछ वर्षों से भारत सरकार ने यह प्रावधान कर दिया है कि हमारी सेनाएं कई वस्तुओं की खरीद देश में ही करेंगी। इन वस्तुओं की सूची लगातार बड़ी होती जा रही है। बड़ी आयुध सामग्री के निर्माण में भी हम आगे बढ़ रहे हैं। आज भारत में युद्धपोतों और पनडुब्बियों का निर्माण भी हो रहा है। स्मरण रखें कि इनके निर्माण की क्षमता कुछ गिने-चुने देशों के पास ही है। इसलिए यह विशेषतौर पर उल्लेखनीय है। आयात घटने और निर्यात बढ़ने से खर्च में कमी आ रही है और रक्षा उद्योग की कमाई में बढ़ोतरी हो रही है।

2025 तक दुनिया के लगभग 1.20 अरब लोगों को स्वच्छ पेयजल मिलने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा

मंडराने लगे हैं जल संकट के बादल

तनवीर जाफ़री

भीषण जल संकट और इससे उपजी अराजकता के कारण सरकार ने यहां पानी के निजी इस्तेमाल की सीमा 87 से घटाकर 50 लीटर प्रतिदिन कर दी है। अब डे-ज़ीरो के तहत वैपटाउन में 75 फ़ीसदी घरों की पानी सप्लाईं काट दी गयी है। यानी 10 लाख से ज़्यादा घरों को पानी मिलना बंद हो चुकाहै। यहां सिचाईं में भी पानी का उपयोग नाममात्र कर दिया गया है। इसी संकट के बीच समुद्र के पानी को साफ़ करने की कोशिशें भी की जा रही हैं और अब यहां नालों व नालियों के गंदे पानी को भी रिसाइकल किया जाना शुरू हो गया है।

इसी वर्ष के मध्य में दक्षिण ईफ़्रा से आईं इस ख़बर ने पूरे विश्व को हिला कर रख दिया किराजधानी केपटाउनको विश्व का पहला जलविहीन शहर घोषित किया गया है। 2018 की शुरुआत में ही वैपटाउनके लोगों को इस आशय की चेतावनी दे दी गयी थी। दरअसल यहां तीन वर्षो से लगातार पड़ने वाला सूखा इस ख़तरनाक स्तर तक पहुंच गया था कि फ़रवरी 2018 में ही डे-ज़ीरो के तहत सारे नलों से पानी की आपरूति बंद कर दी गईं थी। उसी समय हालात ऐसे हो गए थे कि नागरिकों को सप्ताह में केवल दो बार नहाने का आदेश दिया गया था साथ ही शौचालय में फ़्लश के लिए टंकी के पानी का उपयोग करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। आख़िरकार मईं 2024 में इसी वैपटाउन को विश्व का पहला जलविहीन शहर घोषित कर दिया गया। अब यहाँ पुलिस व सेना की सुरक्षा में संचालित 200 जल आपरूति वेंद्रों से केवल 25 लीटर पानी प्रति परिवार को दिया जा रहा है। भीषण जल संकट और इससे उपजी अराजकता के कारण सरकार ने यहां पानी के निजी इस्तेमाल की सीमा 87 से घटाकर 50 लीटर प्रतिदिन कर दी है। अब डे-ज़ीरो के तहत वैपटाउन में 75 फ़ीसदी घरों की पानी सप्लाईं काट दी गयी है। यानी 10 लाख से ज़्यादा घरों को पानी मिलना बंद हो चुकाहै। यहां सिचाईं में भी पानी का उपयोग नाममात्र कर दिया गया है। इसी संकट के बीच समुद्र के पानी को साफ़ करने की कोशिशें भी की जा रही हैं और अब यहां नालों व नालियों के गंदे पानी को भी रिसाइकल किया जाना शुरू हो गया है। तो क्या पूरा विश्व वैपटाउन जैसे जल संकट का सामना करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है? यदि वुछ दिन पहले जारी की गयी संयुत्त राष्ट्र की चेतावनी पर ऩजर डालें तो संयुत्त राष्ट्र ने आगाह कर दिया था कि 2025 तक दुनिया के लगभग 1.20 अरब लोगों को स्वच्छ पेयजल मिलने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। और इस संकट की शुरुआत हो चुकी है। वुछ समय पूर्व सिलिकॉन वैली के नाम से मशहूर बेंगलुरु में जल संकट का समाचार मिला। 1 करोड़ 30 लाख आबादी वालेबेंगलुरु में अमीरों ग़रीबों को एक साथ हाथों में बाल्टियां लिये सूखे पड़े नलों व टैंकर्स के पास लम्बी क़तार लगाये देखा गया। यहाँ तक कि सरकारी अस्पतालों में हवा से पानी बनाने की मशीन लगानी पड़ी। परन्तु ऐसा लगता है कि यदि पृथ्वी वासी हम आम जनों ने पानी की बर्बादी करने वाली अपनी दिनचर्यां न

तो बदली और न ही जलसंरक्षण पर ध्यान न दिया। नतीजतन संयुत्त राष्ट्र द्वारा जारी यह चेतावनी कि 2025 तक दुनिया के लगभग 1.20 अरब लोगों को स्वच्छ पेयजल मिलने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा, यह सही साबित होने में अब ज़्यादा वक़्त लगता ऩजर नहीं आता। जल संकट मंडराने का दृश्य मैंने अपनी आँखों से पिछले दिनों अपनी सांगला (हिमाचल प्रदेश) की यात्रा के दौरान स्वयं महसूस किया। मैंने केवल बरसात के मौसम में ही नहीं बल्कि पूरे वर्ष पहाड़ों पर तेज़ धार से बहने वाले शीतल जल के अनगिनत झरने / चश्मे बहते देखे हैं। उन झरनों पर लगने वाली भीड़, लोगों को वहां खड़े होकर अपने वाहनों की धुलाईं करते, नहाते, कपड़े धोते, मस्ती करते, फ़ोटो सेशन कराते और कहीं कहीं तो फ़िल्में शूट होते भी देखा है। इन्हीं जगहों पर वुछ ग़रीबों को मक्के की छल्ली बेचते, चिप्स, चाय कोल्ड ड्रिंक्स गोली टॉफ़ी बेचते भी देखा है। परन्तु अत्यंत दुखद है कि गत दो दशकों से झरनों के सूखने का यह सिलसिला आज यहाँ तक आ पहुंचा है कि वही अनगिनत झरने पूरी तरह सूखे पड़े हैं। ऊँची पर्वत श्रंख्लाओं पर इकट्ठी बर्प़ पिघल चुकी है। ग्लेशियर सूखे पड़े हैं। गोया नदी जल का मुख्य स्त्रोत समझे जाने वाले अधिकांश पहाड़ी चश्मे सूख चुके हैं। झरना स्थलों पर सन्नाटा पसरा पड़ा है। पहाड़ों की हरियाली ख़त्म होती जा रही है। इसी संकट के परिणामस्वरूप देश की तमाम नदियां सूखती जा रही हैं। मीठे पानी की कमी का दुष्प्रभाव हिमाचल प्रदेश जैसे जल स्त्रोतवाले प्रमुख राज्य में क्या देखना पड़ा यह मेरी आपबीती से समझ सकते हैं। शिमला के आगे फ़ागू घाटी के एक होटल में रुकने के लिये कमरा बुक करने के समय होटल मालिक ने साफ़ कह दिया कि पानी की कमी है। सुबह को केवल श होने के लिये टंकी से पानी थोड़ी देर के लिये चलेगा परन्तु नहाने धोने के लिये पानी नहीं है। पीने के लिये बोतल का पानी उपलब्ध है'। इसके बाद नारवंडा में स्थित एकमात्र सुलभ शौचालय जलरहित थाऔर बदबू पैली हुईं थी। रामपुर के निकट कार में तेल डलवाने के बाद जब पम्प कर्मचारी से शौचालय के बारे में पता किया तो वह बोला कि शौचालय तो ज़रूर है परन्तु पानी नहीं है। और इंतेहातो तब हुईं जब सांगला में जहाँ ठहरे थे वहाँ भी पानी का काल पड़ा हुआ था। जबकि सामने कलकल करती बसपा नदी बह रही थी। अपने जीवन के किसी पहाड़ी दौरे में पानी के काल का व्यत्तिगत अनुभव हासिल करने का यह पहला मौक़ा था जिसने भविष्य के संभावित जलसंकट की याद दिलाकर अत्यंत विचलित व चिंतित कर दिया। ग्लोबल वरमिग के दुष्प्रभाव के कारण इसका कोईं तात्कालिक जादुईं समाधान तो ऩजर नहीं आता परन्तु प्रत्येक व्यत्ति व सरकारों को इस दिशा में वुछ न वुछ कोशिश तो करनी ही चाहिये। बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिये पूरे विश्व को पूंजीवाद का मोह छोड़ मानवता के प्रति प्रेम दर्शाते हुये प्रावृतिक संतुलन बनाने की दिशा में सख़्त क़ानून बनाकर कड़े क़दम उठाने चाहिये। ग़ौरतलब है कि विकास के नाम पर पूंजीवाद पेड़ों की कटान कर समतल ज़मीन चाहता है जबकि प्रवृति अधिक से अधिक वृक्षारोपण चाहती है। वृक्षारोपण को तो प्रत्येक व्यत्ति को अपने जीवन का हिस्सा मान लेना चाहिये। हर इंसान को शादी, पाटा, मरना, सालगिरह, विवाह वर्षगांठ, बरसी आदि हर ग़म ख़ुशी व त्यौहार के अवसर पर वृक्षारोपण ज़रूर करना चाहिये। इसी तरह पूंजीवाद अधिक से अधिक वाहनों की बिी में दिलचस्पी रख प्रदूषण को बढ़ाने में भागीदार होता है जबकि प्रवृति प्रदूषण मुत्त वातावरण चाहती है। इसके अतिरित्त वर्षा जल को संचित करने के लिये सूखे पड़े तालाबों को गहरा करने व अधिक से अधिक नये नये तालाब खोदने की .जरुरत है। इससे जल संग्रहणभी होगा और आसपास का भूगभाय जलस्तर भी सुधरेगा। नवनिर्मित होने वाले मकानों में बारिश में छतों का पानी संचित करने के लिये एक पाइप ज़मीन में डालने की प्रायिा (लैंड रिचरजिगसिस्टम) को अनिवार्यंकिया जाना चाहिये। समय रहते यदि हमने जलसंरक्षण के उपाय नहीं किये तो यकीन जानिये वह दिन दूर नहीं जब हम अपने बच्चों को भीषण जलसंकट के वातावरण में छोड़ कर जाने के लिये मजबूर होंगे।

दृष्टि कोण

भिक्षावृत्ति मुक्त भारत बनाने की राह में चुनौतियां

अब देश में भीख मांगने पर रोक लगेगी क्योंकि उनके संरक्षण और पुनर्वास के लिए कोशिश होगी। देश में भिक्षावृत्ति बढ़ती जा रही है और रोकने की कोई ठोस पहल नहीं हुई है। हालांकि, भिक्षावृत्ति के खिलाफ कुछ राज्यों में कानून भी बने हैं लेकिन वे इसे रोक पाने में सक्षम नहीं हैं। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने केंद्र और राज्य सरकारों को भिखारियों की स्थिति में सुधार व पुनर्वास की सिफारिश की है। आयोग के महासचिव भरत लाल ने कहा है कि भिक्षा में लगे लोगों की मौजूदगी कमजोर समुदायों के सामने आने वाली चुनौतियों को दर्शाती हैं। भिक्षावृत्ति का कारण सिर्फ गरीबी नहीं है बल्कि यह एक सामाजिक और आर्थिक समस्या है जहां शिक्षा और रोजगार से वंचित लोग अपनी आजीविका के लिए भीख मांगने को मजबूर होते हैं। शहरों में धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर भीख मांगने वालों में ज्यादातर महिलाएं, बच्चे, किन्नर, बुजुर्ग और दिव्यांग होते हैं। देश में भीख मांगना एक अहम सामाजिक समस्या रही है, जिसके पीछे गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, सामाजिक असमानता और दिव्यांगता आदि वजहें हैं। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, जहां देश में करीब चार लाख से अधिक लोग भिक्षावृत्ति से जुड़े हुए थे। फिलहाल उनकी संख्या बढ़कर करीब 7 लाख पहुंचने का अनुमान है। भिखारियों की संख्या बढ़ने का यह अनुमान केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की ओर से शहरों को भिक्षावृत्ति मुक्त बनाने को लेकर शुरू किए गए अभियान के दौरान लगा है। शहरों में इस अभियान को शुरू करने से पहले इनका सर्वे कराया गया था। हालांकि, यह योजना मौजूदा समय में करीब 30 शहरों में ही चलाई जा रही है जिसका लक्ष्य 2026 तक भिक्षावृत्ति मुक्त भारत बनाने का है। भारत के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने आठ प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने को कहा है। सिफारिश के मुताबिक केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय को

नगर निगमों और सरकारी एजेंसियों की सहायता से भिक्षावृत्ति में लगे लोगों का एक केंद्रीकृत डेटाबेस बनाने की सलाह दी गई है। आयोग ने भीख मांगने में लगे लोगों के संरक्षण और पुनर्वास पर एक राष्ट्रीय नीति का मसौदा तैयार करने की सिफारिश की है, ताकि लक्षित वित्तीय सहायता, व्यावसायिक प्रशिक्षण, गरीबी उन्मूलन और निरंतर निगरानी और पर्यवेक्षण के साथ रोजगार के अवसरों सहित उनके लिए कल्याणकारी योजनाएं बनाकर कार्यान्वित किया जा सके। आयोग ने कहा है कि सामाजिक सुरक्षा हेतु डिजिटल-प्रिंट मीडिया में जागरूकता अभियान शुरू कर संगठित/जबरन भीख मांगने की समस्या को सभी रूपों में समाप्त किया जाए। आयोग ने कहा है कि संगठित समूह अक्सर कमजोर बच्चों को भीख मांगने के लिए बाध्य करते हैं। कुछ मामलों में बच्चों को भीख के लिये मजबूर करने हेतु उनका अपहरण तक कर लिया जाता है। जबरन भीख मांगने के किसी भी रैकेट पर अंकुश लगाने के लिए मानव व्यापार विरोधी कानून बनाने के लिए एक समाजशास्त्रीय और प्रभावी आर्थिक मूल्यांकन जरूरी है। इस कानून में अपराधियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित हो। आयोग ने इस समस्या के समग्र समाधान हेतु सामाजिक कल्याण हस्तक्षेप, बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच, अधिकारों की रक्षा और उन्हें समाज में फिर से शामिल करने में मदद हेतु मजबूत कानूनी ढांचा बनाने की जरूरत बताई है। आयोग ने कहा है कि भीख मांगने के कारणों को सामने लाने के लिए भिखारियों के सर्वेक्षण, पहचान, मानचित्रण और डेटा बैंक तैयार करना, भिक्षावृत्ति में लगे लोगों का पुनर्वास, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कानूनी और नीतिगत ढांचा, गैर-सरकारी संगठनों, नागरिक समाज संगठनों, निजी क्षेत्र, धर्मार्थ ट्रस्टों आदि के साथ सहयोग, वित्तीय सेवाओं तक पहुंच, जागरूकता पैदा करना, संवेदीकरण व निगरानी की जाए। आयोग का कहना कि भिक्षावृत्ति में लिप्त लोगों की पहचान प्रक्रिया पूरी होने के बाद, उन्हें शहरों या जिलों में स्थित आश्रय गृहों में लाया जाए। उन्हें निवासियों के रूप में पंजीकृत किया जाए तथा राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों या अधिकृत एजेंसियों में संबंधित विभागों/ नगरपालिकाओं/ ग्राम पंचायतों द्वारा पहचान पत्र जारी किए जाएं; आश्रय गृह उन्हें उचित आवास और भोजन की सुविधा, कपड़े, स्वास्थ्य सेवा, आधार कार्ड, राशन कार्ड और बैंक खाते खोलने में सहायता सहित अन्य जरूरी सेवाएं मुहैया करे।

कुछ अलग

एआइ पर बड़ी पहल

दुनियाभर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) के क्षेत्र में बहुत तेजी से प्रगति हुई है। इसके साथ-साथ इसके दुरुपयोग और कुप्रभावों को लेकर चिंताएं भी बढ़ी हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना तकनीक मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि एआइ के मामले में भारत सरकार दो पहलुओं पर काम कर रही है- इसकी क्षमता को बढ़ाना तथा सुरक्षा के उपाय करना। बीते मार्च में कैबिनेट ने 'इंडिया एआइ मिशन' को स्वीकृति दी थी। अगले दो-तीन महीनों में इस मिशन को प्रारंभ कर दिया जायेगा। मानें, तो इसकी संभावनाएं असीमित हैं। ऐसे में भारत का यह मिशन बहुत आवश्यक पहल है। सरकार के आगे आने से प्रोग्रामरों, डाटा विशेषज्ञों तथा निवेशकों का भरोसा भी बढ़ेगा। उल्लेखनीय है कि बीते कुछ वर्षों से केंद्र सरकार ने शोध एवं अनुसंधान के मद में आवंटन बढ़ाने का सिलसिला भी शुरू किया है। किसी अन्य तकनीक की तरह एआइ के दुरुपयोग के मामले भी सामने आने लगे हैं। भारत में डिजिटल मसलों से जुड़े कुछ कानून बने हैं और कुछ प्रस्तावित हैं। पर एआइ के क्षेत्र में विशिष्ट नियमन की आवश्यकता है। यूरोपीय संघ ने एक कानून बनाया है तथा अमेरिका में एक आधिकारिक आदेश जारी हुआ है। ऐसी पहलें नियमन का आधार बन सकती हैं।

इसके लिए 10,300 करोड़ रुपये की योजना बनायी जा रही है। एआइ अनुसंधान को गति देने के लिए 10 हजार से अधिक ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट की खरीद होगी। साथ ही, अन्वेषण केंद्र, डाटा सेट आदि भी स्थापित होंगे। इस योजना में निजी क्षेत्र की भी भागीदारी होगी। इस मिशन से एआइ के विकास में निवेश बढ़ने की उम्मीद है। पहले से ही अनेक स्टार्टअप सक्रिय हैं तथा निजी कंपनियां डाटा केंद्र बना रही हैं। वैष्णव ने ग्लोबल इंडिया एआइ समिट को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि तकनीक तक सभी की पहुंच होनी चाहिए। इस संबंध में भारत का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। बहुत कम समय में एआइ ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उपयोगिता साबित की है। विशेषज्ञों की लेकिन जैसा कि वैष्णव ने रेखांकित किया है, प्रभावी तरीके से एआइ के बेजा इस्तेमाल को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय समर्थन और विचार प्रक्रिया की आवश्यकता है। इंटरनेट और कंप्यूटर नेटवर्कों का विस्तार वैश्विक है। कोई अपराधी कहां बैठकर हैकिंग कर रहा है या डाटा चुरा रहा है या धोखाधड़ी को अंजाम दे रहा है, इसका पता लगाना तथा रोकथाम करना बहुत ही कठिन है। भू-राजनीतिक तनावों से ग्रस्त विश्व में तकनीक एक बड़ा हथियार भी बन चुकी है। ऐसे में वैश्विक स्तर पर नियमन और सहकार होना आवश्यक है। भारत डाटा सेंधमारी का बड़ा निशाना है। एआइ के जरिये भी देश का नुकसान करने की कोशिशें हो सकती हैं। ऐसे में विकास के साथ-साथ सतर्कता बरतना भी जरूरी है।

देश दुनिया से

कारगिल के सबक दूर करेंगे अग्निपथ की खामियां

राजनीतिक स्तर पर, तत्कालीन पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ ने अमेरिकी राष्ट्रपति से वाशिंगटन डीसी में तत्काल मुलाकात के लिए समय मांगा, इसका परिणाम स्पष्ट था। जहां नवाज़ शरीफ की इच्छा अमेरिकी दखल से भारत को संयमित करवाने की थी वहीं क्लिंटन का संदेश एकदम दृढ़ था 'पाकिस्तानी फौजियों को वास्तविक नियंत्रण सीमा के पार, वापस अपनी पुरानी जगह पर लौटना होगा।' लाचार हुए पाकिस्तान प्रधानमंत्री के पास इस सलाह को मानने के अलावा कोई अन्य चारा न था, यह थप्पड़ रावलपिंडी के पाकिस्तानी सेना मुख्यालय में बैठे जनरलों के मुंह पर भी अपमान का तमाचा था।

कारगिल युद्ध (1999) में 4 जुलाई का बड़ा महत्व है, इस दिन इस युद्ध के क्रियान्वयन एवं राजनीतिक पहलुओं पर गोष्ठियां आयोजित होती हैं। इस बार, वर्तमान चुनौती-अग्निपथ योजना- के बीच चले विमर्शों ने ऊंचाई वाले रणक्षेत्र के रक्षा प्रबंधन तंत्र में सुधार हेतु महत्वपूर्ण उपाय पेश किए हैं। क्रियान्वयन के स्तर पर, टाइगर हिल (16,606 फीट) पर 18वीं ग्रेनेडियर बटालियन की 'घातक' पलटन द्वारा किया कब्जा भारत के लिए निर्णायक मोड़ वाला रहा, पाकिस्तानी सेना का नेतृत्व कर रहे जनरल परवेज़ मुशर्रफ को इस नुकसान से भान हो चला था कि यह उनके बेवकूफाना दुस्साहस के अंत की शुरुआत है। राजनीतिक स्तर पर, तत्कालीन पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ ने अमेरिकी राष्ट्रपति से वाशिंगटन डीसी में तत्काल मुलाकात के लिए समय मांगा, इसका परिणाम स्पष्ट था। जहां नवाज़ शरीफ की इच्छा अमेरिकी दखल से भारत को संयमित करवाने की थी वहीं क्लिंटन का संदेश एकदम दृढ़ था 'पाकिस्तानी फौजियों को वास्तविक नियंत्रण सीमा के पार, वापस अपनी पुरानी जगह पर लौटना होगा।' लाचार हुए पाकिस्तान प्रधानमंत्री के पास इस सलाह को मानने के अलावा कोई अन्य चारा न था, यह थप्पड़ रावलपिंडी के पाकिस्तानी सेना मुख्यालय में बैठे जनरलों के मुंह पर भी अपमान का तमाचा था। हालांकि, आधिकारिक रूप से युद्ध 26 जुलाई को समाप्त घोषित हुआ था, जिसे भारत में 'विजय दिवस' के रूप में मनाया जाता है और संभावना है कि भाजपा नीत एनडीए गठबंधन की सरकार इस अवसर की 25वीं वर्षगांठ को विशाल स्तर पर मनाएगी। इस लड़ाई के परिणामों का गहराई से आकलन और विमर्श, भारत की मौजूदा राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों के संदर्भ में इनकी प्रासंगिकता की अहमियत पर पुनर्विचार करने का आह्वान करते हैं। वर्ष 1999 के युद्ध साल को कई वजहों से त्रिकोणीय कहा जा सकता है– मसलन, चाहे यह 'परमाणु परछाई' (भारत और पाकिस्तान, दोनों ने, मई 1998 में अपनी परमाणु समर्था का प्रदर्शन किया) या दिसम्बर, 1991 में महाशक्तियों के बीच शीत युद्ध की समाप्ति के बाद कारगिल युद्ध इस उप-महाद्वीप का पहला बड़ा संघर्ष था या फिर इस तथ्य के मद्देनज़र कि उस वक्त अटल बिहारी वाजपेयी कार्यकारी प्रधानमंत्री थे। लेकिन मेरी नज़र में इस युद्ध का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम वह फैसला था जब भाजपा नीत एनडीए ने लड़ाई से पहले की कोताहियों और कमियों की उद्देश्यपूर्ण समीक्षा के लिए गैर-सरकारी विशेषज्ञों के समूह को काम सौंपना स्वीकार किया। कारगिल युद्ध जीत थी भारतीय फौजी की कभी न दबने वाली लड़ाकू खासियत और पराक्रम की, और टाइगर हिल एवं तोलोलिंग चोटी पर फतह इसका जीवंत उदाहरण है। बेशक जहां इस बहादुरी को याद किया जाता है और मानना बनता है, वहीं बड़ी संख्या में जवानों की कीमती जानों का बलिदान हुआ, वहीं ऊंचाई वाले रणक्षेत्र की बाबत देश के रक्षा विभाग के कर्ता-धर्ताओं को उनकी व्यापक असफलताओं के लिए कठघरे में भी खड़ा करता है। यह श्रेय तत्कालीन प्रधानमंत्री वाजपेयी को जाता है कि उन्होंने 29 जुलाई, 1999 को रक्षा अध्ययन विशेषज्ञ के. सुब्रह्मण्यम के नेतृत्व में एक समीक्षा कमेटी गठित की, जिसको काम सौंपा गया- जम्मू-कश्मीर के लद्दाख जिले के कारगिल में पाकिस्तानियों की घुसपैठ के पूर्व-कारकों की पड़ताल और भविष्य में इस प्रकार की सशस्त्र सेंधमारी से राष्ट्रीय सुरक्षा को पैदा होने वाले खतरों की रोकथाम के आवश्यक उपाय सुझाना। विशेष व प्रशंसनीय ढंग से, कारगिल समीक्षा कमेटी ने समय से पहले अपना काम दिसम्बर, 1999 के मध्य में पूरा कर दिखाया– तयशुदा सीमा से एक महीना पहले– और 23 फरवरी, 2000 को कारगिल रिपोर्ट संसद में पेश की गई। तुरंत बाद, यह रिपोर्ट बतौर एक किताब छपी और कुछ हिस्सों की कांट-छांट के बाद सार्वजनिक तौर पर भी जारी हुई। 'कारगिल-1999' नामक यह रिपोर्ट काफी हद तक पारदर्शितापूर्ण है जबकि अक्तूबर, 1962 में चीन के हाथों मिली अभागी हार की समीक्षा में ऐसा अभी तक नहीं हो पाया। नेहरू से लेकर मोदी तक आए, किसी भी प्रधानमंत्री ने इतना निश्चय नहीं दिखाया कि हेंडरसन-ब्रुक्स रिपोर्ट को सार्वजनिक रूप से जारी किया जाए, हालांकि लीक हुए दस्तावेज साइबर स्पेस पर उपलब्ध हैं। आज, कारगिल विजय के 25 साल बाद, यह शर्म की बात है कि कारगिल समीक्षा समिति द्वारा सुझाई मुख्य हिदायतों में बहुतों पर संसद में न तो विमर्श हुआ न ही संबंधित संसदीय समिति में विस्तारित और रचनात्मक ढंग से इस पर विचार हुआ।

आप का नजरिया

नयी सरकार के पहले बजट से उम्मीदें

सभी की निगाहें तीसरी मोदी सरकार द्वारा लाये जा रहे केंद्रीय बजट पर है। ऐसे कयास लगाये जा रहे हैं कि क्या आगामी बजट में एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की एकतरफा छाप दिखेगी या गठबंधन की राजनीति का दबाव भी होगा। कयासों का रुख ज्यादातर इस तरफ है कि सरकार निश्चित तौर पर बजट के माध्यम से भारत के आर्थिक विकास को उसी पथ पर और तेजी से बढ़ाने की कोशिश करेगी, जो उसने पिछले दस वर्षों में स्थापित किया है। बजट के माध्यम से सरकारें वित्तीय वर्ष के दौरान देश के आर्थिक विकास को विभिन्न आंकड़ों के माध्यम से प्रस्तावित करने की कोशिश करती हैं। इसका प्रभाव बहुत गहरा होता है क्योंकि बजट एक रोडमैप है, जिसके अनुसार सरकार अर्थव्यवस्था को संचालित करती है। दो-तीन दशकों से भारतीय अर्थव्यवस्था में बड़े बुनियादी बदलाव हुए हैं और आज वैश्विक स्तर पर भारत की मजबूत छवि है। वैश्वीकरण के इस युग में भारत के लिए अटूट आर्थिक संभावनाएं इसलिए भी लगातार बनी हुई है क्योंकि भारत विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाला मुल्क है। हालांकि घरेलू मोर्चे पर इस कारण बेरोजगारी की एक अनवरत समस्या भी है, फिर भी लगातार बढ़ती आर्थिक विकास दर विश्व को आकर्षित करने में सक्षम बनी हुई है। इस बात का श्रेय मोदी सरकार को जाता है कि उसके नेतृत्व में भारतीय अर्थव्यवस्था जीडीपी के पैमाने पर तेज प्रगति करते हुए वैश्विक दौड़ में पांचवें पायदान पर पहुंची है। विश्व के सभी बड़े आर्थिक संस्थान व रेटिंग एजेंसियां आने वाले कुछ वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था को सात ट्रिलियन डॉलर के मुकाम पर पहुंचते हुए देख रही हैं। तब जापान और जर्मनी भारत से पीछे रह जायेंगे। अगर मोदी सरकार के पिछले दो कार्यकाल की आर्थिक नीतियों का विश्लेषण करें, तो हम पाते हैं कि सरकार का रुख पूंजीगत खर्चों पर बहुत अधिक एकाग्र और सकारात्मक है। आंकड़ों के हिसाब से मनमोहन सिंह सरकार अपने आखिरी दौर में पूंजीगत खर्चों पर बजट का करीब 12 प्रतिशत खर्च कर रही थी, जिसे मोदी सरकार बड़ी तेजी से बढ़ाते हुए 22 प्रतिशत से अधिक कर चुकी है। वित्त वर्ष 2023-24 में आधारभूत सुविधाओं पर हुआ वास्तविक खर्च 18।6 प्रतिशत है और बाकी बचा 3।6 प्रतिशत हिस्सा विभिन्न राज्यों, सार्वजनिक उपक्रमों को वित्तीय ऋण के तौर पर आवंटित किया गया है। इस खर्च के चलते ही अर्थव्यवस्था में तेजी आयी और निजी निवेश का प्रतिशत भी लगातार बढ़ा। इससे जीडीपी की लगातार वृद्धि होती रही है। यह भी एक हकीकत है कि भारत में युवाओं में बड़े पैमाने पर बेरोजगारी है। रोजगार में बढ़ोतरी हो रही है, पर अवसरों की संख्या उतनी नहीं हो पा रही है कि इस समस्या का ठीक से समाधान हो सके। मोदी सरकार को इस बार आम चुनाव में पूर्ण बहुमत नहीं मिलने का यह एक प्रमुख कारण माना जा रहा है। बजट में इस संदर्भ में प्रावधान होने चाहिए। यह स्थिति भी चिंताजनक है कि निजी क्षेत्र निवेश के बदले सरकार से बहुत अधिक अपेक्षाएं रखता है।

उत्तर कोरिया के राजनयिक ने पत्नी-बच्चों समेत दक्षिण कोरिया में ली शरण, क्यूबा में थे तैनात

सियोल, 16 जुलई (एजेंसियां) ।

दक्षिण कोरिया की जासूसी एजेंसी ने दावा किया है कि उत्तर कोरिया के एक राजनयिक ने दक्षिण कोरिया में शरण ली है। एजेंसी ने दावा किया कि शरण लेने वाले राजनयिक क्यूबा में उत्तर कोरिया के राजनीतिक मामलों के सलाहकार थे। दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय खुफिया सेवा ने कहा कि क्यूबा में राजनीतिक मामलों के उत्तर कोरियाई सलाहकार के पलायन की मीडिया रिपोर्ट्स सच हैं। लेकिन उन्होंने इस बारे में ज्यादा जानकारी देने से इनकार कर दिया। राजनीतिक व्यवस्था से मोहभंग के चलते दक्षिण कोरिया में ली शरण उल्लेखनीय है कि दक्षिण कोरिया के प्रमुख अखबार ने अपनी रिपोर्ट में इसका दावा किया था और बताया कि उत्तर कोरिया के राजनयिक री इल क्यू पिछले साल नवंबर में अपनी पत्नी और बच्चों के साथ दक्षिण कोरिया आ गए थे लेकिन उन्होंने इस बारे में और विवरण नहीं दिया। हाल के वर्षों में उत्तर कोरिया के कई राजनयिकों ने दक्षिण कोरिया में शरण ली है और री इल क्यू का मामला इस श्रृंखला की नई कड़ी है। रिपोर्ट में री के हवाले से बताया गया है कि उन्होंने उत्तर कोरिया की राजनीतिक व्यवस्था से मोहभंग होने के चलते वहां से पलायन का फैसला किया था।

अब तक करीब 34 हजार उत्तर कोरियाई लोगों ने दक्षिण कोरिया में ली शरण - वहीं दक्षिण कोरिया की एक समाचार एजेंसी ने सरकारी सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि री ने उत्तर कोरियाई विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के साथ गंभीर मतभेदों के बाद वहां से भागने का फैसला किया। दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय ने अभी उत्तर कोरियाई राजनयिक के भागकर सियोल आने की पुष्टि नहीं की है। साल 1950-53 के कोरियाई युद्ध के समाप्त होने के बाद से लगभग 34,000 उत्तर कोरियाई लोग आर्थिक कठिनाइयों और राजनीतिक दमन से बचने के लिए दक्षिण कोरिया चले गए हैं।

उत्तर कोरिया में 30 स्कूली बच्चों की हत्या का दावा - दक्षिण कोरिया सरकार के एक अधिकारी के हवाले से दक्षिण कोरिया के मीडिया में दावा किया गया है कि उत्तर कोरियाई अधिकारियों ने पिछले हफ्ते माध्यमिक विद्यालय के 30 नाबालिग छात्रों को सार्वजनिक रूप से गोली मारकर हत्या कर दी थी।

न्यूज ब्रीफ

बाल टीकाकरण कवरेज की रफ्तार में 2023 में आया ठहराव,डब्लूएचओ-यूएनआईसीईएफ की चौंकाने वाली रिपोर्ट

संयुक्त राष्ट्र । विश्व भर में बच्चों की प्रतिरक्षण कवरेज वर्ष 2023 में अवरुद्ध हो गई है, जिसके कारण बड़ी संख्या में बच्चे जीवनरक्षा कवच के दायरे से बाहर हो गए हैं। यूएन एजेंसियों के एक नए विश्लेषण के अनुसार, कोविड-19 महामारी से पहले 2019 की तुलना में 27 लाख अतिरिक्त बच्चों का या तो टीकाकरण नहीं हो पाया या फिर उनकी वैक्सीन खुराकें पूरी नहीं हो पाई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और संयुक्त राष्ट्र बाल कोष ने 14 बीमारियों के विरुद्ध टीकाकरण के रुझानों पर अपने नए विश्लेषण में यह निष्कर्ष साझा किया है, जिसके मद्देनजर यूएन एजेंसियों ने हालात में बेहतरी के लिए तत्काल टीकाकरण प्रयासों में तेज़ी लाने पर बल दिया है। यूनीसेफ की कार्यकारी निदेशक कैथरीन रसैल ने कहा, नवीनमत रुझान दर्शाते हैं कि अनेक देशों में अब भी बहुत से बच्चे छूटते जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रतिरक्षण खाई को पाटने के लिए एक वैश्विक प्रयास की आवश्यकता होगी, जिसमें सरकारों, साझीदारों और स्थानीय नेताओं को प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल व सामुदायिक कर्मचारियों में निवेश करना होगा। हर बच्चे को टीकाकरण के दायरे में लाने और स्वास्थ्य देखभाल को बेहतर बनाने के लिए यह जरूरी है। रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में डिफ्थीरिया, टिटनेस और पर्टूसिस से बचाव के लिए वैक्सीन की तीन खुराक पाने वाले बच्चों की संख्या 10 करोड़ 80 लाख (84 प्रतिशत) पर अवरुद्ध हो गई। वैश्विक प्रतिरक्षण कवरेज प्रयासों को दर्शाने के लिए ये वैक्सीन एक अहम संकेतक हैं। जिन बच्चों को वैक्सीन की एक भी खुराक नहीं मिल पाई, उनकी संख्या 2022 में एक करोड़ 39 लाख थी, मगर 2023 में यह बढ़कर एक करोड़ 45 लाख पर पहुंच गई। जिन बच्चों का टीकाकरण नहीं हो पाया है, उनमें से 50 फीसदी से अधिक उन 31 देशों में रहते हैं, जहां हालात नाजुक हैं, हिंसक टकराव से प्रभावित हैं या फिर संवेदनशील हालात से जूझ रहे हैं। ऐसे देशों में बच्चों पर ऐसी बीमारियों की चपेट में आने का जोखिम है, जिनकी आसानी से रोकथाम की जा सकती है। मगर, सुरक्षा, पोषण व स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं में व्यवधान आने से यह कठिन हो जाता है। इसके अलावा, 65 बच्चों को डीटीपी वैक्सीन की तीसरी खुराक नहीं मिल पाई, जो कि आरंभिक बचपन में बीमारियों से बचाने के लिए आवश्यक है। ये रुझान दर्शाते हैं कि वैश्विक प्रतिरक्षण कवरेज वर्ष 2022 के बाद से अब तक अवरुद्ध है और 2019 के स्तर तक नहीं लौट पाई है, जिसकी वजह स्वास्थ्य सेवाओं में व्यवधान, लॉजिस्टिक संबंधी चुनौतियां, वैक्सीन के प्रति हिचकिचाहट और टीकाकरण में पसरी विषमताएं हैं। खसरे का प्रकोप विश्लेषण के अनुसार, घातक खसरा बीमारी के विरुद्ध टीकाकरण की दर भी ठहर गई है, और साढ़े तीन करोड़ बच्चों के पास जरूरी सुरक्षा कवच उपलब्ध नहीं है। 2023 में केवल 83 प्रतिशत बच्चों को नियमित स्वास्थ्य सेवाओं के ज़रिये ख़सरा की पहली खुराक मिल पाई। वहीं, दूसरी खुराक पाने वाले बच्चों की संख्या में 2022 की तुलना में मामूली वृद्धि हुई और यह 74 प्रतिशत तक पहुंची। खसरा के प्रकोप को टालने, अनावश्यक बीमारियों व मौतों से बचने और खसरा उन्मूलन लक्ष्य को हासिल करने के लिए निर्धारित 95 प्रतिशत टीकाकरण कवरेज के लक्ष्य से यह कम है।

प्रधानमंत्री ओली बोले- भारत के साथ मजबूत रिश्ते बनाने को प्रतिबद्ध, 30 दिनों में साबित करना होगा बहुमत

काठमांडू। नेपाल के नवनियुक्त प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने कहा कि वह भारत-नेपाल संबंधों को मजबूत करने और द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए अपने भारतीय समकक्ष नरेंद्र मोदी के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। चौथी बार नेपाल के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद पीएम मोदी के बधाई संदेश का जवाब देते हुए, उन्होंने भारतीय नेता को उनकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद दिया। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के नवनियुक्त पीएम ओली को बधाई देकर कहा था कि वे दोनों देशों की दोस्ती को और मजबूत करने के लिए उनके साथ काम करने को उत्सुक हैं। इस पर नेपाल के पीएम ने कहा, मैं हमारे पारस्परिक लाभ के लिए द्विपक्षीय रिश्तों की मजबूती को आपके साथ काम करने को प्रतिबद्ध हूं। उन्होंने कहा, हम साथ मिलकर ऐतिहासिक संबंधों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकते हैं। बता दें कि ओली, एक नई गठबंधन सरकार का नेतृत्व करेंगे जो नेपाल में राजनीतिक स्थिरता प्रदान करने की चुनौती का सामना करेगी। ओली कैबिनेट में दो उपप्रधानमंत्री, 21 मंत्री नेपाल में पीएम केपी शर्मा ओली की कैबिनेट में इस बार दो उपप्रधानमंत्री और 21 मंत्री बनाए गए हैं। इसमें 12 पुराने, जबकि 9 नए मंत्रियों को जगह मिली है। नेपाली कांग्रेस से प्रकाशमान सिंह और नेपाल कम्युनिष्ट पार्टी (यूएमएल) से विष्णु पौडेल उप-पीएम बने हैं। सिंह को शहरी विकास और पौडेल को वित्त मंत्रालय की भी जिम्मेदारी दी गई है।

कभी ट्रंप को बुलाया बेवकूफ-हिटलर, अब उन्हीं के साथ उपराष्ट्रपति पद की दौड़ में जेडी वैंस

वॉशिंगटन, 16 जुलई (एजेंसियां) ।

अमेरिका में इसी साल नवंबर में होने वाले आम चुनाव में ओहियो के सीनेटर जेडी वैंस भी अपनी किस्मत आजमाएंगे। रिपब्लिकन नेता और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वैंस को उपराष्ट्रपति पद का प्रत्याशी चुना है। 39 वर्षीय वैंस की शादी भारतवंशी उषा चिलुकुरी वैंस से हुई है। उषा आंध्र प्रदेश की मूल निवासी हैं। 39 वर्षीय जेडी वैंस कभी ट्रंप के कटु आलोचक थे, लेकिन अब वे पूर्व राष्ट्रपति के कट्टर समर्थकों में से एक बन गए हैं। आइए इनके सियासी सफर पर एक नजर डालते हैं।

पिछले चुनाव में बुलाया था बेवकूफ

करीब आठ साल पहले जब साल 2016 में राष्ट्रपति चुनाव हुआ था, उस समय जेडी वैंस ने डोनाल्ड ट्रंप की जमकर आलोचना की थी। उन्होंने सार्वजनिक रूप से रिपब्लिकन नेता को बेवकूफ बुलाया था। वहीं, उनकी तुलना एडॉल्फ हिटलर से कर दी थी। मगर आज समय का फेर देखिए, जो शख्स डोनाल्ड ट्रंप की बुराई करते नहीं थक रहा था, वो आज उनके रनिंग मेट यानी उपराष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल है।

आज सबसे बड़े समर्थक

अब वैंस ट्रंप के सबसे बड़े समर्थकों में से एक बन चुके हैं। पूर्व राष्ट्रपति ने उन्हें अपना उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाने के लिए चुना। जेडी वैंस ट्रंप के साथ उस समय भी खड़े रहे, जब कई अन्य रिपब्लिकन नेताओं ने उनका समर्थन नहीं किया ट्रंप की आलोचना करने और अब उन्हें समर्थन देने से कई सवाल खड़े हो गए हैं। डेमोक्रेट और यहां तक कि कुछ रिपब्लिकन ने सवाल किया है कि क्या वैंस विचारधारा की तुलना में अवसरवाद से अधिक प्रेरित हैं।

जेडी वैंस कौन है

दो अगस्त 1984 को ओहियो के मिडलटाउन में एक गरीब घर में जेडी वैंस का जन्म हुआ था। उनका पालन-पोषण उनके दादा-दादी ने किया, खास तौर पर उनकी दादी ने, जिन्हें वे प्यार से मॉम कहकर पुकारते थे। वे अमेरिकी मरीन कॉर्प्स में भर्ती हुए और इराक युद्ध में हिस्सा लिया। उसके बाद ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी में दाखिला लिया और बाद में येल लॉ स्कूल से स्नातक किया। वैंस को 2016 में अपनी आत्मकथा हिलबिली एलेजी से प्रसिद्धि मिली, जो बेस्टसेलर बन गई और जिसे नेटफ्लिक्स पर फिल्माया गया। यह किताब ओहियो के मिडलटाउन में उनके पालन-पोषण और रस्ट बेल्ट क्षेत्र में श्वेत श्रमिक वर्ग के सामने आने वाली सांस्कृतिक और आर्थिक चुनौतियों का वर्णन करती है।

कभी थे ट्रंप के आलोचक , आज समर्थक

दिलचस्प बात यह है कि वैंस ने 2016 के सफल राष्ट्रपति अभियान के दौरान ट्रंप की आलोचना की थी और उन्हें बेवकूफ और निंदनीय बताया था। मगर बाद में उन्होंने बताया कि कैसे पूर्व राष्ट्रपति ने अपने पहले व्हाइट हाउस कार्यकाल के दौरान उनका दिल जीत लिया था। वैंस का कहना है कि वह साल 2021 में ट्रंप से मिले थे। तब ही उन्होंने अपना राजनीतिक करियर शुरू किया। सीनेट अभियान के दौरान वह ट्रंप के करीब आ गए थे। ओहियो में अमेरिकी सीनेट सीट के लिए चुनाव लड़ा और ट्रंप के समर्थन से रिपब्लिकन नामांकन जीता। उन्होंने आम चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार टिम रयान को हराया और तीन जनवरी, 2023 को पद की शपथ ली।

ऐसे सुधरे संबंध हालांकि, कुछ लोगों का कहना है कि इस पूरे मिलन में दिलचस्प बात यह है कि वह पहले ट्रंप के सबसे बड़े बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर से मिले, धीरे-धीरे उनके घनिष्ठ बन गए। वैंस ने पहली बार ट्रंप जूनियर का ध्यान उस समय अपनी ओर आकर्षित किया था, जब उन्होंने 2022 में ओहियो सीनेट प्राइमरी के दौरान यूक्रेन को सहायता देने का विरोध किया था। ट्रंप के साथ वैंस के संबंध इस साल की शुरुआत में रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के प्राइमरी के दौरान सुधरे।

वैंस एक लेखक होने के साथ-साथ बहुमुखी प्रतिभा के धनी

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने वैंस के नाम का एलान कर कहा कि जेडी ने मरीन कॉर्प्स में अमेरिका की सेवा की है। जेडी वैंस की तारीफों के पुल बांधते हुए ट्रंप ने बताया कि वैंस एक लेखक होने के साथ-साथ बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं।

दो साल में ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी से स्नातक की उपाधि

सुम्मा कम लाउड और येल लॉ स्कूल से स्नातक येल लॉ जर्नल के संपादक और येल लॉ वेटरन्स एसोसिएशन के अध्यक्ष भी रह चुके हैं प्रौद्योगिकी और वित्तीय क्षेत्र में बहुत ही सफल व्यवसायिक करियर रहा है ।

वे बेहतरीन उपराष्ट्रपति होंगे, जेडी वैंस की उम्मीदवारी पर विवेक रामास्वामी ने दी ऐसी प्रतिक्रिया

वॉशिंगटन, 16 जुलई (एजेंसियां) ।

भारतीय-अमेरिकी उद्यमी विवेक रामास्वामी ने कहा कि वैंस एक बेहतरीन उपराष्ट्रपति बनेंगे। विवेक रामास्वामी ने बताया कि लॉ स्कूल के दिनों में जेडी वैंस उनके सहपाठी रहे हैं। आगामी अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप द्वारा जेडी वैंस को उप-राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुना गया है। रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रहे विवेक रामास्वामी ने भी जेडी वैंस के नाम का समर्थन किया है। भारतीय-अमेरिकी उद्यमी विवेक रामास्वामी ने कहा कि वैंस एक बेहतरीन उपराष्ट्रपति बनेंगे। विवेक रामास्वामी ने बताया कि लॉ स्कूल के दिनों में जेडी वैंस उनके सहपाठी रहे हैं। रामास्वामी ने लिखा- अपने सहपाठी, दोस्त पर गर्व रामास्वामी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि आज मुझे अपने दोस्त, सहपाठी और दक्षिण-पश्चिम ओहियो के अपने साथी पर बहुत गर्व है। यह बहुत बढ़िया है कि हम एक दशक बाद यहां हैं और जेडी हमारे जीवनकाल में ही उप-राष्ट्रपति पद के टिकट की रेस में शामिल हैं। उन्होंने लिखा वे एक बेहतरीन उपराष्ट्रपति बनेंगे और मैं उनके और हमारे देश के लिए आगे आने वाली हर चीज का इंतजार कर रहा हूं। गौरतलब है कि विवेक रामास्वामी भी रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद के दावेदार थे, लेकिन आयोवा कॉकस में चौथे स्थान पर रहने के बाद रामास्वामी राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर हो गए थे। आयोवा कॉकस की जीत को डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा लगातार तीसरे चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से नामांकन हासिल करने की दिशा में पहला कदम माना गया। ट्रंप ने किया वैंस के नाम का एलान डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए वैंस की उम्मीदवारी की पुष्टि की। ट्रम्प ने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ पर साझा किए एक पोस्ट में लिखा, लंबे विचार-विमर्श और सोच-विचार के बाद, और कई अन्य लोगों की जबरदस्त प्रतिभाओं पर विचार करते हुए, मैंने फैसला किया है कि संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति पद के लिए सबसे उपयुक्त व्यक्ति ओहियो के सीनेटर जेडी वैंस हैं।

रूस के साथ अपने मजबूत संबंधों का इस्तेमाल करके यूक्रेन युद्ध रुकवाए भारत, अमेरिका की अपील

वॉशिंगटन, 16 जुलई (एजेंसियां) ।

अमेरिकी विदेश विभाग का यह बयान ऐसे समय आया है, जब हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस का दौरा किया था। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने पीएम मोदी के रूस दौरे की आलोचना की थी और कहा था कि इससे शांति प्रयासों को बड़ा झटका लगेगा।

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच अमेरिका ने भारत से अपील की है कि वह रूस के साथ अपने ऐतिहासिक संबंधों का इस्तेमाल करे और राष्ट्रपति पुतिन को कहे कि वह यूक्रेन के खिलाफ युद्ध रोक दें। अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने ये अपील की। मैथ्यू मिलर ने कहा कि भारत के रूस के साथ पुराने और मजबूत संबंध रहे हैं और ये सभी को पता हैं। हम चाहेंगे कि भारत, रूस के साथ अपने संबंधों का इस्तेमाल करते हुए राष्ट्रपति पुतिन से अपील करें कि वह यूक्रेन के खिलाफ जारी अवैध युद्ध को रोक दें और शांति स्थापित करें। पुतिन को यूएन चार्टर का सम्मान करने के लिए मनाए भारत मिलर ने कहा कि भारत पुतिन से कहे कि वह यूएन चार्टर का सम्मान करें और साथ ही यूक्रेन की क्षेत्रीय संप्रभुता को भी सम्मान करें। भारत हमारा भी अहम सहयोगी है, ऐसे में हम चाहेंगे कि भारत रूस को समझाने की कोशिश करे। अमेरिकी विदेश विभाग का यह बयान ऐसे समय आया है, जब हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस का दौरा किया था। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने पीएम मोदी के रूस दौरे की आलोचना की थी और कहा था कि इससे शांति प्रयासों को बड़ा झटका लगेगा। अमेरिका ने भी भारत के प्रति अपनी नाराजगी जाहिर की थी। पीएम मोदी को रूस से सर्वोच्च सम्मान से किया गया सम्मानित प्रधानमंत्री मोदी ने मॉस्को दौरे पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। इस मुलाकात में दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ाने के उपायों पर चर्चा हुई। दोनों देशों के बीच साल 2030 तक सालाना व्यापार 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

भारत सतत विकास लक्ष्यों को 2030 तक कर लेगा हासिल, संयुक्त राष्ट्र में बोले नीति आयोग के उपाध्यक्ष

संयुक्त राष्ट्र, 16 जुलई (एजेंसियां) ।

सतत विकास पर उच्च स्तरीय राजनीतिक मंच (एचएलपीएफ) की जनरल डिबेट में नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन के बेरी ने भाग लिया। उस दौरान उन्होंने भारत की सराहना की। कहा कि भारत अपने प्रयासों के जरिये सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजीएस) की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता रहा है।

यह है मंच का लक्ष्य

बता दें, सुमन बेरी आर्थिक तथा सामाजिक परिषद के तत्वावधान में आठ जुलाई से 17 जुलाई तक संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित सतत विकास पर उच्च स्तरीय राजनीतिक फोरम में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इसका विषय 2030 एजेंडा को सुदृढ़ बनाना तथा विभिन्न संकटों के समय में गरीबी उन्मूलन: सतत, लचीले तथा नवीन समाधानों का प्रभावी क्रियान्वयन है। लक्ष्य 1.2 को हासिल करने की राह पर भारत बेरी ने कहा, बहुआयामी गरीबी सूचकांक के संबंध में भारत 2030 की समय-सीमा से काफी पहले ही क्षेत्रीय परिभाषाओं के अनुसार सभी आयु वर्गों के पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के गरीबी में रहने के अनुपात को कम से कम आधा करने के लक्ष्य 1.2 को हासिल करने की राह पर है।

करोड़ों भारतीय गरीबी से आए बाहर

उन्होंने कहा कि 2015-16 और 2019-21 के बीच पांच वर्षों में करीब 13.5 करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर आए। उन्होंने आगे कहा कि भारत अपने प्रयासों के जरिये इन सतत विकास लक्ष्यों की प्रगति में एक महत्वपूर्ण योगदानकर्ता रहा है। उसने व्यापक स्तर पर भौतिक तथा डिजिटल बुनियादी ढांचे की सफल पेशकश की, धोखाधड़ी को कम करने के लिए डिजिटल के साथ लक्षित सामाजिक राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र कार्यक्रमों, महिलाओं की एजेंसी में सुधार, सबसे कम विकसित प्रशासनिक क्षेत्राधिकारों पर ध्यान देने और प्राकृतिक तथा मानव निर्मित आपदाओं के लिए स्थानीय व राष्ट्रीय कार्रवाई को मजबूत करने के जरिये सफलता प्राप्त की है।

दुनिया का सबसे बड़ा खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम बना

उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान में 52 करोड़ से अधिक भारतीयों को नकद रहित स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिल रहा है। भारत ने वैश्विक महामारी के दौरान और उसके बाद के वर्षों में 80 करोड़ से अधिक नागरिकों को मुफ्त खाद्य आपूर्ति की गारंटी दी है, जिससे यह दुनिया का सबसे बड़ा खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम बन गया है।

जलवायु संबंधी कार्रवाई पर उन्होंने कहा कि भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा और अर्थव्यवस्था को कार्बन मुक्त बनाने में भारी निवेश किया है, जबकि भारत में प्रति व्यक्ति उत्सर्जन सबसे कम है।

कौन हैं हरमीत ढिल्लों, जिन्होंने रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में की अरदास

वॉशिंगटन, 16 जुलई (एजेंसियां) ।

हरमीत ढिल्लों का नाम इन दिनों एक बार फिर सुर्खियों में है। दरअसल, अमेरिकी राज्य मिल्वौकी में रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन हो रहा है। इस दौरान डोनाल्ड ट्रंप को रिपब्लिकन की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के तौर पर चुना गया। वहीं, ट्रंप की मौजूदगी में नागरिक अधिकार वकील और रिपब्लिकन पार्टी की नेता ढिल्लों ने एक खास इच्छा रखी। उन्होंने कहा कि वह अरदास करना चाहती हैं और उन्होंने सिर पर दुपट्टा रख अरदास की।

आखिर कौन हैं हरमीत ढिल्लों-

हरमीत ढिल्लों का जन्म भारत के चंडीगढ़ में हुआ। वह एक सिख चिकित्सक की बेटी और भारतीय वायु सेना में एक चार सितारा जनरल की पोती हैं। फिलहाल, ढिल्लों कैलिफोर्निया के सैन फ्रांसिस्को में रिपब्लिकन पार्टी के प्रमुख के रूप में अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रही हैं।

व्यक्तिगत रूप से एक सामाजिक रूढ़िवादी ढिल्लों ने कुछ विवादास्पद रुख अपनाए हैं। उन्होंने समलैंगिक विवाह और गर्भपाक जैसे मुद्दों पर खुलकर अपने विचार रखे हैं। उनका कहना है कि सरकार को किसी के निजी फैसलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

पहले लंदन फिर गईं अमेरिका

हरमीत का जन्म भारत में हुआ था, लेकिन वह वहां लंबे समय तक नहीं रहीं। उनका परिवार पहले लंदन और फिर संयुक्त राज्य अमेरिका में बस गया। इसके पीछे का कारण यह था कि उनके पिता एक आर्थोपेडिक सर्जन थे और उन्हें अपना प्रशिक्षण पूरा करना था। ढिल्लों ने अपनी स्कूली शिक्षा न्यूयॉर्क में पूरी की। इसके बाद वे उत्तरी कैरोलिना के स्मिथफील्ड के छोटे दक्षिणी शहर में रहने चले गए, जहां बहुत कम एशियाई थे और यहां तक कि कम सिख भी थे।

ढिल्लों का कहना है कि लगातार शहर बदलने से सांस्कृतिक बदलाव की आदत पड़ने में कुछ समय लगा। उन्होंने एक बार कहा, बहुत से आप्रवासियों को अपना जीवन शुरू से शुरू करना पड़ता है। जहां में पली बढ़ी वहां पूरे काउंटी में एक आर्थोपेडिक सर्जन नहीं था। गोरे थे और अश्वेत थे और वे शहर के विभिन्न हिस्सों में रहते थे और वास्तव में अलग-अलग पृष्ठभूमि के बहुत लोग नहीं थे।

भेदभाव का करना पड़ा सामना

उन्होंने आगे कहा, लेकिन, मैं उस समय करीब छह या सात साल की थी। इसलिए आप जानते हैं जब आप एक बच्चे होते हैं तो आप वास्तव में चीजों का बहुत सावधानी से विश्लेषण नहीं करते हैं। लेकिन उस छोटे से शहर में रहने के दौरान हमें निश्चित रूप से कुछ भेदभाव का सामना करना पड़ा।

ढिल्लों ने उत्तरी कैरोलिना स्कूल ऑफ साइंस एंड मैथमेटिक्स में भाग लिया। 16 साल की उम्र में स्नातक किया। उनकी मां ने यह भी सुनिश्चित किया कि हरमीत और उनके भाई सिख धर्म के बारे में जाने और अपने दादा-दादी के साथ जुड़े रहें, इसलिए गर्मियों की छुट्टी में उन्हें भारत भेजते थे। हरमीत ने डार्टमाउथ कॉलेज में दाखिला लिया, जहां उन्होंने रूढ़िवादी डार्टमाउथ रिव्यू का संपादन किया। काफी मुकदमेबाजी का सामना करना पड़ा।

परिवार की पसंद से की थी शादी

पढ़ाई पूरी करने के बाद हरमीत ने परिवार की पसंद से शादी की थी, लेकिन ज्यादा समय तक नहीं चली। रिश्ता तब खत्म हुआ जब उनके पति ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। ढिल्लों ने बताया था कि उन्होंने डार्टमाउथ से स्नातक की उपाधि प्राप्त की और स्नातक होने के एक हफ्ते बाद भारत के एक डॉक्टर से शादी कर ली। बाद में घरेलू हिंसा की शिकार हुई और एक साल बाद तलाक ले लिया।

दूसरी शादी भी नहीं चली

बाद में उन्होंने वर्जीनिया विश्वविद्यालय से कानून की डिग्री प्राप्त की और बाद में एक रूढ़िवादी सिख चिकित्सक से शादी कर ली। मगर बाद में यह शादी भी नहीं चली और 2003 में अलग हो गए। मां को स्तन कैंसर होने पर वह वापस अपनी मां के पास उत्तरी कैरोलिना चली गईं। 2006 में वहां अपनी खुद की लॉ फर्म शुरू की। बाद में, जनवरी 2011 में राजनीतिक करियर की शुरुआत की। वह सैन फ्रांसिस्को रिपब्लिकन पार्टी की प्रमुख बनीं।

स्विट्जरलैंड के स्टार जेरदान ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से लिया संन्यास

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। स्विट्जरलैंड के स्टार खिलाड़ी जेरदान शकीरी ने यूरो 2024 की समाप्ति के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी। अपने 14 साल के लंबे सफर को खत्म करने की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए दी। 32 वर्षीय खिलाड़ी को हाल ही में जर्मनी में संपन्न हुए यूरो 2024 के लिए स्विस टीम में चुना गया था। रोसोक्रोसियाटी ने टूर्नामेंट में औसत प्रदर्शन किया और टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल राउंड में अपनी यात्रा समाप्त की।

यूरो 2024 में जेरदान का प्रदर्शन

क्लब फुटबॉल में उन्होंने बेसल, बायर्न म्यूनिख, इंटर मिलान, स्टोक सिटी, लिवरपूल और ल्योन के लिए खेला है। वर्तमान में वह शिकागो फायर एफसी के साथ मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में खेल रहे हैं। स्विटजरलैंड ने यूरो 2024 के राउंड ऑफ 16 में इटली को 2-0 से हराया। हालांकि, वे पेनल्टी शूटआउट में 5-3 से दुखद हार के बाद क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड से हार गए। यूरो 2024 में शकीरी ने स्कॉटलैंड के खिलाफ सिर्फ एक गोल किया, जिससे उन्हें प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में अपनी जगह पक्की करने में मदद मिली।

सोशल मीडिया के जरिए की संन्यास की घोषणा

शकीरी ने अपने संन्यास की घोषणा सोशल मीडिया के जरिए की। उन्होंने कहा कि 14 साल की यात्रा के बाद राष्ट्रीय टीम को अलविदा कहने का उनका समय आ गया है। शकीरी ने लिखा, सात टूर्नामेंट, कई गोल, स्विस राष्ट्रीय टीम के साथ 14 साल और अविस्मरणीय क्षण। राष्ट्रीय टीम को अलविदा कहने का समय आ गया है। शानदार यादें बनी हुई हैं और मैं आप सभी से कहता हूं। धन्यवाद।

जेरदान का करियर

मिडफील्डर ने 2010 में स्विट्जरलैंड के लिए अपना पहला मैच खेला था। जेरदान ने अपने करियर में 125 मैच खेले और 32 गोल किए। उन्होंने प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के 2010, 2014, 2018 और 2022 संस्करणों में स्विस पक्ष के साथ चार फीफा विश्व कप भी खेले हैं।

न्यूज ब्रीफ

ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ता ने चोट की चिंताओं के बावजूद मॉरिस, रिचर्डसन का समर्थन किया

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने तेज गेंदबाज लांस मॉरिस और झाई रिचर्डसन के लिए कई योजनाएं बनाई हैं, जो ब्रिटेन के सफ़ेद -बॉल दौरे से चूक गए थे। इस साल की शुरुआत में दोनों को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट दिया था। मॉरिस अपनी पीठ की चोट के कारण मैदान से दूर थे और वर्तमान में वे पुनर्वास से गुजर रहे हैं। यह 2022-2023 सीजन में एशेज यात्रा से बाहर होने के बाद हुई घटना की पुनरावृत्ति है। इस तेज गेंदबाज को अपने दूसरे वनडे मैच में साइड स्ट्रेन हुआ था, जिससे वो आगे नहीं खेल पाए थे। उन्हें मौजूदा मेजर लीग क्रिकेट में सिएटल ओर्कास के लिए खेलना था, लेकिन चोटिल होने के कारण उन्हें इस टूर्नामेंट के साथ-साथ स्कॉटलैंड और इंग्लैंड दौरे से भी बाहर होना पड़ा। राष्ट्रीय चयनकर्ता जॉर्ज बेली के हवाले से कहा, लांस अभी भी खेल में वापसी करना चाहते हैं और चोट से उबर रहे हैं। मुझे पता है कि वह अच्छी तरह से प्रगति कर रहे हैं। वह गर्मियों में कमबैक करेंगे और मैदान पर उनको देखना वाकई रोमांचक होगा। झाई भी अब फिट हैं और फिर से मैच के अवसरों की तलाश कर रहे हैं। मुझे लगता है कि उन्हें गर्मियों में फिर से मौके मिलेंगे। उनके और मॉरिस दोनों के लिए मुझे लगता है कि यह सीजन में फिट रहने और फिर उम्मीद है कि वे ज़्यादा से ज़्यादा क्रिकेट खेल पाएंगे। इनमें से कुछ घरेलू मैच होंगे, उम्मीद है कि कुछ अंतरराष्ट्रीय अवसर और ऑस्ट्रेलिया ए के अवसर होंगे, फिर मुझे लगता है कि हम उन्हें लंबी अवधि में सफलता के लिए तैयार करेंगे। झाई भी अब फिट हैं और फिर से मैच के अवसरों की तलाश कर रहे हैं। मुझे लगता है कि उन्हें गर्मियों में फिर से मौके मिलेंगे। उनके और मॉरिस दोनों के लिए मुझे लगता है कि यह सीजन में फिट रहने और फिर उम्मीद है कि वे ज़्यादा से ज़्यादा क्रिकेट खेल पाएंगे।

गंभीर के मुख्य कोच बनने से भारतीय टीम और बेहतर होगी : स्टेन

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने कहा है कि गौतम गंभीर का मुख्य कोच बननाभारतीय क्रिकेट टीम के लिए फायदेमंद रहेगा। स्टेन के अनुसार गंभीर के आक्रामक रवैये से खिलाड़ी भी बेहतर प्रदर्शन को प्रेरित होंगे। स्टेन ने कहा, मैं गंभीर का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। मुझे उनकी आक्रामकता बहुत पसंद है। वह उन कुछ भारतीयों में से एक हैं जिनके खिलाफ मैंने खेला है और जो आगे बढ़कर जवाबी हमला करते हैं, और मुझे यही रवैया पसंद है। मुझे लगता है कि वह विराट कोहली सहित अन्य वरिष्ठ खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम में इसी रवैये को लेकर जाएंगे। उन्होंने कहा, भारत के अलावा विश्व क्रिकेट में हमें ऐसे खिलाड़ियों की जरूरत है जो ज़्यादा आक्रामक हों और विरोधी टीम के लिए खेल को थोड़ा ज़्यादा कठिनल बनाये। हम सभी लीग में एक-दूसरे के खिलाफ खेलते हैं, और हम काफी मिलनसार और दोस्त बन जाते हैं। मुझे यह पसंद है कि वह मैदान पर तो बहुत आक्रामक हैं पर मैदान के बाहर बेहद अच्छे व्यक्ति हैं। वह एक समझदार, बहुत ही चतुर क्रिकेटर हैं और उनके पास बहुत ही अच्छा क्रिकेट दिमाग है। इसलिए मुझे लगता है कि इस रवैये से वह कोच के तौर पर और भी सफल होंगे। स्टेन के अलावा पूर्व क्रिकेटर जैक कालिस भी गंभीर की आक्रामक प्रकृति से प्रभावित हैं। कैलिस ने कहा, गंभीर को कोचिंग के क्षेत्र में आते देखना बहुत अच्छा है। उनके पास क्रिकेट के बारे में बहुत अच्छी समझ है। वह कुछ जोश भरेंगे और आक्रामक तरीके से खेलना पसंद करते हैं। मुझे लगता है कि वह खेल में कुछ नयापन लाएंगे और खिलाड़ी उनसे बहुत कुछ सीखेंगे। उनके पास जोड़ने के लिए बहुत कुछ है और वह भारतीय टीम में अहम योगदान देंगे। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं, हमारे खिलाफ ज्यादा नहीं, लेकिन मुझे भरोसा है कि वह शानदार प्रदर्शन करेंगे।

पेरिस ओलंपिक में पदक के दावेदार हैं अमित पंघाल

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाज मुक्केबाज अमित पंघाल आजकल पेरिस ओलंपिक के लिए अभ्यास में जुटे हुए हैं , उनसे पदक की उम्मीदें देश को रहेंगी। पंघाल का लक्ष्य अब पेरिस ओलंपिक में पदक जीतना रहेगा। पेरिस ओलंपिक के लिए टिकट मिलने के बाद से ही वह बेहद उत्साहित हैं। पंघाल ने एशियाई खेलों और एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक और विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता है जिससे भी उनका मनोबल बढ़ा हुआ है। पेरिस ओलंपिक के प्री-क्वार्टर फाइनल से बाहर होने के बाद से ही वह निराश थे, इसे बाद बड़ी मुश्किल से उन्हें जगह मिली। पंघाल को तब अवसर मिला जब दीपक भोरिया दो प्रयासों के बाद भी 51 किग्रा में ओलंपिक कोटा हासिल नहीं कर पाये।

सात्विक-चिराग की जोड़ी को मिला आसान ड्रॉ, इस वरीयता के साथ पदक पर दांव लगाने उतरेंगे

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक के लिए बैडमिंटन के ड्रॉ कुछ दिन पहले निकले थे, लेकिन उसमें पुरुष डबल्स के ड्रॉ की घोषणा नहीं हुई थी। अब 26 जुलाई से शुरू हो रहे इन खेलों के लिए डबल्स वर्ग के ड्रॉ की घोषणा भी हो गई है और सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी तथा चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय पुरुष डबल्स जोड़ी को अनुकूल ड्रॉ मिला है। थॉमस कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे सात्विक और चिराग की जोड़ी को तीसरी वरीयता मिली है।

सुनवाई के कारण पुरुष डबल्स के ड्रॉ हुए थे स्थगित

ड्रॉ में जोड़ियों की संख्या को लेकर खेल पंचाट (कैस) की सुनवाई के कारण पुरुष डबल्स ड्रॉ स्थगित कर दिया गया था। खेल की वैश्विक संचालन संस्था को ड्रॉ स्थगित करना पड़ा क्योंकि कैस ने बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) को आदेश दिया कि कोर्वी और लेबर की जोड़ी को ओलंपिक खेलों में शामिल करने को लेकर अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति को सिफारिश की जाए। फ्रांस की जोड़ी के शामिल होने से पुरुष ड्रॉ में शुरुआती 16 की जगह अब 17 जोड़ियां होंगी।

सात्विक-चिराग की जोड़ी ग्रुप-सी में

स्वर्ण पदक की प्रबल दावेदार सात्विक और चिराग की दुनिया की पूर्व नंबर एक जोड़ी को ग्रुप सी में रखा गया है जहां फजर अल्फियां और मोहम्मद रियान एरदियांतो की इंडोनेशिया की छठे नंबर की जोड़ी उनकी सबसे कड़ी प्रतिद्वंद्वी होगी। राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता सात्विक और चिराग की जोड़ी को ग्रुप चरण में मार्क लैम्सफस और मर्विन सीडल की जर्मनी की 31वें नंबर की जोड़ी और लुकास कोर्वी तथा रोनन लेबर की फ्रांस की दुनिया की 43वें नंबर की जोड़ी से भी भिड़ना है। ओलंपिक में बैडमिंटन स्पर्धाएं 27 जुलाई से शुरू होंगी।

सिंधू-प्रणय को मिला था आसान ग्रुप

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और एचएस प्रणय को आसान ग्रुप में जगह मिली थी। रियो खेलों में रजत पदक और उसके बाद टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली सिंधू को 10वीं वरीयता दी गई थी। वहीं, विश्व रैंकिंग में 19वें स्थान पर काबिज तनिषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की भारतीय जोड़ी को महिला डबल्स में मुश्किल ग्रुप सी में जगह मिली थी।

नेशनल डायरेक्ट वॉलीबॉल चैम्पियनशिप में म.प्र. की महिला टीम बनी विजेता

भोपाल। तृतीय राष्ट्रीय डायरेक्ट वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस प्रतियोगिता का आयोजन मध्यप्रदेश डायरेक्ट वॉलीबॉल एसोसिएशन द्वारा भोपाल के बोनी फोई स्कूल के इंडोर ग्राउंड में किया गया। विभिन्न प्रदेशों से आए लगभग 300 महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों ने अपने शानदार खेल से प्रदेश वासियों का दिल जीत लिया। महिला वर्ग में फाइनल के रोमांचक मुकाबले में मध्यप्रदेश की टीम ने पिछली बार की चैम्पियन दिल्ली को हराकर ख़िताब अपने नाम किया। एवं इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की विजेता बनकर अपने प्रदेश का गौरव बढ़ाया विजेता मध्यप्रदेश टीम को ट्रॉफी के साथ नक़द पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। मध्यप्रदेश टीम की स्टार खिलाड़ी कोयना दीक्षित को हीरो ऑफ द टूर्नामेंट एवं रोनक़ हाशमी को बेस्ट नेटर के अवार्ड से सम्मानित किया गया। विजेता टीम को एसोसिएशन इण्डिया के चेयरमैन अफ़रोज़ शाह ख़ान, संरक्षक सुबोध श्रीवास्तव, प्रदेश उपाध्यक्ष राधेश्याम भार्गव, महासचिव रोहित सिंह, ज्वाइंट सेक्रेट्री फरहान उद्दीन, महिला टीम की मुख्य कोच हेमलता छतवानी ने हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई दी है। साथ ही सहयोगियों, साथियों, प्रायोजकों एवं समस्त खिलाड़ियों को इस सफल आयोजन में सहयोग करने के लिए आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया है।

पाकिस्तान के युवा लड़के ने जसप्रीत बुमराह के गेंदबाजी एक्शन की हूबहू नकल की, महान वसीम अकरम बोले- वाह! दिन बन गया

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम एक युवा लड़के का वीडियो देखकर बहुत प्रभावित हुए। बता दें कि पाकिस्तान के एक युवा लड़के के वीडियो ने सोशल मीडिया पर सनसनी मचा दी है। वीडियो में नजर आ रहा है कि पाकिस्तान के युवा लड़के ने भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के गेंदबाजी एक्शन की हूबहू नकल की। इस वीडियो में युवा लड़के ने सटीक लाइन लेंथ बरकरार रखते हुए चार गेंदें डाली, जिस पर बल्लेबाज परेशान नजर आया। इस वीडियो को सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है। स्विंग के सुल्तान के नाम से लोकप्रिय वसीम अकरम ने युवा गेंदबाज के वीडियो पर जोरदार रिएक्शन दिया है। अकरम ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर इस वीडियो को रीट्वीट करते हुए कैप्शन लिखा, वाह जीत वाह, देखें उस एक्शन और गेंद पर नियंत्रण को, जो एकदम महान जसप्रीत बुमराह की तरह है। बुमराह का धमाका बता दें कि जसप्रीत बुमराह ने हाल ही में संपन्न टी20 वर्ल्ड कप 2024 में शानदार प्रदर्शन करके भारत को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। बुमराह ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 में 8 मैचों में 15 विकेट चटकाए थे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल मुकाबले में जसप्रीत बुमराह ने अपने ओवर के बाद मैच का रुख बदल दिया था। उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप 2024 फाइनल में 4 ओवर में 18 रन देकर दो विकेट चटकाए थे। वसीम को बुमराह हैं पसंद पता हो कि वसीम अकरम को जसप्रीत बुमराह बेहद पसंद हैं, जो पहले भी भारतीय पेसर की तारीफ कर चुके हैं। अकरम ने 2023 वनडे वर्ल्ड कप के दौरान जसप्रीत बुमराह को संपूर्ण गेंदबाज करार देते हुए कहा कि वो किसी भी स्थिति में मैच का रुख बदल सकते हैं। अकरम ने कहा था, जसप्रीत बुमराह इस समय दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है। सीढ़ी में सबसे ऊपर। नियंत्रण, गति, मिश्रण, वो एक संपूर्ण गेंदबाज हैं। उन्हें देखकर मजा आता है। नई गेंदबाज के साथ इस तरह की पिच पर गति, उछाला, रन-अप, वो निश्चित ही एक संपूर्ण गेंदबाज हैं।

मसूद को तीनों प्रारुपों में कप्तान बनायें : सलमान बट

लाहौर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर सलमान बट ने कहा है कि शान मसूद को टेस्ट के साथ ही सीमित ओवरों के मैचों की कप्तानी भी दे देनी चाहिये। अभी बाबर आजम एकदिवसीय और टी20 टीम के कप्तान हैं। बट ने कहा है कि जिस प्रकार से टीम का प्रदर्शन एकदिवसीय विश्वकप में खराब रहा है। उसके बाद टीम की कप्तानी में बदलाव जरुरी है। बट ने कप्तानी के लिए शाहीन शाह अफरीदी, विकेटकीपर-बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और पूर्व टी20 उप-कप्तान शादाब खान का नाम नहीं लेते हुए मसूद को ही बेहतर विकल्प बताया है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि वर्तमान टीम को आगे ले जोन में पूरी तरह से असफल रहा है। बट ने कहा, कुछ ऐसा है जिसके कारण कौशल होने के बाद भी खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। कोई ऐसा है जिसके पास योजना बनाने की कोई रणनीति नहीं है। इसलिए मेरा मानना है कि मसूद को कप्तान बनाया जाना चाहिये। मसूद को बाबर आजम के 2023 एकदिवसीय विश्व कप में टीम के जल्दी बाहर होने के बाद टेस्ट का कप्तान बनाया गया था।

शान काउंटी चैंपियनशिप में यॉर्कशायर और पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में कराची किंग्स के कप्तान भी हैं। बाबर ने एकदिवसीय विश्व कप में खराब प्रदर्शन के बाद सभी प्रारूपों में पाकिस्तान की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद शाहीन अफरीदी ने कुछ समय के लिए टी20आई टीम की कप्तानी की पर न्यूजीलैंड में सीरीज हारने के बाद उन्हें हटा दिया गया। मोहसिन नकवी ने पीसीबी अध्यक्ष बनने के बाद बाबर को फिर से सीमित ओवरों के प्रारुप में कप्तान बनाया था पर टी20 विश्वकप में टीम के खराब पदर्शन के बाद उनकी कप्तानी पर सवाल उठने लगे हैं। ऐसे में बाबर को कप्तानी से हटाने की मांग हो रही है।

विंबलडन चैंपियन क्रेजिकोवा की टॉप-10 में वापसी, अलकराज तीसरे स्थान पर जमे हुए हैं

लंदन, 16 जुलाई (एजेंसियां)। विंबलडन चैंपियन बारबोरा क्रेजिकोवा जारी डब्ल्यूटीए रैंकिंग में फिर से टॉप-10 में शामिल हो गई हैं जबकि महिला सिंगल्स की उपविजेता जैस्मीन पाओलिनी अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पांचवीं रैंकिंग पर पहुंच गईं। क्रेजिकोवा ने फाइनल में पाओलिनी को 6-2, 2-6, 6-4 से पराजित करके अपना दूसरा ग्रैंडस्लैम खिताब जीता था।

इस जीत से चेक गणराज्य की 28 वर्षीय खिलाड़ी 22 पायदान की छलांग लगाकर 10वें स्थान पर पहुंच गईं। क्रेजिकोवा इससे पहले इस साल 8 जनवरी को 10वें स्थान पर पहुंची थी। सिंगल्स में उनकी सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग दो जबकि डबल्स में एक रही है। पाओलिनी इससे पहले सातवें नंबर पर थी और इस तरह से वह दो पायदान आगे बढ़ने में सफल रही।

जानिक सिनर की बादशाहत कायम

पुरुषों के वर्ग में कार्लोस अलकराज लगातार दूसरी बार विंबलडन चैंपियन बनने के बावजूद पहले की तरह तीसरे नंबर पर बने हुए हैं। जानिक सिनर इस प्रतियोगिता में क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाए थे, लेकिन इसके बावजूद वह विश्व के नंबर एक खिलाड़ी बने हुए हैं। अलकराज ने फाइनल में नोवाक जोकोविक को 6-2, 6-2, 7-6 (4) से हराया था।

जोकोविक पहले की तरह दूसरे नंबर पर काबिज हैं। महिला वर्ग में इगा स्वियातेक पहले की तरह शीर्ष पर बनी हुई हैं। विंबलडन में वह तीसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाई थी। उनके बाद कोको गफ, अरीना सबालेंका और एलेना रिबाकिना का नंबर आता है।

भारत को टेबल टेनिस में पहला पदक जीतने की उम्मीद, इन खिलाड़ियों पर रहेगा दारोमदार

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

पेरिस ओलंपिक की शुरुआत में अब ज्यादा दिन शेष नहीं रह गए हैं। भारतीय दल से इस बार काफी उम्मीदें है और टेबल टेनिस खिलाड़ी भी पदक के लिए पूरा दम लगाने को लेकर पूरी तरह तैयार हैं। 1988 ओलंपिक में भारत पहली बार टेबल टेनिस में खेलने उतरा था, लेकिन अब तक टीम को इन खेलों में कभी सफलता नहीं मिली है। देश को उम्मीद है कि इस बार टेबल टेनिस में भी भारत पदक का खाता खोलेगा।

पहली बार पुरुष और महिला भारतीय टीम एक साथ करेगी शिरकत

ओलंपिक में पहली बार ऐसा होने जा रहा है जब पुरुष और महिला भारतीय टीम एक साथ पेरिस ओलंपिक में शिरकत करेंगी। टेबल टेनिस में भारतीय चुनौती की जिम्मेदारी पांचवां ओलंपिक खेलने जा रहे अचंत शरत कमल और मनिका बत्रा के कंधों पर रहेगी। वहीं, विश्व कप 25 श्रीजा अकुला भी कमाल कर सकती हैं। भारत ने इस खेल में कभी पदक नहीं जीता है, लेकिन पेरिस में हिस्सा ले रही टीम अपने दिन किसी भी टीम को हराने में सक्षम है।

श्रीजा अकुला ने बीते महीने ही डब्ल्यूटीटी कटेंडर का खिताब जीता था। सऊदी स्मैश के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली मनिका की विश्व रैंकिंग 28 है। अर्चना कामथ 123वें नंबर पर है, जबकि शरत कमल 40वें, मानव ठक्कर 56वें और हरमीत देसाई 86वें नंबर पर हैं।

जर्मनी में तैयारी कर रही है टीम

भारतीय टीम इस वक्त जर्मनी के सारब्रुकेन में तैयारी कर रही है। टीम के साथ इटली के कोच मासीमो कांस्टेंटीनी हैं, लेकिन मनिका बत्रा और शरत समेत ज्यादातर खिलाड़ियों ने अपने निजी प्रशिक्षकों को वरीयता दी है।

टेबल टेनिस दल में सबसे ज्यादा सहयोगी स्टाफ

पेरिस ओलंपिक की तैयारियों में जुटी भारतीय टेबल टेनिस टीम में खिलाड़ियों से ज्यादा संख्या सहयोगी स्टाफ की है। ओलंपिक से पहले तीसरी बार भारत के मुख्य कोच के तौर पर लौटे इटली के मास्सिमो कोंस्टेंटिनी के साथ राष्ट्रीय कोच के तौर पर पूर्व खिलाड़ी सौरव चक्रवर्ती हैं। इसके अलावा सरकार ने टीम के साथ जाने के लिए चार निजी कोचों को मंजूरी दी है क्योंकि महिला टीम की तीनों सदस्य निजी कोच ले जाना चाहती हैं। नौ सदस्यीय सहयोगी स्टाफ में दो मालिशिये और एक फिजियो भी हैं जबकि छह खिलाड़ी (तीन महिला और तीन पुरूष) टीम में हैं। स्टार खिलाड़ी मनिका बत्रा, श्रीजा अकुला और अर्चना कामथ अपने निजी कोच लेकर जाएंगी। तीन सदस्यीय पुरुष टीम में भारत के ध्वजवाहक अचंता शरत कमल के साथ उनके कोच क्रिस पेइफेर होंगे। हरमीत देसाई ओर मानव ठक्कर भी टीम में हैं।

टोक्यो में विवादों में घिरी थी भारतीय टीम

टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारतीय टेबल टेनिस टीम विवाद में घिर गई थी जब मनिका ने राष्ट्रीय कोच सौम्यदीप राय से मदद लेने से इन्कार कर दिया और बाद में उन पर मैच फिक्सिंग का आरोप भी लगाया था। पेरिस ओलंपिक से पहले सभी निजी कोच पिछले सप्ताह टीम के साथ जर्मनी रवाना हो गए थे। टीम 21 जुलाई को पेरिस के लिए रवाना होगी।

पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय टेबल टेनिस टीम इस प्रकार है

- **पुरुष:** शरत कमल, हरमीत देसाई और मानव ठक्कर
- **महिला:** मनिका बत्रा, श्रीजा अकुला, अर्चना कामथ
- **रिजर्व:** जी साथियान, अहिका मुखर्जी ।

ऑनर कंपनी ने लांच किए दो टैबलेट, दोनों में मिलती है 10,050 एमएएच की धाकड़ बैटरी

नई दिल्ली,16 जुलाई (एजेंसियां) । जानी-मानी कंपनी ऑनर ने मैजिकपैड 2 को लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने टैबलेट ऑनर पैड 9 प्रो की भी पेशकश की है। दोनों टैबलेट मैजिक ओएस 8 पर काम करते हैं, जो एंड्रॉयड 14 पर बेस्ड है और 13 मेगापिक्सल के प्राइमरी कैमरे से लैस हैं।

लेटेस्ट मैजिकपैड 2 में स्नैपड्रैगन 8 एस जेन 3 चिपसेट मिलता है और इसमें ओलेड डिस्प्ले भी है, जबकि ऑनर पैड 9 प्रो मीडियाटेक डाइमेंशन 8100 एसओसी पर काम करता है और ये एक एलसीडी स्क्रीन स्पोर्ट के साथ आता है। ऑनर मैजिकपैड 2 और पैड 9 प्रो दोनों एंड्रॉयड 14 पर बेस्ड मैजिक ओएस 8 पर काम करते हैं। मैजिकपैड 2 में 12.3 इंच 1,920गुणा3,000-पिक्सेल ओलेड डिस्प्ले दिया गया है, जबकि पैड 9 प्रो में 12.1-इंच 1,600गुणा2,560-पिक्सेल टीएफटी एलसीडी है।

इनकी स्क्रीन की 144एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ आती हैं ।कंपनी ने मैजिकपैड 2 को स्नैपड्रैगन 8एस जेन 3 चिपसेट के साथ 16जीबी तक रैम और 1टीबी तक स्टोरेज से लैस किया है, जबकि हॉनर पेड 9 प्रो डाइमेंशन 8100 एसओसी के साथ 12जीबी तक रैम और 256जीबी तक स्टोरेज से लैस है। कैमरे के तौर पर इन दोनों टैब में ऑटोफोकस और एफ/2.0 अपर्चर के साथ 13-मेगापिक्सल का प्राइमेरी रियर कैमरा दिया गया है।

ऑनर का कहना है कि दोनों टैब वायफाय 6 कनेक्टिविटी को सपोर्ट करते हैं। मैजिकपैड 2 ब्लूटूथ 5.3 और पैड 9 प्रो ब्लूटूथ 5.2 डिवाइस को सपोर्ट करते हैं। मैजिकपैड 2 को 35 वॉट (मैजिकपैड 2) और पैड 9 प्रो को 66 वॉट चार्जिंग स्पीड समर्थन के साथ 10,050 एमएएच की बैटरी दी जाती हैं। ऑनर मैजिकपैड का साइज़ 274.5गुणा180.5गुणा5.8एमएम और वजन 555 ग्राम है, जबकि पैड 9 प्रो का साइज़ 277गुणा178.95गुणा6.64एमएम और वजन 589 ग्राम है। मैजिकपैड 2 में 9-मेगापिक्सल का सेकेंडरी कैमरा है, जबकि पैड 9 प्रो में 5-मेगापिक्सल का फ्रंट-फेसिंग कैमरा है। इन दोनों में एक फिक्स्ड-फोकस लेंस है, और एफ/2.2 अपर्चर है।

न्यूज ब्रीफ

देश में अप्रैल-जून तिमाही में बिकीं 61.9 लाख से ज्यादा गाड़ियां, 09 प्रतिशत तेजी देखने को मिली

नई दिल्ली । देश में वाहनों की खुदरा बिक्री चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में सालाना आधार पर 9 फीसदी बढ़कर 61,91,225 इकाई पहुंच गई। ट्रैक्टर को छोड़कर सभी श्रेणी के वाहनों की बिक्री में वृद्धि दर्ज की गई है। 2023-24 की समान तिमाही में कुल 56,59,060 गाड़ियां बिकी थीं। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल-जून तिमाही में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री भी 2.53 फीसदी बढ़कर 9,20,047 इकाई पहुंच गई। एक साल पहले की समान तिमाही में कुल 8,97,361 यात्री वाहन बिके थे। दोपहिया वाहनों में 12.56 फीसदी उछाल दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री अप्रैल-जून में 12.56 फीसदी बढ़कर 45,54,255 इकाई पहुंच गई। इस अवधि में कुल 2,72,691 तिपहिया वाहन बिके, जो सालाना आधार पर 11.36 फीसदी ज्यादा है। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री मामूली बढ़कर 2,46,513 इकाई पहुंच गई। शोरूम आने वालों में 18 प्रतिशत गिरावट फाडा के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया ने कहा, अत्यधिक गर्मी के कारण मई में शोरूम में आने वाले लोगों की संख्या में 18 फीसदी की कमी आई। मजबूत बुकिंग व ग्राहक संख्या में वृद्धि के बावजूद उच्च प्रतिस्पर्धा, अतिरिक्त आपूर्ति और छूट ने यात्री वाहन श्रेणी के लिए लगातार चुनौतियां पेश कीं। चुनाव, अत्यधिक गर्मी और बाजार में नकदी के मुद्दों से भी बिक्री पर प्रतिकूल असर पड़ा। ट्रैक्टर बिक्री में 12 फीसदी की कमी आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल-जून अवधि में ट्रैक्टर की बिक्री 12.44 फीसदी घटकर 1,97,719 इकाईरह गई ।एक साल पहले की समान अवधि में 2,25,818 ट्रैक्टर बिके थे।

कर्ज न चुकाने वालों को डिफॉल्टर घोषित करने से पहले दें पर्याप्त समय, बैंकों के लिए अहम दिशानिर्देश जारी

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंक और कर्ज देने वाले संस्थानों से कहा है कि कर्ज लेकर नहीं चुकाने वालों के खातों को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत करने से पहले पर्याप्त समय दें। ऐसे खाताधारकों का पहले जवाब सुनें। साथ ही ग्राहकों को धोखाधड़ी की पूरी जानकारी के साथ कारण बताओ नोटिस भी जारी करना होगा। आरबीआई ने जारी सर्कुलर में कहा, डिफॉल्टर व्यक्तियों या संस्थाओं को कारण बताओ नोटिस का जवाब देने के लिए कम से कम 21 दिन का समय देना चाहिए। केंद्रीय बैंक के मौजूदा नियमों के संशोधन में पिछले साल मार्च में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को शामिल किया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि डिफॉल्टर को सुनवाई का अधिकार दिए बिना बैंक किसी खाते को एकतरफा धोखाधड़ी घोषित नहीं कर सकते हैं। कोर्ट ने कहा था, प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों की मांग है कि उधारकर्ताओं को फोरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट के निष्कर्ष को समझाने का अवसर देते हुए एक नोटिस देना चाहिए। उनके खाते को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत करने से पहले बैंकों या वित्तीय संस्थानों के सामने खुद का प्रतिनिधित्व करने की मंजूरी दी जानी चाहिए।

एपल की भारत में रिकॉर्ड बिक्री: आठ अरब स्ध के आईफोन व अन्य उत्पाद बिके; नोएडा-पुणे-बंगलूरू में स्टोर की योजना

नई दिल्ली। चीन में चुनौतियों का सामना कर रही दिग्गज टेक कंपनी एपल की भारत में कुल बिक्री 2023-24 में 33 फीसदी बढ़कर 8 अरब डॉलर (67,000 करोड़ रुपये) की नईऊंचाईपर पहुंच गई।इस बिक्री में आधा से अधिक योगदान आईफोन का रहा।2022-23 में एपल ने भारत में कुल 6 अरब डॉलर के उत्पाद बेचे थे। उधर, मॉर्गन स्टेनली के 2023 के सर्वे के अनुसार, जर्मनी, फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों को पीछे छोड़ते हुए 92 लाख शिपमेंट के साथ भारत आईफोन निर्यात में पांचवें सबसे बड़े बाजार के रूप में उभरा है। एपल के सीईओ टिम कुक ने हाल ही में कहा था, भारत में आईफोन की बिक्री की वृद्धि दर 10 फीसदी से ज्यादा रही है। नोएडा पुणे व बंगलूरू में खुलेंगे खुदरा स्टोर एपल के भारत में फिलहाल दिल्ली और मुंबई में खुदरा स्टोर हैं। अब यह नोएडा, पुणे और बंगलूरू में भी स्टोर खोलने की योजना बना रही है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अडाणी तो बहाना ...

इसके अनुसार, रिपोर्ट जारी करने से दो माह पहले हिंडनबर्ग ने किंग्डन को इसकी जानकारी दी थी। यह एक सुनियोजित षड्यंत्र था। सेबी के अनुसार, हिंडनबर्ग अपना हिस्सा 30 से घटाकर 25 प्रतिशत करने को भी तैयार हो गई थी, क्योंकि इस सौदे के लिए महंगे विदेशी ढांचे स्थापित करने की जरूरत थी। हिंडनबर्ग के क्लाइंट किंग्डन कैपिटल और केआईओएफ मार्क किंग्डन के माध्यम से जुड़े हुए हैं, जिसकी किंग्डन कैपिटल में 99 प्रतिशत हिस्सेदारी है। यह संबंध हिंडनबर्ग के उस दावे को कमजोर करता है कि भारत में अडाणी समूह के शेयरों में कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष जोखिम नहीं है।

भारत के साथ चीन सीधे सैन्य युद्ध तो नहीं कर रहा है, पर उसने भारत के विरुद्ध व्यापक स्तर पर प्रोपेगेंडा वार छेड़ रखा है। झूठ फैलाने के लिए वह एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का सहारा ले रहा है। वह भारत को बदनाम करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहा। उसने भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों के बारे में भी झूठ फैलाने की कोशिश की, पर उसे मुंह की खानी पड़ी। उसने भारत की जी-20 की अध्यक्षता से लेकर मणिपुर हिंसा और खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर भारत और कनाडा के बीच तनाव बढ़ाने के लिए भी झूठ फैलाया। चीन की प्रोपेगेंडा फैक्टरी हर तरह की फर्जी खबरें गढ़ रही है, जिससे भारत को नुकसान पहुंचाया जा सके।

उसने बौद्ध धर्म और दलाई लामा के विरुद्ध भी फर्जी खबरों का अभियान चलाया।

भारतीय खुफिया और सुरक्षा अधिकारियों की मानें तो चीन ने वैश्विक मंच पर भारत को बदनाम करने के लिए एक समन्वित प्रचार अभियान के तहत इंटरनेट पर हर तरह की फर्जी खबरों और विचारों की बाढ़ ला दी है। सूचना युद्ध चीन की वाणिज्यिक और सैन्य रणनीति का प्रमुख हिस्सा रहा है। भारत की अध्यक्षता में जी-20 को विफल बनाने के लिए उसके यह झूठ फैलाया कि यूक्रेन के हालात का उल्लेख करने के लिए भारत युद्ध शब्द का प्रयोग नहीं करना चाहता था। सच यह है कि जी-20 विदेश मंत्रियों की बैठक से जुड़े दस्तावेज में कई बार इस शब्द का प्रयोग किया गया। इससे पूर्व उसने यह प्रोपेगेंडा फैलाया कि भारत इतना गरीब है कि जी-20 की मेजबानी भी नहीं कर सकता, आयोजन किया तो सफल नहीं होगा, बुरी तरह विफल होगा। जी-20 में मोदी कठिन चुनौतियों का सामना कर रहे हैं वगैरह-वगैरह।इसी तरह, उसने मणिपुर के बारे में 7 मई, 2023 को साउथ वेस्ट यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर चेंग शीझोंग के हवाले से कहा कि मणिपुर में संघर्ष वहां के पांथिक और जातीय अल्पसंख्यकों के खिलाफ मोदी की कार्रवाई का परिणाम था। मणिपुर पर भले ही चीन खुले तौर पर दावा न करे, लेकिन सोशल मीडिया सहित चीनी मीडिया में उसे लघु चीन बताया जाता है। भारतीय अधिकारियों का कहना है कि चीन की मंशा राज्य मशीनरी की कथित विफलता को उजागर कर मणिपुर में सांप्रदायिक हिंसा भड़काना है।इस षड्यंत्र में अमेरिकी पूंजीपति जॉर्ज सोरोस की भी भूमिका थी। उसने यह भविष्यवाणी की थी कि अडाणी समस्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को कमजोर कर देगी। 2023 में सोरोस ने अडाणी के खिलाफ स्टॉक हेरफेर के दावों का हवाला देते हुए मोदी और अडाणी को घनिष्ठ सहयोगी बताया था। सोरोस का यह बयान भारत की चुनी हुई सरकार और उसके आर्थिक तंत्र को तबाह करने की मंशा को दर्शाता है। सोरोस ने इसी तरह 16 सितंबर, 1992 में ब्रिटिश पाउंड पर मोटा दांव लगाकर बैंक आफ इंग्लैंड को तबाह कर दिया था। इस मुद्रा संकट के बाद सट्टेबाजों ने ब्रिटिश सरकार को यूरोपीय विनिमय दर तंत्र (ईआरएम) से हटने और अपनी मुद्रा पाउंड स्टर्लिंग निकालने के लिए मजबूर किया था। नतीजा, पाउंड का तेजी से अवमूल्यन हुआ, जिससे सोरोस और उसके क्वांटम फंड को लगभग एक अरब डॉलर का लाभ हुआ। ब्रिटेन में इस घटना को ब्लैक वेडनसडे के नाम से, जबकि सोरोस बैंक आफ इंग्लैंड को तोड़ने वाले व्यक्ति के तौर पर कुख्यात है।

अडाणी शेयरों की शॉर्ट सेल के लिए हिंडनबर्ग को एक ऑफशोर फंड पर निर्भर रहना पड़ा। शॉर्ट सेलिंग में शेयर उधार लेना, उन्हें मौजूदा कीमत पर बेचना, फिर कम कीमत पर उन्हें खरीदना और मुनाफा का अंतर अपने पास रखते हुए शेयर वापस करना शामिल है। इसके लिए ही हिंडनबर्ग ने अमेरिकी हेज फंड किंग्डन कैपिटल मैनेजमेंट के साथ साझेदारी की थी। भारतीय नियामकों के साथ विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) के तौर पर पंजीकरण की लंबी प्रक्रिया है, जिसमें एक महीना लग सकता है। इससे बचने के लिए किंग्डन ने शॉर्टकट रास्ता चुना। इसके लिए उसने महिंद्रा बैंक की सहायक कंपनी कोटक महिंद्रा इंटरनेशनल (केएमआईएल) का सहारा लिया, जो मॉरीशस स्थित केआईओएफ के फंड का प्रबंधन करती है। किंग्डन ने केआईओएफ के उप-फंड का अधिग्रहण किया। मतलब हिंडनबर्ग की रिपोर्ट जारी होने से पहले किंग्डन ने केआईओएफ के शेयर लिए। इससे केआईओएफ को अडाणी समूह के शेयरों को कम कीमत पर बेचने में मदद मिली, जिससे किंग्डन को 22 मिलियन डॉलर का लाभ हुआ। कोटक महिंद्रा बैंक ने किंग्डन फंड्स के लिए अडाणी के शेयरों की लेन-देन की बात स्वीकार की है, लेकिन यह भी कहा कि उसे हिंडनबर्ग और किंग्डन के संबंध की कोई जानकारी नहीं थी।

बहरहाल, हिंडनबर्ग-अडाणी प्रकरण में चीन की संलिप्तता भी सामने आई है। दावा किया जा रहा है कि चीनी जासूस अनला चेंग और उसके पति किंग्डन ने ही हिंडनबर्ग को अडाणी के खिलाफ रिपोर्ट तैयार करने के लिए काम पर लगाया था। किंग्डन ने केएमआईएल का इस्तेमाल अडाणी समूह के शेयरों की शॉर्ट सेलिंग के लिए एक ट्रेडिंग खाता खोलने, लाखों का मुनाफा कमाने और भारतीय खुदरा निवेशकों को आर्थिक रूप से बर्बाद करने के लिए किया था। अनला चेंग एक व्यवसायी है, जो जापान में पली-बढ़ी है। कहने को तो वह सुपचाइना की संस्थापक और सीईओ है, जो एक डिजिटल चीन समाचार, सोशल मीडिया और इवेंट प्लेटफॉर्म है। लेकिन वास्तविकता यह है कि वह अमेरिका में चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के हितों का प्रतिनिधित्व करती है। हिंडनबर्ग रिसर्च और अमेरिकी गुप्तचर एजेंसी सीआईए के बीच संबंध की अफवाह कहानी को और जटिल बना रही है। जानकारों का अनुमान है कि सीआईए ने अमेरिका के आर्थिक हितों के लिए खतरा मानी जाने वाली वित्तीय प्रणालियों को अस्थिर करने के बड़े षड्यंत्र के हिस्से के रूप में अडाणी समूह के खिलाफ हिंडनबर्ग को परोक्ष समर्थन दिया है।

दरअसल, 2014 के बाद से अडाणी समूह ने आश्चर्यजनक तरीके से अपनी वैश्विक उपस्थिति दर्ज की है, खासतौर से बंदरगाह क्षेत्र में। समूह दुनिया भर के कई प्रमुख बंदरगाहों में रुचि ले रहा है। विशेष रूप चाबहार बंदरगाह, हाइफा बंदरगाह और स्वेज नहर आर्थिक क्षेत्र में इसने भारी-भरकम निवेश किया है। अडाणी पोर्ट्स भारत का निजी क्षेत्र का सबसे बड़ा बंदरगाह ऑपरेटर है, जिसकी बाजार में 30 प्रतिशत की हिस्सेदारी है और अपनी वैश्विक उपस्थिति बढ़ाने के लिए वह वियतनाम में एक केंद्र बनाने की योजना बना रहा है। इन निवेशों के कारण वैश्विक बंदरगाह और कार्गो परिवहन कारोबार में अडाणी समूह एक प्रमुख भागीदार के रूप में उभरा है। कोलंबो स्थित सिव पोर्ट और संभावित रूप से आस्ट्रेलिया के बंदरगाह के कारण भी अडाणी का कद तेजी से बढ़ा है। यह विस्तार सिर्फ व्यापार नहीं, बल्कि उससे कहीं अधिक है। यह वैश्विक बंदरगाह व्यवसाय भारत को प्रतिस्पर्धी ही नहीं, बल्कि वैश्विक परिदृश्य में उसकी स्थिति को भी मजबूत बनाता है। आज अडाणी पोर्ट्स प्रमुख वैश्विक बंदरगाह निगमों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहा है, जो इस क्षेत्र में भारत के बढ़ते महत्व को दर्शाता है। इसमें महत्वपूर्ण है भारत मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी)। इसे चीन की बीआरआई के विकल्प के तौर पर विकसित किया जा रहा है। दरअसल, हाइफा पर चीन की निगाह थी, जिसे अडाणी समूह विकसित कर रहा है। इसके जरिए भारत ने वैश्विक समुद्री परिदृश्य में रणनीतिक दृष्टि से खुद को स्थापित करने की अपनी क्षमता साबित कर दी है। अडाणी की दिलचस्पी फ्रांस, ग्रीस, इटली और ओमान में तो है ही, इंडोनेशिया, फिलीपींस, बांग्लादेश, म्यांमार, केन्या और तंजानिया से भी उसकी बातचीत चल रही है।

वहीं, घरेलू स्तर पर देखें तो अडाणी समूह केरल के विझिंगम में एक ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल विकसित कर रहा है। परियोजना का दूसरा और तीसरा चरण 2028 में पूरा करने की योजना है। यह देश का सबसे बड़ा और दुनिया का छठा या सातवां बड़ा बंदरगाह होने के साथ दुनिया के सबसे हरित बंदरगाहों में से एक और देश का पहला अर्ध-स्वचालित कंटेनर टर्मिनल होगा। यह बंदरगाह कई लिहाज से महत्वपूर्ण है। इससे कोलंबो बंदरगाह जैसे विदेशी ट्रांसशिपमेंट हब पर भारत की निर्भरता कम होगी। कोलंबो बंदरगाह में चीनी कंपनियों की अहम भूमिका है। दूसरे, विझिंजम भारत का पहला ट्रांसशिप बंदरगाह है, जो 18 मीटर से अधिक गहरा है, जो बड़े जहाजों को किनारे तक लाने के लिए जरूरी है। इस पर 2015 में काम शुरू हुआ था। यह बंदरगाह रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यूरोप, फारस की खाड़ी और सुदूर पूर्व को जोड़ने वाला अंतरराष्ट्रीय शिपिंग मार्ग इससे मात्र 10 समुद्री मील की दूरी पर है। स्वेज नहर और मलक्का जलडमरूमध्य के बीच रणनीतिक रूप से स्थित यह बंदरगाह भारत को वैश्विक समुद्री व्यापार के मानचित्र पर लाएगा। यह हाइड्रोजन और अमोनिया जैसे स्वच्छ और हरित ईंधन की आपूर्ति करने वाला वैश्विक हब भी होगा। कोवलम समुद्र तट के पास स्थित इस बंदरगाह को 12 जुलाई 2024 को पहली मदर शिप मिली। केरल के गहरे पानी में जहाजों को पड़ाव सेवाएं देकर भारत, चीन के हांगकांग बंदरगाह के साथ प्रतिस्पर्धा करने का इरादा रखता है, जबकि निकोबार द्वीप समूह को दुबई या सिंगापुर के तर्ज पर विकसित करना चाहता है।

कांग्रेस और माकपा में विझिंजम परियोजना का श्रेय लेने की होड़ है। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन का कहना है कि इस बंदरगाह से राज्य में विकास की जो संभावनाएं पैदा होंगी, वे कल्पना से परे हैं। इस परियोजना का श्रेय कांग्रेस अपने दिवंगत नेता और पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी को दे रही है। उसका कहना है कि चांडी की पहल की बदौलत ही ठप परियोजना आगे बढ़ी। कांग्रेस और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के बीच संबंध जगजाहिर है। 2008 में कांग्रेस ने सीपीसी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे, जिसका उद्देश्य द्विपक्षीय आदान-प्रदान और सहयोग को बढ़ावा देना था। हिंडनबर्ग रिपोर्ट के मद्देनजर दोनों के संबंधों की पड़ताल के बाद कुछ लोगों का तो यह भी कहना है कि इस प्रकरण में कांग्रेस और चीन की भी भूमिका हो सकती है। कांग्रेस का कहना है कि अडाणी समूह में एलआईसी, एसबीआई और अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के भारी जोखिम को देखते हुए व्यापक जनहित में गहन जांच जरूरी है। साथ ही, उसने यह आरोप भी लगाया है कि मोदी सरकार ने अडाणी समूह में एलआईसी, एसबीआई और अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों जैसी रणनीतिक राज्य संस्थाओं द्वारा उदार निवेश करा कर भारत की वित्तीय प्रणाली को खतरे में डाल दिया है। इसलिए ऊपर से भले ही यह मामूली आरोप लगे, लेकिन इस षड्यंत्र के पीछे मंशा भारत के वित्तीय बाजारों को धराशायी करना एवं आर्थिक तंत्र को खतरे में डालकर विकास को पटरी से उतारना था।

डोडा मुठभेड़ ...

शहीद कैप्टन ब्रजेश कुमार थापा पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग के रहने वाले थे। नायक डी राजेश आंध्र प्रदेश के रहने वाले थे, सिपाही बिजेंद्र और सिपाही अजय दोनों ही राजस्थान में झुंझुनूं के रहने वाले थे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राज्य के एलजी मनोज सिन्हा, केंद्रीय मंत्री डॉ. जीतेंद्र सिंह और सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी की रुटीन श्रद्धांजलि के बरक्स प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने जम्मू कश्मीर पुलिस प्रमुख आरआर स्वैन को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त करने की मांग की है। महबूबा ने कहा, कोई जवाबदेही नहीं है। अब तक तो सभी के खिलाफ कार्रवाई हो जानी चाहिए थी। डीजीपी को बर्खास्त कर दिया जाना चाहिए था। पिछले 32 महीनों में करीब 50 सैनिकों ने अपनी जान गंवाई है।

उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में 24 घंटे पहले ही रविवार को सुरक्षा बलों ने तीन आतंकियों को मार गिराया था। मारे गए तीनों आतंकियों के पास से भारी मात्रा में हथियार बरामद हुए हैं। नियंत्रण रेखा के पास हुई मुठभेड़ में मारे गए आतंकवादी बड़े हमले की तैयारी में थे।

जम्मू-कश्मीर में हाल के दिनों में आतंकी हमलों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। 9 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शपथ ली थी, उसी दिन दहशतगर्दों ने रियासी में तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस पर हमला किया था। इससे बस खाई में गिरने से नौ लोगों की मौत हो गई थी। आतंकियों की ओर से 9 से 11 जून के बीच चार हमले किए गए हैं। इसके बाद जुलाई महीने की शुरुआत में 8 जुलाई को कठुआ के बदनोटा इलाके में सेना के गश्ती दल पर भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों के एक समूह ने घात लगाकर हमला किया था। हमले में पांच जवान बलिदान हो गए थे।

सैनिकों की...

स्वदेशीकरण के लिए रक्षा वस्तुएं प्रदान करते हैं। स्वदेशीकरण की जो नई सूची तैयार की गई है, उनकी एक समय सीमा के बाद भारतीय उद्योगों से खरीद की जाएंगी। इससे आयात के 1,048 करोड़ रुपए बचेंगे। साथ ही इससे अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी और रक्षा क्षेत्र में निवेश बढ़ेगा और आयात पर निर्भरता कम होगी। इसके अलावा इस कदम से अकादमिक और अनुसंधान संस्थानों की भागीदारी के चलते घरेलू रक्षा उद्योग की डिजाइन क्षमता भी बढ़ेगी।

जिन वस्तुओं की सूची जारी की गई है, उन्हें हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, भारत डायनामिक्स लिमिटेड, बीईएमएल लिमिटेड, इंडिया ऑप्टेल लिमिटेड, मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड, गोवा शिपयार्ड लिमिटेड, गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड, हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड जैसी कंपनियों द्वारा तैयार किया जाएगा। इससे पहले, सरकार के रक्षा उत्पादन विभाग द्वारा तैयार की गईं ये पांच सूचियां सैन्य मामलों के विभाग (डीएमए) द्वारा अधिसूचित 509 वस्तुओं की पांच सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियों के अतिरिक्त हैं। इन सूचियों में अत्यधिक जटिल प्रणालियां, सेंसर, हथियार और गोला-बारूद शामिल हैं। जून 2024 तक, डीपीएसयू और एसएचक्यू द्वारा स्वदेशीकरण के लिए रक्षा उद्योग को 36,000 से अधिक रक्षा वस्तुओं की पेशकश की गई थी। उनमें से, पिछले तीन वर्षों में 12,300 से अधिक वस्तुओं का स्वदेशीकरण किया गया है। इसके चलते घरेलू रक्षा कंपनियों को 7,572 करोड़ रुपए के ऑर्डर मिले हैं।

के कविता की...

ईडी ने आरोप लगाया था कि दिल्ली में शराब लाइसेंस के एक बड़े हिस्से के बदले में शराब सिंडिकेट के साऊथ ग्रुप ने राष्ट्रीय राजधानी में आम आदमी पार्टी को 100 करोड़ की रिश्वत दी थी। ईडी ने बीआरएस नेता के कविता को शराब सिंडिकेट के इसी साउथ-ग्रुप का प्रमुख सदस्य बताया है। इसके अलावा उस समूह में मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी, उनके बेटे मगुंटा राघव रेड्डी, अरुण रामचंद्र पिल्लई, बुचीबाबू गोरांटला, अभिषेक बोइनपल्ली और पी सरथ चंद्र रेड्डी भी शामिल हैं।

ईडी ने दावा किया है कि कविता ने अन्य लोगों के साथ मिलकर दिल्ली शराब घोटाला में लाभ पाने के लिए अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के साथ मिलकर साजिश रची। इन अहसानों के बदले के कविता ने आम आदमी पार्टी (आपा) को 100 करोड़ रुपए भी दिए। ईडी ने कहा कि के कविता और उनके सहयोगियों ने आपा को पहले ही भुगतान कर दिया। ईडी ने पिछले दिनों पीएमएलए अदालत को बताया था कि के कविता दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति घोटाले की मुख्य साजिशकर्ता और लाभार्थियों में से एक थीं।

संसद के बजट ...

तृणमूल कांग्रेस संसदीय दल के नेता डेरेक ओब्रायन ने रिजिजू को पत्र लिखकर बताया कि उनकी पार्टी इस बैठक में शामिल नहीं हो पाएगी। उन्होंने कहा कि 30 वर्षों से 21 जुलाई को बंगाल में हमारे 13 साथियों के सम्मान में शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो 1993 में पुलिस की गोलीबारी में गैरकानूनी रूप से मारे गए थे।

18वीं लोकसभा के गठन के बाद पहले संसद सत्र में विपक्षी गठबंधन ने नीट विवाद, मणिपुर की स्थिति और महंगाई जैसे मुद्दों को उठाया था। नारेबाजी और भारी हंगामे के कारण दोनों सदनों की कार्यवाही बाधित हुई थी। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जवाब के दौरान भी दोनों सदनों में विरोध प्रदर्शन भी हुए थे। विपक्ष ने इस दौरान भी जमकर हंगामा किया था। लोकसभा में प्रधानमंत्री के जवाब के दौरान विपक्षी सांसदों ने मणिपुर पर बयान देने की मांग की थी, जबकि राज्यसभा में विपक्ष ने बहिर्गमन किया था।

फिर खोला जाएगा...

न्यायमूर्ति रथ ने कहा कि चूंकि सभी बक्सों को स्थानांतरित करना संभव नहीं है, इसलिए इन बक्सों में रखे कीमती सामान और आभूषणों को मंदिर परिसर में स्थापित अस्थायी कोषागार में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। इसके लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने के साथ ही आवश्यक सुरक्षा उपाय किए गए हैं।

दरअसल, ओड़ीशा के पुरी में स्थित 12वीं सदी के जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार 46 साल बाद रविवार दोपहर को फिर से खोला गया। आभूषणों, कीमती वस्तुओं की सूची बनाने और भंडार गृह की मरम्मत करने के लिए रत्न भंडार को खोला गया था। इससे पहले 1978 में इसे खोला गया था। ओड़ीशा में हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में रत्न भंडार को फिर से खोलना एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा था। भाजपा ने तत्कालीन सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) पर इसकी खोई हुई चाबियों को लेकर निशाना साधा था। पार्टी ने लोगों से वादा किया था कि अगर वह चुनाव जीतती है तो रत्न भंडार को फिर से खोलने का प्रयास करेगी।

मंदिर में प्रवेश करने से पहले पाधी ने कहा था कि रत्न भंडार फिर से खोल दिया गया है, लेकिन मूल्यवान वस्तुओं की सूची तत्काल नहीं बनाई जाएगी। रत्न भंडार के आंतरिक और बाहरी कक्षों में रखे गए आभूषण और अन्य मूल्यवान वस्तुओं को लकड़ी के संदूकों में बंद कर अस्थायी सुरक्षित कमरे में रखा जाएगा।

सूची तैयार करने का काम मूल्यांकनकर्ताओं, सुनारों और अन्य विशेषज्ञों को नियुक्त किए जाने पर सरकार की मंजूरी मिलने के बाद किया जाएगा। हमारी पहली प्राथमिकता रत्न भंडार की मरम्मत करना है। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद कीमती सामान वापस लाया जाएगा और फिर सूची तैयार की जाएगी।

देश संविधान से...

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड को कभी भी औरतों को अधिकार देना पसंद ही नहीं आता। मेरा हक फाउंडेशन की अध्यक्ष फरहत नकवी ने कहा कि जब भी महिलाओं के हक-हकूक की बात आती है, मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड आड़े आ जाता है। इन लोगों को यह समझना चाहिए कि देश संविधान से चलता है, मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की राय से देश नहीं चलता।

सबका हक संगठन की अध्यक्ष राफिया शबनम ने कहा कि तलाक पीड़िताओं को गुजारा भत्ता देने का आदेश पूरी तरह से सही है। अगर शरीयत के अनुसार भी तलाक दिया जाता है तो महिला को गुजारा भत्ता देना चाहिए। बोर्ड को यह बताना चाहिए कि बगैर गुजारा भत्ते के मुस्लिम महिलाएं अपना जीवन यापन कैसे करेंगी। सामाजिक कार्यकर्ता कैसर फात्मा ने कहा कि बोर्ड सुप्रीम कोर्ट के आदेश का विरोध करने से पहले ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड यह बताए कि उसने अब तक मुस्लिम महिलाओं के हक के लिए क्या-क्या काम किए हैं। जब भी मुस्लिम महिलाओं के हक की बात होती है, तब ये लोग ही क्यों विरोध में खड़े हो जाते हैं।

मुस्लिम महिलाओं के भरण-पोषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने कहा कि महिलाओं के लिए सभी धर्मों को कानून समान होने चाहिए। शर्मा ने कहा, महिलाओं के अधिकार सार्वभौमिक होने चाहिए, धर्म के आधार पर निर्धारित नहीं होने चाहिए। महिलाओं से संबंधित सभी धर्मों के कानून भी समान होने चाहिए। उन्होंने कहा, हिंदू विवाह अधिनियम के तहत तलाक के बाद आपको गुजारा भत्ता मिलता है तो मुस्लिम महिला को यह क्यों नहीं मिलना चाहिए? मैं सुप्रीम कोर्ट द्वारा कही गई बात का स्वागत करती हूं। आयोग प्रमुख ने कहा कि यह निर्णय इस सिद्धांत को पुष्ट करता है कि किसी भी महिला को कानून के तहत समर्थन और सुरक्षा के बिना नहीं छोड़ा जाना चाहिए।

युगप्रधान दादा गुरुदेव की 870वीं स्वर्गरोहन पुण्यतिथि

श्री जिनदत्तसूरिजी खरतरगच्छ सम्प्रदाय एवं जिनशासन के प्रथम दादा गुरुदेव है

दादा गुरुदेव अपने गुणों और अनगिनत चमत्कारों के कारण समूचे समाज में पूजनीय बन गए, क्योंकि प्रथम दादा गुरुदेव श्री जिनदत्तसूरिजी का सम्पूर्ण जैन समाज तथा देश के प्रति उपकार असीम है। इसलिए वे गच्छ, समाज तथा सम्प्रदाय की सीमाओं से निर्बंध है।

श्री जिनदत्तसूरिजी जीवन श्रमण-संस्-ति का ऐसा जगमगाता आलोक पुंज है, जो शताब्दियों के काल-खण्ड प्रहवन के उपरांत भी हमें आत्म-विकास की राह दिखलाता है, हमारे चरित्र, व्यवहार तथा साधना का मार्ग आलोकित करता है।

गुजरात के धवलक (धोलका) नगर में क्षपणक भक्त हुम्बड ज्ञातीय श्रेष्ठी वाछिग शा की धर्मपत्नी बाहड देवी की रत्नगर्भा कुक्षी से शुभ स्वप्नों सूचित एक पुत्ररत्न का विक्रम स्वंत 1132 में जन्म हुवा। और शुभ लक्षणों से अंकित होने के कारण बालक का नाम सोमचन्द्र रखा गया।

बचपन में सुसंस्कार सोमचंद्र में कूट-कूट कर भरे हुवे थे और अपना समग्र जीव शासन को सौंपने का निर्णय कर लिया था बस देरी थी अंगुली पकडने की।

जब इस प्रकार की बात चीत का पता उपाध्याय प्रवर श्री धर्मदेवजी को पता चला तो वे चातुर्मास के पश्चात धोलका आये और बालक में अथाह गुणों के भंडार को देखते हुवे सोमचंद्र को दीक्षा देने की स्वीति प्रदान की और मात्र 9 वर्ष की उम्र में विक्रम स्वंत 1141 में दीक्षा प्रदान करके नव दीक्षित मुनि का नाम भी सोम चन्द्र रखा गया।

दीक्षा के कुछ समय बाद ही मुनि सोमचंद्र सर्वदेव-गणी आदि के साथ बहिर्भूमि के लिए गए, बाल्यावस्था के कारण सोमचंद्र ने चने के खेत में उगे हुवे पौधो को तोड लिया, वहा सर्वदेवगणी ने इस दृश्य को देख लिया और सीधा बोल दिया और कहा की तुम दीक्षा के लायक नहीं हो, पौधा तोडकर तुमने विराधना की है, अतः तुम रजोहरण और मुखविस्त्रका देकर अपने घर जा सकते हो।

सोमचंद्र ने कहा कि गुरुदेव मैं मानता हु की मेरी गलती हुई है, लेकिन इस गलती के लिए इतना बडा दण्ड दे रहे है वह उपयुक्त नहीं है। लेकिन फिर भी मेरी दीक्षा के समय जो आपने चोटी (शिखा) ली थी वह आप मुझे प्रदान करें मैं अपने घर चला जाऊंगा।

बालक की ऐसी प्रतिभाशाली बाते सुनकर वे चौंक गए और कल्पना करने लगे कि वास्तव में ये बालक भविष्य में अत्यंत ही प्रभावशाली आचार्य होगा।

ऐसे थे मेरे गुरुदेव अद्भुत प्रतिभा के धनी बालक सोमचंद्र उम्र के साथ बडे हुवे और ज्ञान तो जैसे उनके अंग अंग से बहता हो। उनके ज्ञान को निर्बाधित रूप से बहता देख और अचानक जब जिनवल्लभसूरि का देवलोक होने पर श्री देवभद्रसूरिजी और उस समय सकल संघ ने मुनि सोमचंद्र को आचार्य की पदवी देने का अपना मानस बना लिया।

राजस्थान के चितौड नगर में विक्रम स्वंत 1161 वैशाख सुदी प्रतिपदा को सायंकाल के समय श्री जिनवल्लभसूरिजी के पाट पर बडे आरोह-समारोह के साथ पंडित सोमचंद्र गणी स्थापित किये गए और श्री संघ की ओर से नाम पतिवर्तन कर इनका नया नाम आचार्य श्री जिनदत्तसूरि रखा गया।

दादा गुरुदेव के नाम में इतना तेज है इतना अनमोल है कि नाम मात्र लेने से ही आधि व्याधि सब दूर हो जाते है तब आप सोचो जिस समय उनके श्रावक उनके पास होंगे क्या अनमोल समय रहा होगा।

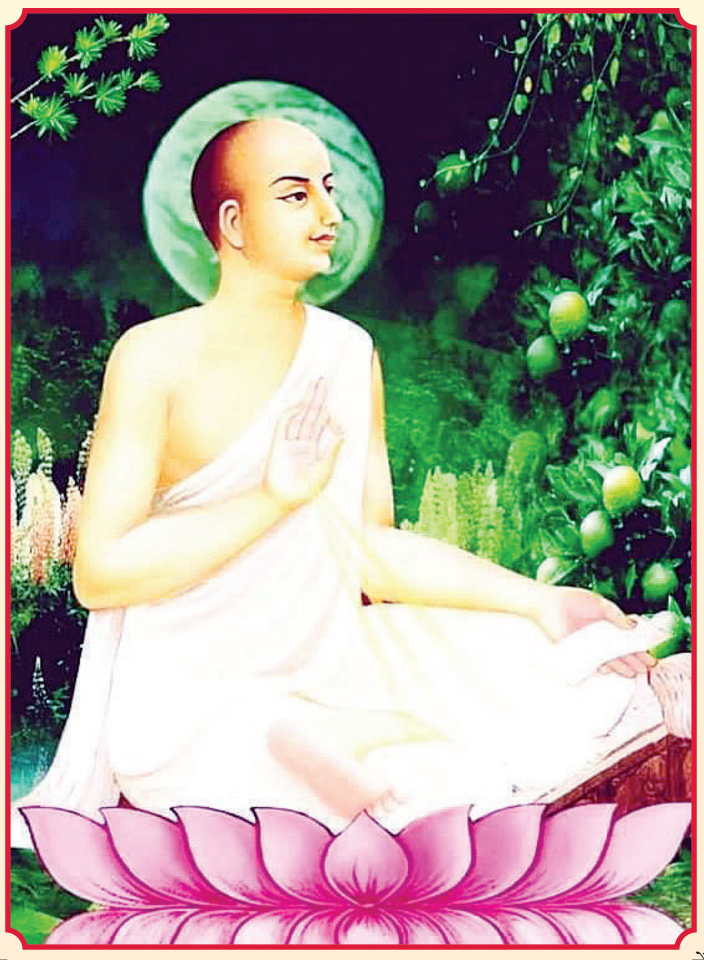

कुछ लोग उनसे इष्र्या करने वाले भी थे, उस समय लोग अन्य गच्छ वाले अपने अपने आचार्यों को युग प्रधान तक भी कहते थे, उस समय युग प्रधान आचार्य कौन? इसका निर्णय करने के लिए नागदेव (अम्बड) ने गिरनार पर्वत पर माँ अम्बिका देवी की आराधना की, देवी ने प्रसन होकर उनकी हथेली पर एक श्लोक लिखा और कहा इसको जो भी पढेगा वो ही युगप्रधान पद का हकदार होगा, अम्बड ने ना जाने कितने ही आचार्यों के पास गया लेकिन देवी द्वारा लिखा गया वो श्लोक कोई भी पढ पाया, अंत में वो दादा गुरुदेव के पास गया आचार्य श्री जी ने स्वप्रंशसात्मक पद्य होने के कारण स्वयं ना पढकर उस पर वासक्षेप डाला और अक्षर स्पष्ट कर दिए और अपने शिष्य को पढने के लिए कहा गया।

आचार्य श्री के शिष्य ने उस गुरु स्तुति को पढा और सबको सुनाया वो स्तुति थी-

दासानुदासा इव सर्व देवा, यदीय पदाब्जतले लुठंति।
मरूस्थली-कल्पतरु-सजीयात्, युग प्रधानो जिनदत्तसूरिः।।

नागदेव को अपार हर्ष हुवा और जिस खोज में निकला था, वह खोज पूर्ण हो गई युग प्रधान आचार्य मिल जाने से वह उनका परम भक्त हो गया, तभी से अम्बिकादत्त युगप्रधान पद धारक जिनदत्तसूरि जी इस भूमंडल में विख्यात हो गए।

वैसे तो दादा गुरु के अनगिनत चमत्कार है लाखों नूतन जैन बनाने वाले और जैन समाज के गोत्रों के रचियता दादा गुरुदेव ने शासन के लिए बहुत काम किया, समग्र जैन समाज को एक करने में इनका काफी योगदान रहा।

उनके चमत्कारों में- पांच पीर को सिन्धुनदी पर प्रतिबोध। 52 वीरों को वश में किया जो उनके हाजरा हजूर रहते थे। 64 योगनियो को प्रतिबोध देना। प्रतिक्रमण में आकाशीय बीजली को काष्ट पात्र में स्तम्भित करना।

मुल्तान में धर्म प्रभावना का चमत्कार। जैन समाज पर गौहत्या के कलंक का निवारण करना। प्रवचन में हमेशा देवों का आना आदि कितने ही चमत्कार थे। दादा गुरुदेव के हर एक चमत्कार का यहाँ वर्णन करना मुमकिन नहीं है। दादा गुरुदेव ने जैन शासन को अमूल्य सहित्य की अनुपम भेंट दी उसकी भी लम्बी चौडी लिस्ट है।

दादा गुरुदेव का विचरण केंद्र मुख्यत अजमेर और उनके आस पास रहा, दादा गुरुदेव विचरण करते हुवे अजमेर पधारे। अपना अन्तिम समय जानकर समाधी पूर्वक ज्ञान आराधना करते हुवे विक्रम स्वत 1211 में आषाढ शुक्ला 11 को स्वर्ग की और प्रस्थान किया।

यह सत्य है कि जिनदत्तसूरिजी के अग्नि संस्कार के समय उनके चद्दर, चोलपट्टा और मुपति को कुछ नहीं हुवा वो आज भी जैसलमेर के ज्ञान भंडार में दर्शनार्थ उपलब्ध है आप कभी भी जाये तो दर्शन कर सकते है। और यह भी माना जाता है कि दादा गुरुदेव स्वर्ग की ओर प्रस्थान करने के बाद सौधर्म देवलोक में उत्पन हुवे जिस प्रकार वे अपने जीवन में लोगों को प्रभावित करते थे उसी प्रकार आज भी अपने भक्त जनों के मनोरथ को पूर्ण करते है।

ऐसे चमत्कारी दादा गुरुदेव के चरणों में कोटि कोटि वंदन....

दादा गुरुदेव की पूरे भारत भर में दादावाडियां है और लाखों जन की आँखों के तारे बने हुवे है, इनकी मुख्य दादावाडी अजमेर में बनी हुई है आप जब भी जाये आपको वहां के कण कण में और आपके रोम रोम में जैसे दादा गुरुदेव विचरण कर रहै हो ऐसा प्रतीत होता है।

दत्त गुरू की साधना कर पाओ आनंद।
दमक रहे दादा गुरू,जैसे नभ में चंद।।

आप श्री के शासन की कुछ झलकियाँ :-

1)उस समय हमारे गुरूदेव ने 500 श्रावक और 700 श्राविकाओं को एक साथ जिनशासन ने दीक्षित किया ! महावीरस्वामी के बाद उन्होने ही एक साथ सर्वाधिक दीक्षाएँ प्रदान की।

2)आपके चमत्कारिक साधनामय व्यक्तित्व के फलस्वरूप एक लाख तीस हजार परिवार ने जिनशासन में अपना जीवन-आसन स्थापित किया!

3)आपकी साधना इतनी घनी / प्रभावशाली थी कि उनको छलने आयी चौसठ योगिनियाँ गुरूदेव के प्रति समर्पित हो गयी। पाँच पीर और बावन वीर भी आपको प्रत्यक्ष थे।

4)माँ अम्बिका के आर्शीवाद से आपको युगप्रधान की उपाधि मिली!

5)आपने छाजेड़,भंसाली, गोलेच्छा आदि शताधिक गोत्रो की स्थापना करके ओसवाल वंश को समृद्धि एवं वृद्धि के शिखर पर आरूढ़ किया ।

6)अपभ्रंश, संस्कृत और प्राकृत ,तीनो भाषाओ पर आपका पूर्ण अधिकार था । अपभ्रंश भाषा में जैन शास्त्र की रचना करने वाले आप प्रथम आचार्य हुए।

7)संदेह दोलावली,उपदेश रसायन , चर्चरी प्रकरण आदि ग्रंथों का सर्जन कर साहित्य -क्षेत्र के आदित्य बने।

युगप्रधान जैनाचार्य दादा गुरुदेव श्री जिनदत्त सुरि द्वारा आकाश से आई बिजली को अपने पात्र के नीचे ढाककर संघ की रक्षा....

अजमेर प्रवास के दौरान गुरुदेव की सानिध्यता में चतुर्दशी का प्रतिक्रमण चल रहा था। प्रतिक्रमण की साधना के बीच ही अचानक आकाश बादलों से आच्छादित हो गया।अंधेरा असमय ही घिर आया। बिजलियां कड़कने लगी।भयंकर गर्जन से लोगों के दिल दहल गए।

अचानक भयंकर गर्जन के साथ ही बिजली जहां प्रतिक्रमण चल रहा था वहीं गिर पड़ी। गुरुदेव ने विद्या के प्रभाव से उस बिजली को लकड़ी के एक पात्र में बंद कर दिया।

विद्युत अधिष्ठात्री देवी ने निवेदन के स्वरों में गुरुदेव से कहा- मुझे मुक्त कीजिए! भविष्य में आपकी दुहाई देने पर मैं उस पर कभी नहीं गिरूंगी।

गुरुदेव अजमेर की धरती पर पधारे । वि. स. 1211 आषाढ़ शुक्ला एकादशी के दिन गुरूदेव समाधि मरण प्राप्त कर प्रथम सौधर्म देवलोंक में एकावतारी देव बने।

हालांकि गुरूदेव को विदा हुए लगभग आठ शताब्दियाँ व्यतीत हो चुकी है फिर भी जन जन के ह्रदय सिंहासन पर आरूढ़ है ।

सर्वेऽत्र सुखिनः सन्तु सर्वे सन्तु निरामयाः ।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित् दुःखमाप्नुयात् ।।

देवाधिदेव जिनदेव प्रभु के दर्शन करने से -अनंत पुण्य संचय होता है!

प्रेषकः गुरु भक्त पारस डोसी

गुरु पूर्णिमा का अमृत

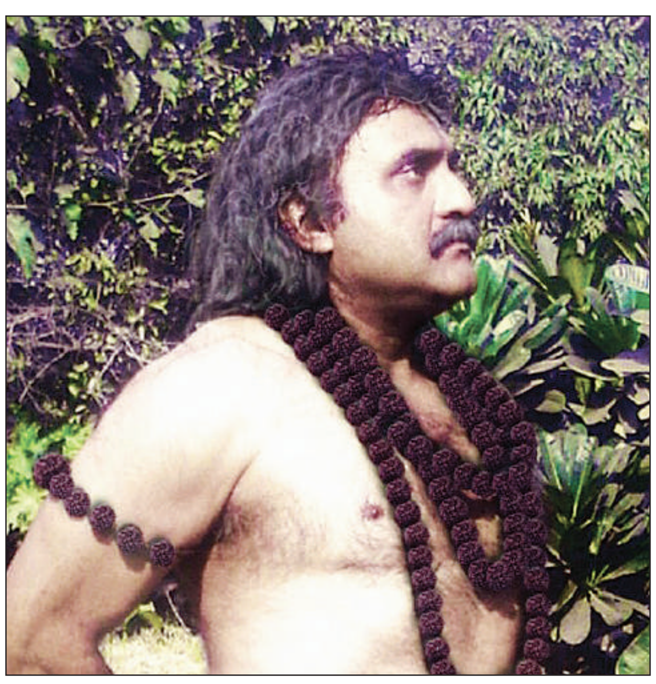

यदि आप बीमार हैं अथवा बूढ़े हो रहे हैं तो यह आपके शरीर के तत्वों में हो रहे परिवर्तन के कारण है। इसी प्रकार यदि आप स्वस्थ हैं और चमक रहे हैं या आपकी शक्ति बढ़ रही है, तो इसमें भी यह तत्व ही भूमिका निभा रहे हैं।

पूर्णिमा के दिन चाँद अपने पूर्ण रूप में होता है जिससे सभी तत्वों में जागृति होती है। चंद्रमा का तत्व सोम है, जो जीवन का अमृत है तथा अन्य सभी तत्वों का पोषण और संवर्धन करता है। मानव शरीर में इस अमृत को बिंदु विसर्ग कहा जाता है जिसका अनुभव ध्यान की गहरी अवस्था में किया जा सकता है। यह अमृत आज्ञा चक्र अर्थात गुरु स्थान से टपकता है और इसे गले के स्थान (विशुद्धि) में धारण करना होता है।जब इस अमृत को धारण किया जाता है, तो यह अभ्यासकर्ता को अभूतपूर्व चमक और आकर्षण प्रदान करता है और शरीर में उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को रोकता है। सनातन क्रिया के माध्यम से ऐसा किया जा सकता है।

गुरु पूर्णिमा के दिन चंद्रमा की ऊर्जा अपने चरम पर होती है इसलिए इस अमृत की उत्पत्ति भी सबसे अधिक होती है और तत्वों की अस्थिरता भी अधिकतम होती है। सभी तत्व और सोम मूलतः शक्ति है, ऊर्जा हैं जिन्हें गुरु द्वारा निर्देशित किया जाता है। गुरु की शक्ति के बिना, आप उन्हें अपने शरीर में प्रवाहित नहीं कर सकते ।जब गुरु व्यक्ति के शरीर में चंद्र तत्व को स्पर्श करते हैं, तो तत्वों की शक्ति स्वचालित रूप से अधिकतम हो जाती है जिससे उसके अंदर एक जागृति उत्पन्न होती है।

यदि आप यथार्थ के प्रति जागृत होना चाहते हैं और आप समझना चाहते हैं कि यह सभी तत्व क्या हैं, यह सृष्टि किस बारे में है, वह क्या है जो सृष्टि के विभिन्न पहलुओं को क्रियान्वित करती है और सोम (अमृत) का अधिकतम लाभ प्राप्त करना चाहते हैं, तो गुरु पूर्णिमा का दिवस इसके लिए सर्वश्रेष्ठ है। 20 जुलाई, शाम 5.30 बजे, गुरुजी के मार्गदर्शन में ध्यान फाउंडेशन द्वारा गुरु पूर्णिमा यज्ञ का आयोजन किया जायेगा।

- अश्विनी गुरुजी

योग सृष्टि का सार है और यह विज्ञान एक व्यक्ति में विभिन्न स्तरों पर प्रकट होता है-पहले तत्वों के स्तर पर, फिर चेतना और फिर दिव्यता के स्तर पर जो कि एक सामान्य व्यक्ति को एक सर्वश्रेष्ठ प्राणी बना देता है।गुरु सानिध्य में तत्वों और उनके गुणों का अनुभव करते हुए अपने और अपने आस पास के परिवेश में परिवर्तन लाने के लिए उनका उपयोग करना योग की मूल सिद्धि है।

जो सृष्टि हम चारों ओर देखते हैं वह पांच तत्वों, पंच महाभूतों - पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश से बनी है। विभिन्न क्रमपरिवर्तन और संयोजन में यह तत्व मिलकर सृष्टि के विभिन्न पहलुओं और रूपों का निर्माण करते हैं - जिनमें पेड़ - पौधे, पशु - पक्षी, नदियाँ और हमारे शरीर, आदि शामिल हैं।

भले ही यह तत्व शरीर में दिखाई नहीं देते किन्तु फिर भी यह शरीर में मौजूद हैं और दैनिक कामकाज को नियंत्रित और प्रभावित करते हैं। पृथ्वी तत्व, शरीर को संभालता है और उसे संरचना प्रदान करता है, जल तत्व निष्कासन और प्रजनन के कार्यों को नियंत्रित करता है, अग्नि तत्व शरीर की ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए जिम्मेदार है, वायु तत्व पोषक तत्वों को शरीर के विभिन्न भागों तक पहुंचाता है और आकाश तत्व वृद्धि और विकास को बढ़ावा देता है।हमारे शरीर में जो भी बदलाव होते हैं, वह केवल तत्वों के अनुपात में निरंतर बदलाव की प्रक्रिया के कारण होते हैं। इसलिए

देवशयनी एकादशी पर जरूर करें नारियल से जुड़े ये उपाय, धन से भर जाएगी खाली तिजोरी

हर वर्ष आषाढ़ महीने में देवशयनी एकादशी मनाई जाती है। इस वर्ष 17 जुलाई को देवशयनी एकादशी है। यह पर्व आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि पर मनाया जाता है। इस अवसर पर लक्ष्मी नारायण जी की पूजा की जाती है। ज्योतिष शास्त्र में एकादशी तिथि पर विशेष उपाय करने का भी विधान है। इन उपायों को करने से धन संबंधी परेशानी दूर होती है। साथ ही व्रती को मनोवांछित फल की भी प्राप्ति होती है। अगर आप भी मनचाहा वर समेत आर्थिक तंगी से निजात पाना चाहते हैं, तो देवशयनी एकादशी पर नारियल से जुड़े ये उपाय अवश्य करें। इन उपायों को करने से आय और सौभाग्य में भी अपार वृद्धि होती है।

नारियल के उपाय

✻ अगर आप आय और सौभाग्य में वृद्धि पाना चाहते हैं, तो देवशयनी एकादशी पर स्नान-ध्यान के बाद विधि-विधान से भगवान विष्णु की पूजा करें। इस समय नारियल जल से भगवान विष्णु का अभिषेक करें। इस उपाय को करने से भगवान विष्णु शीघ्र प्रसन्न होते हैं। उनकी कृपा साधक पर बरसती है।

✻ अगर आप आर्थिक तंगी से निजात पाना चाहते हैं, तो देवशयनी एकादशी तिथि पर पूजा के समय भगवान विष्णु को एकाक्षी नारियल अर्पित करें। इस समय कर्ज से मुक्ति और धन में वृद्धि की कामना करें। इस उपाय को करने से धन संबंधी सभी समस्याओं का

अंत होता है।

✻ भगवान विष्णु को प्रसन्न करने के लिए देवशयनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु को श्रीफल अर्पित करें। पूजा के पश्चात श्रीफल को पीले रंग के वस्त्र में बांधकर घर की तिजोरी में रख दें। इस उपाय को करने से भी आय में वृद्धि होती है।

✻ पीपल के वृक्ष में भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी का वास होता है। अतः देवशयनी एकादशी पर स्नान-ध्यान के बाद पीपल के वृक्ष में नारियल जल अर्पित करें। इस समय पीपल वृक्ष की चार बार परिक्रमा करें।

✻ मनचाहा वर पाने के लिए देवशयनी एकादशी तिथि पर निकटतम मंदिर जाकर भगवान विष्णु को नारियल चढ़ाएं। साधक मनोवांछित फल की कामना करते समय नारियल भी फोड़ सकते हैं।

एकादशी पर इन चीजों से करें भगवान विष्णु का अभिषेक, पूरी होगी मनचाही मुराद

आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि भगवान विष्णु को समर्पित है। इस तिथि से भगवान विष्णु क्षीर सागर में विश्राम करने चले जाते हैं। इस अवसर पर वैदिक नियमों का पालन कर भगवान विष्णु की भक्ति भाव से पूजा की जाती है। इस वर्ष 17 जुलाई को देवशयनी एकादशी है। धार्मिक मत है कि एकादशी तिथि पर विधि-विधान से भगवान विष्णु की पूजा करने से व्रती के सकल मनोरथ सिद्ध होते हैं। साथ ही जीवन में खुशियों का आगमन होता है। अगर आप भी भगवान विष्णु की कृपा के भागी बनना चाहते हैं, तो देवशयनी एकादशी पर स्नान-ध्यान के बाद भगवान विष्णु की पूजा करें। साथ ही पूजा के समय इन चीजों से भगवान विष्णु का अभिषेक करें।

राशि अनुसार अभिषेक

मेष राशि के जातक जल में रोली मिलाकर भगवान विष्णु का अभिषेक करें।

वृषभ राशि के जातक गाय के कच्चे दूध से भगवान विष्णु का अभिषेक करें।

मिथुन राशि के जातक गंगाजल में पान के पत्ते मिलाकर नारायण का अभिषेक करें।

कर्क राशि के जातक दही से जगत के पालनहार भगवान विष्णु का अभिषेक करें।

सिंह राशि के जातक गंगाजल में शहद मिलाकर भगवान विष्णु का अभिषेक करें।

कन्या राशि के जातक गंगाजल में दूर्वा मिलाकर भगवान विष्णु का अभिषेक करें।

तुला राशि के जातक गाय के दूध से निर्मित दही से भगवान विष्णु का अभिषेक करें।

वृश्चिक राशि के जातक गंगाजल में कनेर फूल मिलाकर भगवान विष्णु का अभिषेक करें।

धनु राशि के जातक एकादशी पर केसर मिश्रित दूध से भगवान विष्णु का अभिषेक करें।

मकर राशि के जातक गंगाजल में अपराजिता फूल मिलाकर भगवान विष्णु का अभिषेक करें।

कुंभ राशि के जातक गन्ने के रस से जगत के पालनहार भगवान विष्णु का अभिषेक करें।

मीन राशि के जातक एकादशी तिथि पर हल्दी मिश्रित जल से भगवान विष्णु का अभिषेक करें।

सोशल मीडिया ने मुझे स्क्रीन से परे एक पहचान दी : शर्मा

टीवी शो सुहागन चुड़ैल में भूमिका निभाने वाली एक्ट्रेस आराधना शर्मा ने कहा कि उन्हें अपनी जर्नी के बारे में अपने फैंस से जुडऩे के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करना पसंद है।सोशल मीडिया के महत्व के बारे में बात करते हुए आराधना ने कहा, सोशल मीडिया वह जगह है जहां मैं अपने प्रशंसकों से जुड़ती हूं, अपनी जर्नी के बारे में बात करती हूं। लेकिन यह एक ऐसा प्लेटफार्म है, जहां मैं सीमाएं भी निर्धारित करती हूं।एक्ट्रेस ने कहा, मुझे अपने दर्शकों से जुडऩा पसंद है, लेकिन मैं प्रामाणिकता और सम्मान में विश्वास करती हूं। व्यूज के लिए सीमाएं पार करना मेरी नजर में ठीक नहीं है। मेरा कंटेंट मेरे सच्चे व्यक्तित्व को दर्शाता है और मैं ऐसी किसी भी चीज को नहीं करती जो मेरे मूल्यों या मेरे फॉलोअर्स के लिए मेरे सम्मान से समझौता करती हो। यह सब संतुलन के बारे में है। मैं जमीन से जुड़े रहते हुए स्पॉटलाइट का आनंद लेती हूं।आराधना ने इस प्लेटफार्म को गेम-चेंजर बताते हुए कहा, इसने मुझे स्क्रीन से परे एक पहचान दी है, जिससे मैं प्रशंसकों से जुड़ सकती हू और अपने जीवन और व्यक्तित्व के उन पहलुओं को प्रदर्शित कर सकती हूं, जो शायद मेरी भूमिकाओं में हमेशा सामने नहीं आते।एक्ट्रेस ने आगे कहा, व्यक्तिगत रूप से यह मेरे लिए डांस, फिटनेस और अन्य गतिविधियों जैसे अपने जुनून को अपने फैंस के साथ शेयर करने का एक माध्यम है। साथ ही यहां से मुझे काफी प्रेरणा भी मिलती है। मैंने इस मंच के माध्यम से बहुत से प्रतिभाशाली रचनाकारों और अच्छे लोगों की खोज की है।आराधना मानती हैं कि यह एक हद तक विश्वसनीय है लेकिन यह सफलता या प्रतिभा का एकमात्र पैमाना नहीं है। मेरे लिए मेरे दर्शकों के साथ मेरा जुड़ाव सबसे ज्यादा मायने रखता है।

पृथ्वीराज सुकुमारन की फिल्म द गोट लाइफ की ओटीटी रिलीज का एलान

19 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर होगी प्रीमियर

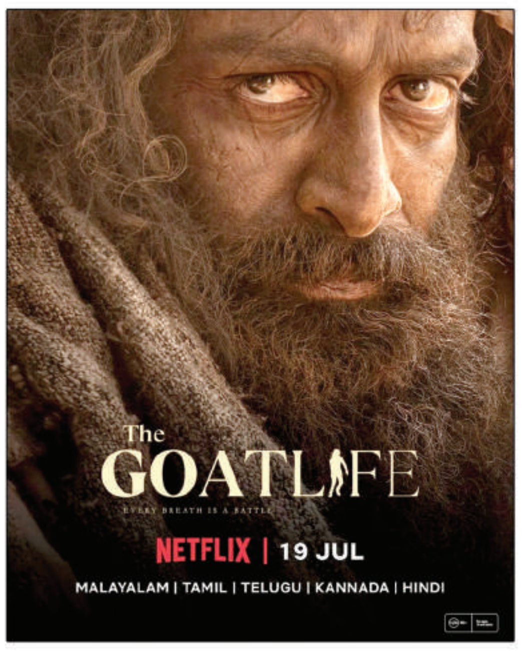

साउथ सुपरस्टार पृथ्वीराज सुकुमारन की फिल्म आडुजीविथम: द गोट लाइफ मार्च में रिलीज हुई और तुरंत ही बॉक्स ऑफिस पर हिट हो गई। फिल्म को आलोचकों और फिल्म प्रेमियों से सकारात्मक समीक्षा मिली, जो अब तक की तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली मलयालम फिल्म बन गई। अब तक, यह 2024 की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली मलयालम फिल्म है। फिल्म ने सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन किया और इसे हटाए जाने के तुरंत बाद फिल्म प्रेमी इसके ओटीटी पर आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।वहीं अब दर्शकों के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। जो लोग सिनेमाघरों में फिल्म देखने से चूक गए हैं, वे इसके ओटीटी रिलीज का इंतजार कर रहे थे। आखिरकार अब उनके इंतजार खत्म होने का समय आ गया है, क्योंकि निर्माताओं ने आडुजीविथम: द गोट लाइफ की ओटीटी रिलीज की तारीख से पर्दा उठा दिया है। निर्माताओं ने आधिकारिक एलान कर खुलासा किया है कि यह फिल्म इस महीने ओटीटी पर दस्तक देने आ रही है।मलयाली अप्रवासी मजदूर नजीब की वास्तविक जीवन की कहानी पर आधारित यह सर्वाइवल ड्रामा 19 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर के लिए तैयार है। यह फिल्म पांच क्षेत्रीय भाषाओं मलयालम, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और हिंदी में उपलब्ध होगी। नेटफ्लिक्स के आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज ने फिल्म का पोस्टर जारी किया। कैप्शन में लिखा गया, साहस, उम्मीद और अस्तित्व की कहानी। इधु नजीबिंते अथिजीवन कथा। आडुजीविथम 19 जुलाई को मलयालम, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और हिंदी में नेटफ्लिक्स पर आ रही है।कहानी की बात करें तो यह फिल्म मलयाली अप्रवासी मजदूर नजीब पर आधारित है, जो उन हजारों भारतीयों में से एक है, जिन्हें सऊदी अरब में रेगिस्तान में एकांत खेतों में बकरी चराने के लिए मजबूर किया गया था। पृथ्वीराज के अलावा फिल्म में जिमी जीन-लुई और केआर गोकुल भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म को शुरू में यूएई के अलावा जीसीसी देशों में प्रतिबंधित कर दिया गया था, बाद में कुवैत और सऊदी अरब को छोड़कर सभी देशों में प्रतिबंध हटा दिया गया था। फिल्म ने अब तक 160 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है। द गोट लाइफ मलयालम साहित्यिक दुनिया के अब तक के सबसे लोकप्रिय बेस्टसेलर उपन्यास आडुजीविथम पर आधारित है, जिसका विदेशी सहित 12 विभिन्न भाषाओं में अनुवाद किया गया है। मशहूर लेखक बेन्यामिन द्वारा लिखित यह एक युवक नजीब के जीवन की सच्ची कहानी है, जो 90 के दशक की शुरुआत में विदेश में भाग्य की तलाश में केरल के हरे-भरे तटों से पलायन करता है।

श्रद्धा दास की अदाएं देखकर लोगों के होश उड़े

खूबसूरत अभिनेत्री श्रद्धा दास आए दिन अपनी बोल्ड और हॉट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही छा जाता है। अब हाल ही में उन्होंने अपनी लेटेस्ट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर सादगी से फैंस का दिल जीत लिया है। इन तस्वीरों में उनकी हॉटनेस भरी अदाएं देखकर लोगों के होश उड़ गए हैं। एक्ट्रेस श्रद्धा दास अपनी एक्टिंग से ज्यादा अपने ग्लैमरस लुक्स के लिए जानी जाती हैं। उनका स्टनिंग अवतार इंस्टाग्राम पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की है। इन तस्वीरों में उनका सिजलिंग लुक देखकर फैंस की नजरें नहीं हट पा रही हैं।श्रद्धा दास ने अपने इस लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान ग्रीन कलर की साड़ी पहनी हुई है साथ ही रिवीलिंग ब्लाउज पहना हुआ है।ओपन हेयर, माथे पर काली बिंदी और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।श्रद्धा दास जब भी अपनी फोटोज सोशल मीडिया पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस श्रद्धा दास कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक किलर अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।एक्ट्रेस श्रद्धा दास सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

राजकुमार राव-श्रद्धा कपूर स्टारर स्त्री 2 के ट्रेलर की रिलीज डेट से उठा पर्दा

राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर स्टारर स्त्री 2 साल की मोस्ट अवेटेड हॉरर कॉमेडी फिल्मों में से एक है। मेकर्स दूसरा पार्ट लेकर आ रहे हैं और हाल ही में इसका टीजर भी रिलीज किया गया था। वहीं अब फिल्म के ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है और फाइनली इसकी रिलीज डेट आ गई है।रिपोर्ट के मुताबिक, राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की फिल्म स्त्री 2 का ट्रेलर 18 जुलाई (गुरुवार) को रिलीज किया जाएगा। हालांकि टीजऱ में फिल्म के प्लॉट के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया गया है, लेकिन ट्रेलर लॉन्च से कहानी और फिल्म के बारे में अन्य डिटेल्स सामने आने की उम्मीद है। पोर्टल ने यह भी बताया कि स्त्री 2 का ट्रेलर विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी और एमी विर्क की अपकमिंग फिल्म, बैड न्यूज़ की थिएट्रिकल रिलीज के दौरान अटैच किया जाएगा।बता दें कि स्त्री 2 का टीजर 25 जून को रिलीज किया गया था। राजकुमार राव ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर टीजर पोस्ट करते हुए लिखा था, इस बार चंदेरी में आज़ादी के दिन होगा आतंक! लीजेंड इस स्वतंत्रता दिवस को 15 अगस्त पर लौट रही है! स्त्री 2 वो वापस आ गई है। वीडियो की शुरुआत राजकुमार राव और अन्य लोगों द्वारा स्त्री की मूर्ति पर दूध चढ़ाने से होती है। इसके बाद गांव में अफरा-तफरी मची नजर आती है और सब बार-बार कहते हैं स्त्री वापस आ गई। स्त्री के किरदार में श्रद्धा कपूर की भी झलक देखने को मिल रही है। टीजर में तमन्ना भाटिया भी नजर आई थीं।बता दें कि स्त्री 2 में पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक बनर्जी सहित कई कलाकारों ने अहम रोल प्ले किया है।

एक्शन-थ्रिलर किल बॉक्स ऑफिस पर मचा रही धूम

करण जौहर की फिल्म किल को इसकी रिलीज के बाद से ही दर्शकों का खूब प्यार मिला। फिल्म एक मजबूत स्टार कास्ट के साथ रिलीज हुई कल्कि 2898 एडी के एक हफ्ते बाद रिलीज हुई थी लेकिन फिर भी इसके बॉक्स ऑफिस पर अपने पैर जमाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। फिल्म की शुरुआत काफी अच्छी रही।युवा दर्शकों को खूब लुभा रही है एक्शन-थ्रिलर फिल्म किल। कड़ी चुनौती देने वाली फिल्मों कल्कि 2898 एडी, सरफिरा और हिंदुस्तानी 2 के बावजूद किल ने बॉक्स ऑफिस पर दूसरे सप्ताह में भी दमदार प्रदर्शन किया है. खासकर बड़े शहरों में युवा इस फिल्म को खास पसंद कर रहे हैं. दूसरे सप्ताह में फिल्म ने शुक्रवार को 80 लाख, शनिवार को 1.43 करोड़ और रविवार को 1.72 करोड़ का बिजनेस किया है।

इस तरह फिल्म की कुल कमाई अब तक 15.31 करोड़ रुपये हो चुकी है. बता दें कि किल को करण जौहर और गुनीत मोंगा ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। यह बहुत कम बजट में बनी फिल्म है। वहीं निखिल नागेश भट्ट ने इस फिल्म को डायरेक्ट किया है।

फिल्म 5 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में लक्ष्य लालवानी,राघव जुयाल के अलावा तान्या मानिकताला, अभिषेक चौहान, आशीष विद्यार्थी, हर्ष छाया और अद्रिजा सिन्हा में मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म का प्रीमियर टोरेंटो फिल्म फेस्टिवल में भी किया गया था।

कांग्रेस ने कर्ज लेकर घी पीया: दीया कुमारी

जयपुर,16 जुलाई (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने बजट बहस पर जवाब देते हुए कांग्रेस सरकार में वित्तीय व्यवस्था पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कर्ज लेकर घी पीया। 2017-18 में बीजेपी सरकार 3.04 प्रतिशत राजकोषीय घाटा छोड़कर गई थी, लेकिन पिछली सरकार अनियंत्रित तरीके से घाटा 4.26 प्रतिशत तक ले गई। इसे कम करके हम इस वित्तीय वर्ष में 3.93 प्रतिशत तक लाने का प्रयास कर रहे हैं।

दीया कुमारी ने राजस्थान के घाटे की स्थिति की जानकारी देते हुए कहा कि कांग्रेस ने कर्ज लेकर घी पीया और इसी सोच के साथ पांच सितारा होटल के बंद कमरों में अस्तित्व को बचाने के लिए संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के वित्तीय कुप्रबंधन के कारण राज्य सरकार का कर्ज

बढ़ गया।

किसानों के लिए 7 हजार करोड़ ज्यादा दिए

दीया कुमारी के भाषण के दौरान कई बार विपक्षी सदस्यों ने हंगामा किया। स्पीकर वासुदेव देवनानी ने उन्हें शांत रहने के लिए कहा। इस दौरान दीया कुमारी ने भी विपक्षी सदस्यों पर तंज कसे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार पिछली सरकार की तरह किसानों के लिए तथ्यहीन, थोथी घोषणाओं की बजाय किसानों को संबल देने का काम करेगी। हमारी सरकार ने गहलोत सरकार के 2023-24 के बजट के मुकाबले इस बार 7 हजार करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया है। हमने किसानों के लिए 96 हजार 787 करोड़ 27 लाख का प्रावधान किया है। वित्त मंत्री दीया कुमारी ने कहा कि पिछली सरकार ने राजस्थान में पानी के लिए कोई काम नहीं किया, बस बैठे-बैठे कश्तियां बनाते रहे। राजस्थान में जलजीवन मिशन को लागू नहीं करा सके। हमें कहते हैं कि पानी की व्यवस्था करो। हमने तो कुछ समय में ही इसे लेकर बड़े काम किए हैं। दीया कुमारी ने विपक्षी सदस्यों द्वारा बजट पर सवाल उठाने को लेकर कहा कि जब आपकी सरकार थी, तब यह सुझाव दे देते तो राजस्थान का नुकसान नहीं होता।

छात्र संघ चुनाव की बहाली को लेकर एनएसयूआई ने किया प्रदर्शन

आमने-सामने हुए पुलिस और छात्र नेता

बीकानेर,16 जुलाई (एजेंसियां)। छात्रसंघ चुनाव बहाली की मांग को लेकर एनएसयूआई के छात्रों ने आज जिला कलेक्ट्रेट पर उग्र प्रदर्शन किया, इस दौरान कलेक्ट्रेट पहुंचे एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की और कलेक्ट्रेट में लगे बेरिकेडिंग्स हटाकर परिसर में घुसने का प्रयास किया। पुलिस ने अंदर जा रहे छात्रों को रोकने की कोशिश की लेकिन छात्र पुलिस और आरएसी के जवानों से उलझ पड़े, इस दौरान दोनों पक्षों में काफी देर तक धक्का-मुक्की होती रही। इसके बाद पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए हल्का बलप्रयोग कर इन्हें तितर-बितर किया। इस दौरान पुलिस ने राजेश गोदारा, गिरधारी कूकणां, अभिमन्यु जाखड़, प्रेम बेरड़, नरेश सारण छात्र नेताओं को हिरासत में लिया। पिछले काफी दिनों से एनएसयूआई के छात्र छात्र संघ चुनाव की बहाली को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

एनएसयूआई के उपाध्यक्ष राजेश गोदारा ने बताया कि हम छात्र संघ चुनाव की बहाली को लेकर पिछले काफी समय से संघर्षरत हैं। छात्र संघ चुनाव छात्र राजनीति की शुरुआत है । वर्तमान सरकार हमें हमारे हक से वंचित रखना चाह रही है, हमारी सरकार से मांग है कि छात्र संघ चुनावों को बहाल किया जाए अगर सरकार हमारी मांगें नहीं मानती है तो आने वाले समय में छात्र शक्ति द्वारा उग्र आंदोलन किया जाएगा।

व्यापारी का अपहरण कर 45 लाख की फिरौती मांगी

भीलवाड़ा,16 जुलाई (एजेंसियां)। भीलवाड़ा में कलर पेंट व्यापारी के अपहरण और 45 लाख रुपये की फिरौती मांगने का मामला सामने आया है। यह घटना शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र के गांधीनगर में सोमवार देर रात हुई, जब कुछ लोग व्यापारी आदित्य जैन का अपहरण कर ले गए।

अपहरणकर्ताओं ने व्यापारी से मारपीट की और आठ घंटे तक उसे बंधक बनाए रखा। आरोपियों ने अपहरण के बाद व्यापारी के परिजनों को फोन करके 45 लाख रुपयों की फिरौती की मांग की। पुलिस ने रातभर चले सर्च अभियान के बाद मंगलवार सुबह व्यापारी को छुड़ा लिया और चार अपहरणकर्ताओं सहित छह लोगों को हिरासत में ले लिया। जानकारी के अनुसार आरसी कॉलोनी निवासी आदित्य जैन का कांचीपुरम के सामने गांधीनगर रोड पर स्मार्ट पेंट्स नाम से शोरूम है। रात में जब आदित्य दुकान बंद करके घर जाने लगा तो कुछ लोग उसकी कार को रोककर जबरन गाड़ी में बैठ गए और उसे बंधक बना लिया। विरोध करने पर अपहरणकर्ताओं ने उससे मारपीट की और उसकी ही गाड़ी में उसे लेकर भाग गए। करीब तीन घंटे बाद अपहरणकर्ताओं ने आदित्य के मोबाइल से उसकी पत्नी को फोन करके 45 लाख की फिरौती की मांग की और धमकी दी गई कि यदि उन्होंने पुलिस को सूचना दी, तो इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

अपहरण की सूचना मिलते ही परिजनों ने पुलिस को मामले की जानकारी दी। एसपी राजन दुष्यंत ने तुरंत एक विशेष टीम का गठन किया। एएसपी विमलसिंह की अगुवाई में इस टीम ने भीलवाड़ा-शाहपुरा जिले में नाकाबंदी कर दी। रातभर चले सर्च अभियान के

पुलिस की त्वरित कार्रवाई से आरोपी हिरासत में

बाद पुलिस ने मंगलवार सुबह भीलवाड़ा-भीम मार्ग पर हरिपुरा चैराहे के निकट अपहरणकर्ताओं को धरदबोचा। इसके बाद आदित्य को मुक्त करवा लिया गया और मारपीट से घायल व्यापारी को तत्काल भीलवाड़ा के एक निजी अस्पताल में उपचार के लिए ले जाया गया।

पुलिस ने इस मामले में चार अपहरणकर्ताओं और दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार सभी आरोपी युवा हैं, जिनकी उम्र 18 से 24 साल के बीच है।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में कैलाश सुथार पुत्र कन्हैयालाल सुथार, उम्र 25 साल, निवासी भीलवाड़ा, गौरीशंकर शर्मा पुत्र गोपाललाल शर्मा, उम्र 21 साल, निवासी करजालिया (आसींद), सन्नी धूसर पुत्र ब्रजेश धूसर, उम्र 21 साल, निवासी शाहपुरा, आनंद सोनी पुत्र हंसराज सोनी, उम्र 19 साल, निवासी रायपुर, मनोज पाराशर पुत्र जमना शंकर पाराशर, उम्र 24 साल, निवासी धमाणा (कपासन), चित्तौड़गढ़ और गोविंद शर्मा पुत्र भेरूलाल शर्मा, उम्र 24 साल, निवासी आमली थाना हमीरगढ़, भीलवाड़ा शामिल हैं।

पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने बताया कि पुलिस को पहली सूचना रात 11 बजे मिली, जिसमें परिजनों ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दी। अपहरण 9 बजे के आसपास हुआ था। परिजन अपने स्तर पर व्यापारी आदित्य जैन की तलाश करते रहे। सूचना मिलने पर एक स्पेशल टीम का गठन किया गया, जिसमें प्रताप नगर थाना प्रभारी गजेंद्र सिंह नरूका और सुभाष नगर थाना प्रभारी शिवराज गुर्जर को शामिल किया गया।

हाईवे पर लावारिस खड़ी कार से 72 किलो मादक पदार्थ पकड़ा

शाहपुरा,16 जुलाई (एजेंसियां)। शाहपुरा जिला पुलिस ने आज बड़ी कार्रवाई करते हुए 72 किलो अवैध डोडा चूरा जब्त किया है। यह मादक पदार्थ प्लास्टिक के कट्टों में भरकर एक कार की बैक सीट पर रखा गया था। पुलिस ने यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कांवत के निर्देश पर अवैध मादक पदार्थों के परिवहन और संग्रहण के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की।

जानकारी के अनुसार हनुमाननगर थाना क्षेत्र के कुचलवाड़ा के पास स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक लावारिस खड़ी दिल्ली पासिंग कार से यह 72 किलो अवैध डोडा चूरा बरामद हुआ है। पुलिस को हाईवे पर संदिग्ध कार खड़ी होने की जानकारी मिली थी। सूचना मिलते ही हनुमाननगर थानाधिकारी अयूब खां के साथ पुलिस टीम मौके पर पहुंची और कार की तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार की पीछे की सीट पर प्लास्टिक के कट्टों में भरा हुआ 72 किलो डोडा चूरा मिला।

पुलिस ने तुरंत कार को जब्त कर लिया और अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया। पुलिस ने कार चालक की तलाश शुरू कर दी है, लेकिन घटनास्थल पर कोई मौजूद नहीं मिला। मामले की जांच शकरगढ़ थानाधिकारी को सौंपी गई है। जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कांवत ने बताया कि अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ यह विशेष अभियान जिले भर में सख्ती से चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम इस तरह के मामलों पर पूरी निगरानी रख रहे हैं और अवैध मादक पदार्थों के परिवहन और संग्रहण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रहे हैं।

पेठा फैक्ट्री में बॉयलर फटने से हुआ भीषण विस्फोट

टीन शेड गिरने से दो मजदूर घायल

अजमेर,16 जुलाई (एजेंसियां)। नसीराबाद के झड़वासा गांव में आज दोपहर पेठा बनाने वाली फैक्ट्री के बॉयलर में अचानक विस्फोट हो गया, जिससे फैक्ट्री का टीन शेड गिर गया और दीवारों में दरार आ गई। हादसे में दो मजदूर घायल हो गए हैं,

जिन्हें नसीराबाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना के बाद पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जानकारी के अनुसार पेठा बनाने वाली इस फैक्ट्री में करीब छह मजदूर काम कर रहे थे कि अचानक बॉयलर फटने से टीन शेड नीचे गिर गया और फैक्ट्री की दीवारों में दरार आ गई। अन्य मजदूर धमाके की आवाज से बाहर निकल गए लेकिन उनमें से दो मजदूर घायल हो गए, अन्य मजदूरोंऔर आसपास के लोगों ने दोनों मजदूरों को बाहर निकाला। घायल मजदूर आगरा निवासी कालीचरण (35) और अर्जुन (25) को पास ही स्थित नसीराबाद हॉस्पिटल में ले जाया गया, जहां से उन्हें अजमेर के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय रैफर कर दिया गया। घटना के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है, फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

हार के डर से चुनाव नहीं करवा रही है भाजपा : डोटासरा

जयपुर,16 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस प्रमुख गोविंद सिंह डोटासरा ने भाजपा पर पंचायती राज और नगर निकाय चुनाव नहीं कराने को लेकर विधानसभा में प्रेस से बात करते हुए कहा कि भाजपा हार के डर से इन चुनावों को टाल रही है।

उन्होंने कहा कि अगर आज चुनाव होते हैं तो कांग्रेस ही जीत हासिल करेगी, चाहे वह पंचायती राज के चुनाव हों, नगर निकाय के चुनाव हों या विधायकों के उपचुनाव।

डोटासरा ने भाजपा पर जनप्रतिनिधियों की पावर को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा अधिकारियों को जिला प्रमुख और जिला उपप्रमुखों के पदों का अतिरिक्त प्रभार देकर जनप्रतिनिधियों के अधिकार खत्म करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने वन नेशन, वन इलेक्शन की भी आलोचना की और कहा कि इसका उद्देश्य जनप्रतिनिधियों की पावर को समाप्त करना है। उन्होंने कहा कि भाजपा आगामी सभी चुनावों में हार रही है और कांग्रेस पूरे राज्य में नई ऊर्जा के साथ उभरकर आएगी। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ही एकमात्र पार्टी है, जो जनता के हितों की रक्षा कर सकती है। भाजपा सिर्फ अपने हितों के लिए काम कर रही है।

हनीट्रैप में फंसाकर मारी अमन को गोलियां

लड़की की खैरमपुरिया से होती थी फोन पर बात

हिसार,16 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के राजौरी गार्डन स्थित बर्गर किंग आउटलेट पर 18 जून को झज्जर निवासी अमन की हत्या में राकेश उर्फ काला खैरमपुरिया का हाथ था। अमन को हनीट्रैप में फंसा कर 40 गोलियां मारी गईं थीं। वारदात के समय अमन के साथ मीनू नाम की युवती थी, जिसकी काला खैरमपुरिया से फोन पर अक्सर बातचीत होती थी। काला के इशारे पर ही चार शूटरों ने वारदात को अंजाम दिया, जिनमें से तीन का सोनीपत में एनकाउंटर हो चुका है। एसटीएफ की पूछताछ के दौरान काला खैरमपुरिया ने यह खुलासा किया है। एसटीएफ मंगलवार को भी काला खैरमपुरिया को अपने साथ लेकर गई और कई ठिकानों पर छापेमारी की।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अमन की हत्या के बाद गैंगस्टर हिमांशु भाऊ ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की थी, जिसे काला खैरमपुरिया को टैग किया था। पूछताछ में काला खैरमपुरिया ने बताया कि झज्जर जिला निवासी शक्ति दादा गैंगस्टर नीरज बवाना का मौसेरा भाई था। करीब डेढ़ साल पहले उसकी झज्जर में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

नीरज बवाना गैंग को शक था कि अमन ने शक्ति दादा के बारे में सूचना दी थी। इसका बदला लेने के लिए काला खैरमपुरिया ने मीनू को अमन को किसी तरह बातों में फंसाकर बर्गर किंग आउटलेट में लाने को कहा। दोनों के वहां पहुंचने के बाद चार शूटरों ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर अमन की हत्या कर दी थी। इन शूटरों में हिसार के गांव खारिया निवासी आशीष और खरड़ निवासी सन्नी भी शामिल थे। काला खैरमपुरिया ने सोनीपत में हुए एक हत्याकांड का भी खुलासा किया है। इसके अलावा नीरज बवाना गैंग से सपर्क की बात भी कबूल की है।

जींद के सचिव नेहरा ने हासिल किया ऑल इंडिया में पहला स्थान

जींद,16 जुलाई (एजेंसियां)। जींद के अर्बन इस्टेट निवासी सचिव नेहरा ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली गई सहायक भविष्य निधि आयुक्त की परीक्षा में ऑल इंडिया में पहला स्थान हासिल किया है। मंगलवार को सचिव नेहरा जब अपने घर पहुंचे तो उनका जोरदार स्वागत किया गया। उनके घर बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। फिलहाल सचिव नेहरा इनकम टैक्स विभाग दिल्ली में इंस्पेक्टर के रुप में काम कर रहे हैं।

मूल रुप से 33 वर्षीय सचिव नेहरा नारनौंद के रहने वाले हैं। उनके पिता डॉ. वेदपाल नेहरा नारनौंद में एक अस्पताल चलाते थे। पिछले दिनों उनका निधन हो गया था। उनकी माता साक्षी नेहरा गृहणि हैं। सचिव नेहरा की बहन सुविधा जींद में स्टाफ नर्स हैं। सचिव नेहरा का परिवार दो साल पहले ही जींद में

अपनी बहन के पास आ गया था। फिलहाल सचिव नेहरा अविवाहित हैं। संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली गई सहायक भविष्य निधि आयुक्त की परीक्षा में सचिव नेहरा ने ऑल इंडिया में पहला स्थान हासिल किया है। सचिव नेहरा ने बताया कि वह अपनी नौकरी के साथ-साथ यूपीएससी की तैयारी भी कर रहे थे। उन्होंने दो बार आईएएस के लिए भी परीक्षा दी, लेकिन बात नहीं बनी। अब वह सहायक भविष्य निधि आयुक्त लगकर देश सेवा करेंगे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

बेहतर ज़िन्दगी के लिए अपनी सेहत और व्यक्तित्व में सुधार लाने कि कोशिश करें। आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ़ लें। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें। लोगों की दख़लअन्दाज़ी वैवाहिक जीवन में परेशानी खड़ी कर सकती हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अगर आपकी योजना बाहर घूमने-फिरने की है तो आपका वक़्त हँसी-ख़ुशी और सुकून भरा रहेगा। आपकी लगन और मेहनत पर लोग ग़ौर करेंगे और आज इसके चलते आपको कुछ वित्तीय लाभ मिल सकता है। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है लेकिन बात को आगे बढ़ाने से पहले यह जरूर जान लें कि कहीं वो शख्स किसी के साथ रिश्ते में न हो। खाली वक्त आज व्यर्थ की बहसों में खराब हो सकता है जिससे दिन के अंत में आपको खिन्नता होगी। वैवाहिक जीवन में निजता का ध्यान रखना भी आवश्यक है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज के दिन घर के किसी इलेक्ट्रॉनिक सामान के खराब हो जाने की वजह से आपका धन खर्च हो सकता है। शाम का वक़्त दोस्तों के साथ मौज-मस्ती के लिए अच्छा है, साथ ही छुट्टियों के लिए योजना भी बन सकती है। सैर-सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। अगर आप लंबे समय से अपने जीवन में किसी रोचक चीज़ के होने का इंतज़ार कर रहे हैं, तो निश्चय ही आपको उसके संकेत दिखाई देने लगेंगे। दिन भर लोगों के साथ बिताने के बाद शाम का पूरा वक्त आप अपने जीवनसाथी को दे सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप भावनात्मक तौर पर बहुत संवेदनशील हैं, इसलिए ऐसे हालात से बचें जो आपको चोट पहुँचा सकते हों। अगर आप यात्रा पर जाने वाले हैं तो अपने कीमती सामान का ध्यान रखें उसके चोरी होने की संभावना है। आप सभी पारिवारिक कर्ज़े ख़त्म करने में क़ामयाब रहेंगे। जिंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे। लंबे समय के बाद आप भरपूर नींद का मज़ा ले पाएंगे। इसके बात आप बहुत शान्त और तरोताज़ा महसूस करें

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने काम-से-काम रखना बेहतर रहेगा। कम-से-कम दख़ल दें, नहीं तो इससे निर्भरता बढ़ सकती है। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना देगा यह दिन बेहतरीन दिनों में से एक हो सकता है। आज दिन में आप कई अच्छे प्लान भविष्य के लिए बना सकते हैं लेकिन शाम के वक्त किसी दूर के रिश्तेदार के घर में आ जाने के कारण आपके सारे प्लान धरे के धरे रह सकते हैं। किसी ऐसे इंसान के साथ समय बिताना जिसका साथ आपको बहुत पसंद न हो, आपकी खीझ की वजह हो सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सेहत से जुड़ी समस्याएँ आपके लिए परेशानी का सबब बन सकती हैं। भाई बहनों की मदद से आज आपको आर्थिक लाभ मिल पाएगा। अपने भाई बहनों की सलाह लें। पारिवारिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी, जो आपको मानसिक तनाव दे सकती है। आज अचानक किसी से रोमांटिक मुलाक़ात हो सकती है। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को वक्त देने से बेहतर है अपने आपको वक्त दें। आपको ख़ुशी से भरी जीवन को सही से जीना चाहते हैं तो टाइम टेबल के हिसाब से चलना सीखें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अगर आप पर्याप्त आराम नहीं कर रहें है तो आप बहुत ज़्यादा थकान महसूस करेंगे और आपको अतिरिक्त आराम की ज़रूरत होगी। दिन की शुरुआत में ही आज आपको कोई आर्थिक हानि हो सकती है जिससे सारा दिन खराब हो सकता है। दिन के दूसरे हिस्से में कुछ दिलचस्प और रोमांचक काम करने के लिए बढ़िया वक़्त है। आज किसी सहकर्मी के साथ आप शाम का वक्त बिता सकते हैं हालांकि अंत में आपको महसूस होगा कि आपने उनके साथ समय बर्बाद किया है और कुछ नहीं। आप दोनों आज बहुत मज़े करने वाले हैं। बेरोजगारों को आज के दिन नौकरी न मिलने का मलाल हो सकता है।।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। आज आपको अपने जीवनसाथी का दैवीय पक्ष देखने को मिल सकता है। आज आप सब चिंताओं को भुलाकर अपनी रचनात्मकता को बाहर निकाल सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

विवाहित दंपत्तियों को आज अपनी संतान की शिक्षा पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। आपके लिए अपने प्रिय से दूर रहना बहुत मुश्किल होगा। यदि आपको व्यस्त दिनचर्या के बाद भी अपने लिए समय मिल पा रहा है तो आपको इस समय का सदुपयोग करना सीखना चाहिए। ऐसा करके अपने भविष्य को आप सुधार सकते हैं। अपने जीवनसाथी की नुक़्ताचीनी से आप आज परेशान हो सकते हैं, लेकिन वह आपके लिए कुछ बढ़िया भी करने वाला है। जीवन का आनंद अपने लोगों को साथ लेकर चलने में है यह बात आज आप स्पष्टता से समझ सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

भागमभाग भरे दिन के बावजूद आपकी सेहत पूरी तरह दुरुस्त रहेगी। हालाँकि धन आपकी मुट्ठियों से आसानी से सरक जाएगा, लेकिन आपके अच्छे सितारे तंगी नहीं आने देंगे। कुछ लोग आपकी झुंझुलाहट की वजह बन सकते हैं, उन्हें नज़रअंदाज़ करें। अगर आप ऐसा नहीं करते तो आपका प्रेमी आपसे नाराज हो सकता है। आज आप व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस खाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ्तगू कर सकते हैं। रिश्तेदारों के चलते जीवनसाथी से वाद-विवाद हो सकता है, लेकि आख़िर में सब ठिक हो जाएगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

क़िस्मत के भरोसे न बैठें और अपनी सेहत सुधारने के लिए ख़ुद मेहनत करें, क्योंकि हाथ पर हाथ रखे रहने से कुछ नहीं होने वाला। इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। किसी बुजुर्ग की सेहत चिंता का सबब बनेगी। किसी दिलचस्प इंसान से मिलने की प्रबल संभावना है। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा। आपके पिता आज आपके लिए कोई तोहफा ला सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। परिवार के लोगों के बीच पैसे को लेकर आज कहासुनी हो सकती है। पैसों के मामलों में आपको परिवार के सभी लोगों को स्पष्ट होने की सलाह देनी चाहिए। आज कुछ नया और सृजनात्मक करने के लिए अच्छा दिन है। आपका जीवनसाथी वाक़ई आपके लिए फ़रिश्तों की तरह है और आपको आज यह एहसास होगा। यात्रा पर किसी हसीन अजनबी से मुलाकात आपको अच्छे अनुभव करा सकती है।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 17 जुलाई 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : एकादशी रात्रि 09:04 तक
नक्षत्र : अनुराधा उत्तर रात्रि 03:13 तक
योग : शुभ 07:03 तक
करण : वणिज प्रातः 07:56 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 05:50 , सूर्यास्त 06:53 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:43, सूर्यास्त 06:43 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : देवशयनी एकादशी व्रत, चातुर्मास व्रत आरंभ , भद्रा प्रातः 08:55 से रात्रि 09:03 तक , पंढरपुर यात्रा , गण्डमूल रात्रि 03:14 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

वाल्मीकि निगम घोटाले में कई और मंत्री शामिल : विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई.विजयेंद्र ने कहा कि वाल्मीकि विकास निगम घोटाले में सिर्फ विधायक, पूर्व मंत्री ही नहीं बल्कि कुछ मंत्री भी शामिल हैं। ये सब खुलासा हो चुका है और राज्य की जनता के सामने है।

शहर में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि घोटाले की जांच से कोई नहीं बच सकता। चाहे कोई भी बड़ा हो, सीबीआई और ईडी के आगे आना होगा। वे अपने तरीके से जांच करेंगे। एक तरफ जहां सीबीआई जांच कर चुकी है। वहीं, एसआईटी राज्य से अलग जांच कर रही है। नागेंद्र पहले से ही ईडी की हिरासत में हैं। निगम के चेयरमैन विधायक दद्दल सोमवार को सदन में मौजूद थे। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन कहां है। उन्होंने आगे बताया कि पता चला है कि नागेंद्र के साथ दद्दल की भी भूमिका है। कावेरी नदी जल मुद्दे को लेकर तमिलनाडु में सर्वदलीय बैठक बुलाने के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में वे क्या करते हैं, यह महत्वपूर्ण नहीं है।

प्रदेश में मुख्यमंत्री द्वारा बुलाई गई बैठक में हमने स्पष्ट रूप से अपनी पार्टी का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को किसी भी कारण से राज्य के किसानों, खासकर मैसूरु हिस्से के किसानों के हित के खिलाफ काम नहीं करना चाहिए। ट्रिब्यूनल में और अधिक प्रभावी ढंग से बहस की जानी चाहिए। हमने मुख्यमंत्री को इसके लिए उपयुक्त वकील नियुक्त करने के लिए सूचित किया है। उन्होंने कहा कि हमें विश्वास है कि वह इस संबंध में पर्याप्त निर्णय लेंगे।

डीआईजी का दावा : छह से आठ घंटे में हो जाएगा हत्या मामले में खुलासा

दरभंगा (एजेंसियां)। डीआईजी बाबुराम ने दावा करते हुए कहा है कि पुलिस मामले के उद्भेदन के अंतिम चरण तक पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा कि मृतक के घर अंदर टेबल पर से तीन ग्लास बरामद किए गए हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस का दावा है कि अगले छह से आठ घण्टे के भीतर मामले का उद्भेदन करते हुए सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की हत्या मामले को गंभीरता से लेते हर दरभंगा प्रक्षेत्र के डीआईजी बाबूराम भी जांच के लिए पहुंच गए है। वहीं मौके पर डॉग स्काएड की टीम घटना स्थल पर पहुंच कर जांच में जुट गई है। डॉग स्कॉयड थोड़ी दूरी पर तीन जगहों पर जाकर फिर से वापस उनके घर लौट आई। वहीं एफएसएल की टीम भी जांच में जुट गई। बताया जाता है कि जीतन सहनी के घर में दो अन्य लोग रहते थे। उनमें एक उनके लिए खाना बनाता था और उनकी देखभाल करता था। हालांकि वे दोनों प्रतिदिन उनके लिए खाना बनाकर चले जाया करते थे। बताया जाता है कि अपराधियों ने घटना के बाद घर के अंदर से बक्सा जो लाल रंग के कपड़े में लपेटा हुआ था, उसे मुकेश सहनी के घर के पीछे वाले हिस्से में फेंक दिया था। साथ ही मृतक के घर अंदर टेबल पर से तीन ग्लास बरामद किए गए हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस का दावा है कि अगले छह से आठ घण्टे के भीतर मामले का उद्भेदन करते हुए सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। शुरूआती दौर में पुलिस इसे चोरी की घटना बता रहीथी। उस फेंके गए बक्सा में कुछ भी बरामद नही हुआ, लेकिन पुलिस उस बक्से को जब्त कर जांच के लिए थाना ले गई है। फिलहाल पुलिस इस मामले में दूध देने वाले और खाना बनाने वाले सहित चार लोगों से पूछताछ कर रही है।

लोगों का कहना है कि मृतक प्रतिदिन सुबह में भजन सुना करते थे, जिसकी आवाज आस-पास के लोगों को भी मिला करता था लेकिन आज न तो भजन बजा और न ही अपने घर से बाहर निकले तो उनके एक पड़ोसी ने खिड़की से देखा तो उनका शव घर मे बिस्तर पर क्षत विक्षत रूप से पड़ा था। इस घटना की जानकारी मिलते ही पड़ोस के लोग उनके घर जमा हुए और स्थानीय बिरौल थाना की पुलिस को घटना की जानकारी दी।

वीआईपी के जिलाध्यक्ष व मुकेश सहनी के चचेरे भाई विनोद बम्पर ने पुलिस के चोरी के दौरान हत्या के थ्योरी को गलत बताया है। उन्होंने कहा कि चोरी के दौरान इस तरह से निर्मम हत्या नही होती है क्योंकि मृतक के शरीर पर कई वार किए गए हैं। उनके शरीर पर वार के दौरान शरीर के कई अंग बाहर निकल गए हैं। उन्होंने पुलिस से सही दिशा में जांच कर कड़ी कार्यवाई को मांग की है।

बाइक सवार अपराधियों ने पूर्व मुखिया के भाई को मारी गोली, अस्पताल में भर्ती

गोपालगंज (एजेंसियां)। गोपालगंज में बाइक सवार बेखौफ अपराधियों ने पूर्व मुखिया के भाई को गोली मार दी। उसके बाद सभी अपराधी हथियार लहराते हुए मौके से फरार हो गए। गोली लगने के बाद स्थानीय लोगों ने पूर्व मुखिया के भाई को सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। घटना गोपालगंज जिले के थावे थाना के धतीवना गांव की है। घायल की पहचान अजय सिंह के रूप में हुई है जो धतीवना पंचायत के पूर्व मुखिया अश्विनी सिंह के भाई हैं।

जानकारी के मुताबिक, मंगलवार की सुबह धतीवना गांव निवासी अजय सिंह अपने घर के बाहर कुर्सी पर बैठे थे। उसी दौरान एक बाइक पर सवार तीन अपराधियों ने अजय सिंह को गोली मार दी और आस-ानी से फरार हो गए। गोली अजय सिंह के पैर में लगी है, सदर अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। वहीं, इस मामले में सदर एसडीपीओ प्रांजल ने बताया कि पीड़ित व्यक्ति का नाम अजय सिंह है। यह थावे के धतीवना पंचायत के पूर्व मुखिया का भाई है। एक बाइक पर सवार तीन अपराधियों ने अजय सिंह गोली मार दी है। घटना की वजह आपसी रंजिश है या कुछ और पुलिस जांच कर रही है। गोपालगंज जिले के थावे प्रखंड की धतीवना पंचायत का विवादों से पूर्व का ही नाता है। आज से दो साल पूर्व इसी पंचायत के नव निर्वाचित मुखिया सुखल मुसहर की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस हत्याकांड में भी चुनावी रंजिश का मामला सामने आया था।

फिर दोबारा हुए उपचुनाव में सुखल मुसहर के परिजन ही इस पंचायत के मुखिया पद पर काबिज हुए। वहीं, ताजा मामले को लेकर सदर डीएसपी प्रांजल त्रिपाठी ने एसआईटी का गठन करते हुए कहा कि अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापामारी कर रही है। पुलिस बहुत जल्द मामले का खुलासा कर लेगी।

सिविल सर्जन के कार्यालय के पास ही कचरे के डिब्बे में मिला नवजात बच्ची का शव

इलाके में मचा हड़कंप

हाजीपुर (एजेंसियां)। हाजीपुर में सिविल सर्जन के कार्यालय से कुछ ही दूरी पर हत्या कर नवजात बच्ची का शव कचरे के डिब्बे में फेंकने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि नगर थाना क्षेत्र के सदर अस्पताल से सौ मीटर की दूरी पर कचरे के डब्बे से कचरा उठाने गए नगर परिषद के सफाई कर्मी द्वारा एक बच्ची का शव देखा गया। इसके बाद सफाई कर्मियों द्वारा स्थानीय लोगों को इसकी जानकारी दी गई। जैसे-जैसे लोगों को इसकी जानकारी हुई वैसे-वैसे लोग वहां इकट्ठा होते चले गए। बच्ची चार महीने की बताई जा रही है। शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया है।

जानकारी के मुताबिक, अस्पताल रोड पर कई निजी अस्पताल चलाए जाते हैं। भ्रूण हत्या का क्रूर कृत्य भी निजी अस्पताल में कराया जाता है। इससे पहले भी कई बार हाजीपुर में नवजात बच्चे के शव मिल चुके हैं। लेकिन सबसे बड़ी बात है कि जहां जिले के सिविल सर्जन का कार्यालय हो या जिले के तमाम स्वास्थ्य विभाग के बड़े-बड़े अधिकारी बैठते हों, उस कार्यालय से कुछ ही दूरी पर हत्या कर बच्ची का शव फेंक दिया गया। लगभग पांच घंटे बीत जाने के बाद भी न तो कोई अधिकारी जांच के लिए मौके पर पहुंचा और न ही किसी अधिकारी ने इस मामले की सुध ली। पूरे देश में 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' का नारा दिया जाता है। लेकिन आज की तस्वीर देखकर लोग इस नारे को भी भूल जाएंगे, जहां पर कोख में पलने वाली बेटी को ही मारकर फेंक दिया गया।

गाइडलाइन के मुताबिक, मृत बच्चे के डिस्पोजल की अलग व्यवस्था होती है। साथ ही मेडिकल का जो कचरा होता है, उसके डिस्पोजल की भी अलग व्यवस्था होती है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से गाइडलाइन जारी है। लेकिन जिस तरीके से बच्चे का शव कचरे के ढेर में मिला है। उससे समझा जा सकता है कि नियमों का कितना पालन किया जाता है।

भीषण सड़क हादसे में परिवार के छह लोगों की मौत, पांच गंभीर

पटना (एजेंसियां)। पटना के बख्तियारपुर में मंगलवार सुबह भीषण सड़क हादसे में परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। वहीं पांच लोगों की हालत गंभीर है। घटना बख्तियारपुर-बिहारशरीफ हाईवे पर हुई। बताया जा रहा है कि आज नवादा जिले के हमीदपुर बारा से एक परिवार स्कार्पियो पर सवार होकर मुंडन कराने बाढ़ उमानाथ मंदिर जा रहे थे। बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के मानस-रोवर पेट्रोल पंप के समीप तेज रफ्तार ने स्कार्पियो में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कॉर्पियो पर सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दो लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। पुलिस ने स्कॉर्पियों को घायलों को बाहर निकाला और इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया। वहीं मरने वालों की लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बाढ़ अनुमंडल के डीएसपी 2 अभिषेक सिंह ने बताया कि सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत की बात सामने आ रही है। मरने वालों के परिजनों को सूचना भेज दी गई है। सभी लोग नवादा जिले के हमीदपुर बारा गांव के बताए जा रहे हैं।

बाढ़ अनुमंडल के डीएसपी 2 अभिषेक सिंह ने बताया कि सड़क किनारे हाईवा गाड़ी खड़ी थी। इसी दौरान पीछे से आ रहे तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं एक शख्स की बख्तियारपुर अस्पताल में मौत हो गई। वहीं एक अन्य ने पीएमसीएच ने दम तोड़ दिया। मामले की जांच करवाई जा रही है। कुछ लोगों से पूछताछ की जा रही है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है।

शिक्षक भर्ती परीक्षा के तीसरे चरण से बीपीएससी ने बदला फॉर्मूला, पेपर लीक रोकने का निकाला रास्ता

पटना (एजेंसियां)। बिहार लोक सेवा आयोग शिक्षक भर्ती परीक्षा 3.0 को लेकर नया तरीका अपनाने जा रहा है। यह तकनीक सफल रही तो बाकी परीक्षाओं में भी इसका उपयोग किया जाएगा। बीपीएससी को शिक्षक भर्ती परीक्षा 3.0 पेपर लीक के बाद रद्द करनी पड़ी थी। इसके बाद अब परीक्षा की नई तारीख करीब आने पर आयोग के अध्यक्ष रवि मनुभाई परमार पहली बार मीडिया से मुखातिब हुए। उन्होंने बताया कि इस नई तरीके के बाद पेपर लीक करने की चाहत रखने वाले परेशान हो जाएंगे। वह जहां से पेपर लीक करेंगे, आयोग को उसका तुरंत पता चल जाएगा। पेपर लीक करने वाले चैनल को तुरंत चिह्नित कर लिया जाएगा। पेपर लीक हुआ भी तो उसका विस्तार उसी जिले तक होगा। दूसरे जिले पर असर नहीं पड़ेगा। उदाहरण के लिए नवादा में अगर पेपर लीक होगा तो पूरे राज्य के सभी केंद्रों की परीक्षा रद्द करने की नौबत नहीं आएगी। इसके लिए हर जिले के हिसाब से प्रश्नपत्र सेट किए गए हैं।

अध्यक्ष ने कहा कि आयोग ने तय कि आगामी परीक्षा स्वच्छ और कदाचार रूप से हो, इसके लिए कई तैयारियां की गई है। आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। परीक्षा के लिए प्रश्न पत्र के कई सेट रहेंगे। इन प्रश्न के सेटों को अलग-अलग प्रिंटिंग प्रेस से छपवाया जाएगा। इस बार प्रश्न पत्र की कोडिंग नंबर से नहीं की जाएगी। बीपीएससी ने तय किया है कि इस बार प्रश्न पत्र के सेट की कोडिंग कलर से की जाएगी। किस कलर सेट का किस

जिले में उपयोग किया जाना है? इसकी सूचना जिलाधिकारियों को परीक्षा से तीन घंटा पहले दी जाएगी। कलर सेट का चयन पूरी तरह से वैज्ञानिक तरीके से होगा। प्रश्न पत्र पहुंचाने वाली गाड़ी में जीपीएस ट्रैकर लगे होंगे। इसमें ड्राइवर के साथ अधिकारी और कर्मचारी भी रहेंगे। प्रश्न पत्र को अभ्यर्थियों के सामने ही खोला जाएगा।

बीपीएससी के अध्यक्ष ने कहा कि पेपरलीक की कोई संभावना न रहे, इसके लिए अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। बच्चों को किसी तरह की कोई परेशानी न हो, आयोग ने इसका भी ध्यान रखा है। परीक्षा में कदाचार रोकने के लिए हर केंद्र पर प्रत्येक अभ्यर्थियों को बायोमीट्रिक जांच से गुजरना होगा। परीक्षा केंद्र पूरी तरह सीसीटीवी की निगरानी में रहेगा। कंट्रोल रूम से इसकी लाइव इतना ही नहीं परीक्षा केंद्र पर भी जैमर लगा रहेगा।

बीपीएससी टीआरई 3 के रिजल्ट पर 65 प्रतिशत आरक्षण के फैसले का प्रभाव पड़ेगा या नहीं? इसपर बीपीएससी के अध्यक्ष ने कहा कि यह 65 प्रतिशत आरक्षण का मामला इस वक्त सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। कोर्ट से निर्णय आने के बाद बिहार सरकार का जो भी निर्देश आयोग को प्राप्त होगा। उसी अनुसार, रिजल्ट का प्रकाशन किया जाएगा। तीसरे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा का रिजल्ट जारी होने के बाद ही चौथे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा का नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा।

बिहार लोक सेवा आयोग रद्द की गई तीसरे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा 19 जुलाई से शुरू हो रही है। 19, 20 और 21 जुलाई को एकल पाली (12 बजे से ढाई बजे) और 22 जुलाई को दो पाली (पहली पाली नौ बजे से और दूसरी पाली 12 बजे से) ली जाएगी। इस परीक्षा में करीब छह लाख अभ्यर्थी शामिल होंगे। बता दें कि 15 मार्च आयोग ने पहले ही एडमिट कार्ड जारी दिया है। बीपीएससी शिक्षक भर्ती परीक्षा चरण- 3 के लिए एग्जाम 19 से 22 जुलाई, 2024 निर्धारित है। इस चरण का लक्ष्य राज्य भर में विभिन्न शिक्षण पदों के लिए 87,074 रिक्तियों को भरना है।

बीपीएससी शिक्षक भर्ती परीक्षा में बढ़ा आरक्षण मिलेगा या नहीं?

पटना (एजेंसियां)। बिहार में शिक्षक भर्ती परीक्षा 3.0 की तैयारी अंतिम चरण में है। बिहार लोक सेवा आयोग ने परीक्षा की तैयारी के साथ पेपर लीक से बचने के उपायों पर विस्तार से बात की। इस क्रम में एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने साफ किया कि शिक्षक भर्ती परीक्षा का परिणाम बिहार सरकार के निर्देश के बाद जारी होगा, क्योंकि पटना हाईकोर्ट ने राज्य में बढ़ाए गए आरक्षण को रद्द करने का निर्देश दे रखा है और मामला सुप्रीम कोर्ट में है। राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट के फैसले के आधार पर जो निर्देश देगी, उस हिसाब से परीक्षा परिणाम जारी किया जाएगा। मतलब, परीक्षा परिणाम में आरक्षण रोस्टर पुराना लागू रहेगा या बढ़ाए जाने के बाद वाला, यह सुप्रीम कोर्ट के फैसले और उसपर राज्य सरकार के निर्देश पर निर्देश पर निर्भर करेगा।

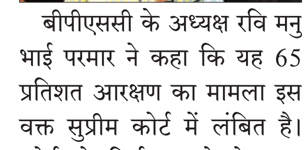

बीपीएससी के अध्यक्ष रवि मनु भाई परमार ने कहा कि यह 65 प्रतिशत आरक्षण का मामला इस वक्त सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। कोर्ट से निर्णय आने के बाद बिहार सरकार का जो भी निर्देश आयोग को प्राप्त होगा। उसी अनुसार, रिजल्ट का प्रकाशन किया जाएगा। तीसरे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा का रिजल्ट जारी होने के बाद ही चौथे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा का नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। आयोग का प्रयास है कि जल्द से जल्द रिजल्ट जारी कर दिया जाए। आरक्षण पॉलिसी पर जितना जल्दी बिहार सरकार की ओर से निर्दश जारी हो जाए, उतनी ही जल्दी रिजल्ट का प्रकाशन कर दिया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com